सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन
2016–2017

बौद्धिक
सम्पदा भारत

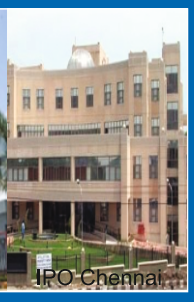

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन
भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग

Jaina Offsetprinters

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन
2016–17

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन

भारत

हम हैं

सत्यमेव जयते

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न

पेटेंट	डिजाइन	व्यापार चिह्न	भौगोलिक उपदर्शन	कॉपीराइट	अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन	पेटेंट सूचना पद्धति व राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान
अभिनव उत्पादों व प्रक्रियाओं का संरक्षण करता है **पेटेंट कार्यालय** **कोलकाता, दिल्ली, मुंबई व चेन्नई**	वस्त्र डिजाइनों सहित रचनात्मक डिजाइनों का संरक्षण करता है डिजाइन स्कन्ध, कोलकाता	किसी व्यवसाय के विशिष्ट प्रतीक का संरक्षण करता है व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कोलकाता, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई व अहमदाबाद	किसी भौगोलिक क्षेत्र के विशिष्ट पारंपरिक उत्पादों का संरक्षण करता है, "भारत मे बना भारत द्वारा बना भारत के रत्न" "मेड इन इंडिया मेड बाय इंडिया जेवेल्स ऑफ इंडिया" भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री चेन्नई	सांस्कृतिक, कलात्मक और साहित्यिक कार्यों का संरक्षण करता है कॉपीराइट रजिस्ट्री दिल्ली	एकीकृत परिपथ के अभिन्यास-डिज़ाइन अथवा स्थलाकृति विवरण का संरक्षण करता है अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री दिल्ली	**नागपुर**

भारत व विश्व की बौद्धिक रचनाओं को संरक्षित करना

अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करते हुए तथा बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर वैश्विक विकास के साथ तालमेल बनाते हुए राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करते हैं

अनुक्रमणिका

अध्याय	विषय-वस्तु	पृष्ठ संख्या
अध्याय–1	प्राक्कथन	5
अध्याय–2	बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति – एक झलक	10
अध्याय–3	जन सेवा प्रदान – दक्षता और पारदर्शिता	16
अध्याय–4	पेटेंट	25
अध्याय–5	डिजाइन	51
अध्याय–6	व्यापार चिह्न	65
अध्याय–7	भौगोलिक उपदर्शन	80
अध्याय–8	अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन	87
अध्याय–9	कॉपीराइट	90
अध्याय–10	पेटेंट सूचना पद्धति एवं राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान	94
अध्याय–11	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	106
अध्याय–12	पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी)	112
अध्याय–13	प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि–क्रियाकलाप	116
अध्याय–14	मानव संसाधन	123

1. प्राक्कथन

किसी देश में प्रबल बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रणाली घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर व्यापार और वाणिज्य के विकास की सुविधा प्रदान करती है, और व्यापार में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त देती है।

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न जो एकस्व, व्यापार चिह्न, अभिकल्प, डिजाइन व भौगोलिक उपदर्शन के प्रशासन के लिए उत्तरदायी है, इस वर्ष से कॉपीराइट व अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के प्रशासन के लिए भी उत्तरदायी है। इस प्रकार, कार्यालय अब देश में सभी प्रमुख बौद्धिक सम्पदा विधानों का संचालन करता है जिससे कार्यात्मक तालमेल बनता हैं और प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित बनती है जिसके कारण हितधारकों को बेहतर सेवाएं मिलती हैं।

भारत सरकार ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के निर्माण और संरक्षण के लिए अनुकूल वातावरण स्थापित करने और देश में बौद्धिक संपदा प्रशासन को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति 12 मई 2016 को भारत सरकार द्वारा शुरू की गई थी जिसमें बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रशासन व प्रबंधन सहित सात उद्देश्य शामिल हैं। यह देश में स्थिर बौद्धिक सम्पदा शासन को बढ़ावा देने तथा देश के औद्योगिक व आर्थिक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचार को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है। कार्यालय ने राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति के उद्देश्यों को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं जिसमे बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबंधन को सुदृढ़ करना व सभी हितधारकों की बौद्धिक सम्पदा प्रणाली तक पहुंच में आसानी सुनिश्चित करना शामिल है।

वर्ष के दौरान, बौद्धिक सम्पदा आवेदनों के संसाधन में दक्षता, एकरूपता व स्थिरता बढ़ाने के लिए, पारदर्शिता को मजबूत करने के लिए, बौद्धिक सम्पदा संबंधित जानकारी के प्रसार के लिए, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए व जनता के बीच बौद्धिक सम्पदा जागरूकता को बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए।

मई 2016 में पेटेंट नियम, 2003 में संशोधन लागू हुए जिनसे प्रक्रियाओं को सरल बनाने

के लिए व्यापक बदलाव लाए गए, जिसमें पेटेंट आवेदनों के निपटान के लिए समयबद्धियां व्यवस्थित करना, स्टार्टअप को आवेदक की नई श्रेणी के रूप में शामिल किया गया जिसे शुल्क में 80% की रियायत दी गयी, स्टार्टअप व भारतीय पेटेंट कार्यालय को अपने पीसीटी आवेदन के लिए आईएसए/आईपीईए के रूप में चुनने वाले आवेदकों द्वारा दायर पेटेंट आवेदनों की त्वरित जांच, पेटेंट अभिकर्ताओं द्वारा अनिवार्य ऑनलाइन फाइलिंग, वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग/ऑडियो विजुअल संचार उपकरणों के माध्यम से सुनवाई, आवेदन वापस लेने व परीक्षण हेतु अनुरोध दाखिल करने के शुल्क का प्रतिदाय शामिल है। प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए, अब प्रत्येक पक्ष द्वारा सुनवाई का स्थगन अधिकतम दो बार तक सीमित कर दिया गया है।

व्यापार चिह्न नियम 1999 में संशोधन, जो मार्च 2017 में अधिसूचित हुए, उनमे व्यापार चिह्न के पंजीकरण को सरल और उपयोगकर्ता–अनुकूल बनाने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और अनावश्यक प्रावधानों को हटाने के लिए नए प्रावधान शामिल किए गए। व्यापार चिह्न संशोधन नियम 2017 में लाए गए प्रमुख बदलावों में, फॉर्म की संख्या 74 से घटाकर 8 की गयी, सभी प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों हेतु एक आवेदन पत्र, स्टार्टअप, व्यक्तियों व लघु उद्यमों के लिए शुल्क मे रियायत, सुनवाई के लिए वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग की अनुमति, ई–मेल सेवा का सेवा के रूप में शामिल करना व पूर्ण व्यापार चिह्न अभियोजन प्रक्रिया का त्वरित संसाधन शामिल है।

बौद्धिक सम्पदा प्रक्रियाओं में सुधार व बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के प्रशासन में सुधारों को लागू किया गया है, जिसमे उसी समूह में परीक्षण के समय असमानता को दूर करने के लिए सभी पेटेंट कार्यालयों में परीक्षण के लिए पेटेंट आवेदनों का स्वतः आवंटन, विशिष्ट मॉड्यूल के माध्यम से पेटेंट और व्यापार चिह्न आवेदनों का पूर्ण संसाधन, पेटेंट व व्यापार चिह्न आवेदनों की चरण–वार वास्तविक समय पर सूचना के लिए गतिशील उपयोगिताएं, बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों द्वारा हितधारकों के लिए ई–मेल संचार, पेटेंट अनुदान के प्रमाण पत्रों व व्यापार चिह्न के पंजीकरण का ऑनलाइन जनन व ई–मेल के माध्यम से उसे आवेदक या उसके अभिकर्ता को भेजना, बेहतर सामग्री के लिए बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की वेबसाइट का नया स्वरूप, वास्तविक समय पर बौद्धिक सम्पदा जानकारी व पहुंच की आसानी और इसे अधिक अन्योन्यक्रियात्मक, सूचनात्मक तथा उसके संचालन मे आसानी शामिल है।

वर्ष के दौरान कार्यान्वित प्रक्रियागत सुधारों के परिणामस्वरूप, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने बौद्धिक सम्पदा सेवाओं को प्रदान करने व आईटी–सक्षम कामकाज के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। 2016–17 के दौरान, 2015–16 की तुलना मे परीक्षित पेटेंट आवेदनों की संख्या मे 72.2% की वृद्धि, अनुदानित पेटेंटों की संख्या मे 55.3% की वृद्धि व आवेदनों के निपटान मे 37.7% की वृद्धि हुई है। जनवरी 2017 मे व्यापार चिह्न आवेदनों

की लंबितता को 14 महीने से घटा कर 1 महीने से कम तक कर दिया गया है। परीक्षण की प्रक्रिया मे लाये गए सुधारों के परिणामस्वरूप प्रकाशन हेतु व्यापार चिह्न आवेदनों की स्वीकृति 10% से कम बढ़कर लगभग 40% तक बढ़ गई है। डिजाइन मे, नए आवेदनों के परीक्षण की लंबितता मार्च 2016 मे 8 माह से घटकर मार्च 2017 मे एक माह तक हो गयी है। वर्ष के दौरान, ऑनलाइन फाइलिंग पेटेंट मे बढ़कर 90% व व्यापार चिह्न मे बढ़कर 80% हो गयी है।

कार्यालय ने हितधारकों की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए प्रयास किए है। वर्ष के दौरान, विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों आईपीओ स्थानों पर नियमित स्टेकहोल्डर्स बैठकों का आयोजन किया गया ताकि प्रक्रियात्मक और तकनीकी मुद्दों पर प्रतिक्रिया/सुझाव प्राप्त हो सके और उनका तुरंत समाधान किया जा सके। इसके अलावा, कार्यालय के कामकाज से संबंधित मुद्दों के संबंध में राय/सुझाव/शिकायतों दर्ज करने के लिए हितधारकों को सक्षम बनाने के लिए आईपीओ वेबसाइट में एक अलग गेटवे के रूप में प्रतिक्रिया तंत्र की स्थापना की गई है। तथा, आईपीओ हेल्प–डेस्क को हितधारकों की ई–फाइलिंग मे कठिनाइयों का समाधान करने के लिए सक्रिय किया गया है।

वर्ष 2016–17 के दौरान किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के आगे के अध्यायों में दिया गया है। अद्यतन बौद्धिक सम्पदा विधान, विभिन्न समारोहों के मुख्यांश व अन्य उपयोगी सूचना हमारी शासकीय वेबसाइट (http://www-ipindia-nic-in) पर उपलब्ध है।

कार्यालय के कार्य और सेवा प्रदान में सुधार लाने और लोक शिकायतों को अधिक तेजी से और प्रभावी ढंग से सुलझाने के उद्देश्य से निकट भविष्य में कार्यान्वित किए जाने वाले आशयित भवि य मे उठाए जाने वाले कदमों में शामिल हैं, (i) हितधारकों को परीक्षण रिपोर्ट व उनके द्वारा किए जाने वाले समयबद्ध कार्यों के बारे में एसएमएस अलर्ट सेवा शुरू करना, (ii) आईपीओ वेबसाइट पर पेटेंट कार्यालय ई–जर्नल में जारी की गयी प्रथम परीक्षण रिपोर्ट (एफईआर) की आवधिक सूची प्रकाशित करना जिससे सभी हितधारक ऑनलाइन एफईआर जारी करने की स्थिति जान सकें, (iii) ऑनलाइन फाइलिंग को आसान व अधिक उपयोगकर्ता–अनुकूल बनाने के लिए डिजिटल हस्ताक्षर के वर्तमान मोड के अलावा हस्ताक्षर के ई–सत्यापन हेतु सुविधा को शुरू करना, (iv) आवेदक के कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियंत्रक के साथ सुनवाई के लिए अद्यतन सुविधा शुरू करना व (v) हितधारकों को बौद्धिक सम्पदा–सूचना और सेवा प्रदान करने के लिए मोबाइल एप सेवा का विकास करना।

(ओम प्रकाश गुप्ता, भा.प्र.से.)

महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न

2016–17 के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां

जनशक्ति की वृद्धि
पेटेंट परीक्षक – 458
व्यापार चिह्न परीक्षक – 100

पेटेंट

परीक्षण मे 72.2% की वृद्धि

पेटेंट अनुदान मे 55.3% की वृद्धि

आवेदनों के कुल निपटान मे 37.7% की वृद्धि

व्यापार चिह्न

व्यापार चिह्न आवेदनों की लंबितता को 14 महीने से घटा कर 1 महीने से कम तक कर दिया गया

प्रकाशन हेतु व्यापार चिह्न आवेदनों की स्वीकृति 10% से कम बढ़कर लगभग 40% तक बढ़ गई

डिजाइन

परीक्षण की लंबितता 8 माह से घटकर एक माह तक हो गयी है।

ऑनलाइन फाइलिंग

पेटेंट मे बढ़कर 90% व व्यापार चिह्न मे बढ़कर 80% हो गयी है

व्यापार करने में आसानी के लिए योगदान करने वाले विधायी संशोधन

पेटेंट (संशोधन) नियम, 2016

- कुछ मामलों में शुल्क की वापसी की अनुमति
- किसी भी शुल्क के बिना आवेदन की वापसी की अनुमति
- आवेदनों का अंतर्शाखा इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण
- कुछ निश्चित कारणों पर त्वरित परीक्षण की अनुमति
- 3 मास के भीतर मुख्तारनामा दाखिल किया जाए

व्यापार चिह्न (संशोधन) नियम, 2016

- प्रसिद्ध ज्ञात चिह्न के निर्धारण के लिए पहली बार प्रक्रिया तैयार की गई है
- 74 मौजूदा फॉर्म समेकित 8 फॉर्म द्वारा प्रतिस्थापित
- द्रुत गति से ध्वनि चिह्न के लिए आवेदन पत्र दाखिल करने का प्रावधान
- शुल्क में 10% छूट के माध्यम से ई-फाइलिंग को प्रोत्साहित किया गया
- पंजीकरण के चरण तक व्यापार चिह्न आवेदन का त्वरित प्रसंस्करण

2. बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति–एक झलक

परिचय

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों में विगत वर्षों के दौरान उतरोत्तर विकास देखा गया है। हालांकि, इस वर्ष 2015–16 की तुलना मे पेटेंट, डिजाइन व व्यापार चिह्न के लिए दाखिल कुल आवेदनों की संख्या मे आंशिक कमी देखी गयी जबकि भौगोलिक उपदर्शन व कॉपीराइट के आवेदनों ने वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शाई है। पिछले वर्ष (3,56,713) की तुलना मे दाखिल कुल आवेदनों (3,55,393) मे 0.37% की मामूली कमी देखी गयी है।

बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने के संदर्भ में विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत है।

आवेदन	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
पेटेंट	43,674	42,951	42,763	46,904	45,444
डिजाइन	8,337	8,533	9,327	11,108	10,213
व्यापार चिह्न	1,94,216	2,00,005	2,10,501	2,83,060	2,78,170
भौगोलिक उपदर्शन	24	75	47	14	32
कॉपीराइट	कॉपीराइट का प्रशासन 2016–17 मे औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग / कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न मे स्थानांतरित किया गया।			14,812	16,617
अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन (एससीआईएलडी)	अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन का प्रशासन 2016–17 मे औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग / कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न मे स्थानांतरित किया गया।				
कुल	**2,46,251**	**2,51,564**	**2,62,638**	**3,55,898**	**3,50,467**

बौद्धिक सम्पदा गतिविधियों के संबंध मे प्रवृत्ति :

क. **पेटेंटः** वित्त वर्ष के दौरान **45444** पेटेंट आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष दाखिल आवेदनों की तुलना में लगभग 3.2% की आंशिक कमी दर्शाते हैं। दाखिल, परीक्षित, अनुदानित

तथा निपटान किए गए पेटेंट आवेदनों के संदर्भ में विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है। आवेदनों के निपटान में पेटेंट कार्यालय द्वारा अनुदानित/अस्वीकृत व आवेदकों द्वारा आहरित व परित्यक्त आवेदन शामिल हैं।

पेटेंट आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
दाखिल	43,674	42,951	42,763	46,904	45,444
परीक्षित	12,268	18,615	22,631	16,851	28,967
अनुदानित	4,126	4,227	5,978	6,326	98,47
निपटान	9,027	11,411	14,316	21,987	30,271

2015–16 की तुलना मे 2016–17 के दौरान, परीक्षित पेटेंट आवेदनों की संख्या मे 72.2% की वृद्धि हुई, अनुदानित पेटेंट की संख्या मे 55.3% की वृद्धि हुई व निपटान किए गए आवेदनों मे 37.7% की वृद्धि हुई। पेटेंट आवेदनों की घरेलू फाइलिंग पिछले वर्ष के 28% की तुलना मे 2016–17 में 29.2% रही, जो 2015–16 की तुलना मे 1.2% की वृद्धि दर्शाता है।

ख. **डिजाइनः** 2016–17 मे, 10,213 डिजाइन आवेदन दाखिल किए गए। 2015–16 की तुलना मे 2016–17 में परीक्षित आवेदनों की संख्या मे 25.7% व पंजीकृत डिजाइन की संख्या मे 3.1% की वृद्धि हुई।

डिजाइन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
दाखिल	8,337	8,533	9,327	**11,108**	10,213
परीक्षित	6,776	7,281	7,459	**9,426**	11,940
पंजीकृत	7,252	7,178	7,147	**7,904**	8,276
आवेदनों का निपटान	7,300	7,226	7,218	**8,023**	8,332

ग. **व्यापार चिह्नः** इस वर्ष, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के सभी पाँच स्थानों पर व्यापार चिह्न के पंजीकरण हेतु 278170 आवेदन दाखिल किए गए। **परीक्षित आवेदनों की संख्या मे**

98.7% की वृद्धि हुई जबकि पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या मे 284.5% की अद्भुत वृद्धि देखी गई। 2015–16 की तुलना मे, आवेदनों का निपटान जिसमे पंजीकृत, अस्वीकृत, आहरित व परित्यक्त आवेदन शामिल हैं, उसमे 150% की वृद्धि हुई।

विगत पाँच वर्षों मे व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
दाखिल	1,94,216	2,00,005	2,10,501	2,83,060	2,78,170
परीक्षित	2,02,385	2,03,086	1,68,026	2,67,861	5,32,230
पंजीकृत	44,361	67,876	41,583	65,045	2,50,070
निपटान	69,736	1,04,756	83,652	1,16,167	2,90,444

घ. **भौगोलिक उपदर्शनः** प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, 32 आवेदन दाखिल किए गए व 28 का परीक्षण किया गया। कुल 34 भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृत किए गए। विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल, परीक्षित एवं पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की प्रवृत्ति निम्नवत हैं।

भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
दाखिल	24	75	47	17	32
परीक्षित	30	42	60	200	28
पंजीकृत	21	22	20	26	34

ङ. **कॉपीराइटः** 2016–17 के दौरान **16617** आवेदन प्राप्त किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, परीक्षित आवेदनों की कुल संख्या **16584** थी जबकि **3596** कॉपीराइट के पंजीकरण (आरओसी) उत्पन्न किए गए व **12988** विसंगत पत्र जारी किए गए।

2016–17 मे कॉपीराइट आवेदन

कुल प्राप्त आवेदन	कुल परीक्षित आवेदन	उत्पन्न किए गए कॉपीराइट के पंजीकरण (आरओसी)	नए विसंगत पत्र जारी
16617	16584	3596	12988

च. अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्तिः

विगत 5 वर्षों के दौरान बौद्धिक सम्पदा अधिकार के अनुदान/पंजीकरण की तुलनात्मक प्रवृत्ति निम्नवत है। कोष्ठक में प्रदत्त संख्या कुल निपटान प्रदर्शित करती है।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति – अनुदानित/पंजीकृत (और निपटान किए गए)

वर्ष	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
पेटेंट	4,126 (9,027)	4,227 (11,411)	5,978 (14,316)	6,326 (20,429)	9847 (30271)
डिजाइन	7,252 (7,300)	7,178 (7,226)	7,147 (7,218)	7,904 (8,023)	8276 (8332)
व्यापार चिह्न	44,361 (69,736)	67,876 (1,04,756)	41,583 (83,652)	65,045 (1,16,167)	2,50,070 (2,90,444)
भौगोलिक उपदर्शन	21	22	20	26	34
अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन (एससीआईएलडी)	अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन का प्रशासन 2016–17 मे औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग/ कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न मे स्थानांतरित किया गया।				**शून्य**
कॉपीराइट	कॉपीराइट का प्रशासन 2016–17 मे औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग/ कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न मे स्थानांतरित किया गया।				3596

छ. प्रकाशन एवं अनुदान-पूर्व विरोधः प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 11क के तहत 86,766 पेटेंट आवेदन प्रकाशित किए गए तथा धारा 25(1) के तहत सिर्फ 206 अनुदान–पूर्व विरोध दाखिल हुए जो प्रकाशित आवेदनों का लगभग 0.23% है। प्रकाशित तथा अनुदान–पूर्व विरोध के लिए दाखिल आवेदनों का ब्यौरा निम्नवत है।

वर्ष	प्रकाशन	अनुदान पूर्व विरोध
2011–12	27753	193
2012–13	26159	279
2013–14	31413	309
2014–15	26934	247
2015–16	41752	290
2016–17	**86,766**	**206**

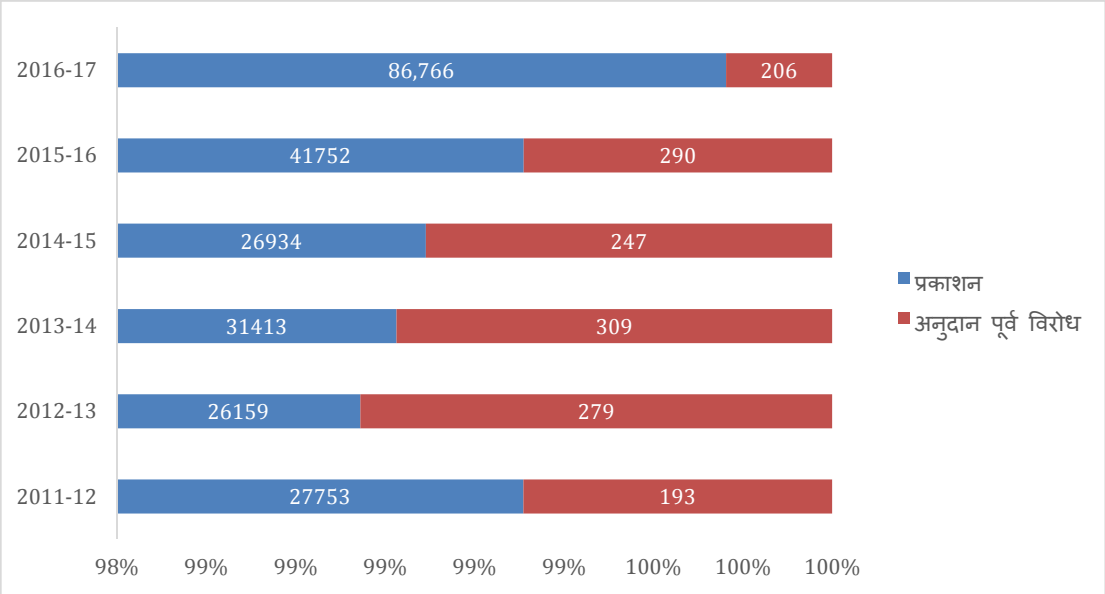

ज. **राजस्व और व्ययः** वर्ष **2016–17** के दौरान अर्जित कुल राजस्व **रू. 608.31 करोड़** था जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग **4%** अधिक है, जबकि कुल व्यय रु. 129.8 करोड़ था। पेटेंट व डिजाइन कार्यालय द्वारा अर्जित कुल राजस्व **रू. 415.54 करोड़** (पेटेंट **रू. 410.03 करोड़** एवं डिजाइन **रू. 5.51 करोड़**) था, जबकि व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने **रू. 192.3 करोड़** का राजस्व अर्जित किया, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री ने **रू. 0.12 करोड़** तथा पेटेंट सूचना पद्धति और राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने **रू. 0.276 करोड़** का राजस्व अर्जित किया। विगत वर्ष की तुलना में वर्ष 2016–17 के दौरान बौद्धिक सम्पदा प्रशासन से संबंधित राजस्व और व्यय का विवरण निम्न सारणी में प्रदर्शित है।

(i) **वर्ष 2015–16 और 2016–17 के दौरान उत्पादित राजस्व का तुलनात्मक विवरण**

वर्ष	2015–16 (लाख में रू.)	2016–17 (लाख में रू.)
पेटेंट	39840.40	41003.18
डिजाइन	557.72	551.44
व्यापार चिह्न	18316.01	19236.89
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री	3.32	12.40
पीआईएस/ आरजीएनआईआईपीएम	27.42	27.60
कुल	**58744.89**	**60831.51**

(ii) आईपीओ मे वर्ष 2015–16 और 2016–17 के लिए व्यय की तुलना

वर्ष	2015–16 (लाख मे रू.)			2016–17 (लाख मे रू.)		
	यो.	गै. यो.	कुल	यो.	गै. यो.	कुल
सीजीपीडीटीएम	3861.55	3537.82	7399.37	7533.90	4967.05	12500.95
पीआईएस/ आरजीएनआईआईपीएम	58.05	185.48	243.53	99.85	251.59	351.44
जीआई रजिस्ट्री	–	54.14	54.14	–	56.60	56.60
कुल	**3919.60**	**3777.44**	**7697.04**	**7633.75**	**5275.24**	**12908.99**

3. जन सेवा प्रदान – दक्षता और पारदर्शिता

कुशल व पारदर्शी बौद्धिक सम्पदा प्रशासन बौद्धिक सम्पदा अधिकार के आवेदकों व आम जनता मे विश्वास स्थापित करता है। बौद्धिक सम्पदा आवेदनों पर समय पर कार्यवाही व सेवाओं का संतोषजनक प्रदान बौद्धिक सम्पदा ढांचे के स्तम्भ हैं।

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न का यह सतत प्रयास रहा है कि वह अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को निभाते हुए व बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र मे वैश्विक विकास के साथ कदम से कदम मिलाते हुए देश मे बौद्धिक सम्पदा प्रणाली को मजबूत बनाए। देश में लगातार कुशल और पारदर्शी बौद्धिक सम्पदा प्रणाली स्थापित करने व सार्वजनिक सेवाओं को कुशलता से प्रदान करने व उत्पादकता तथा कार्य निष्पादन को बढ़ावा देने को सुनिश्चित करने के लिए कार्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, पूर्व से विद्यमान सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम परिवेश, कम्यूटर आधारित कार्य पद्धति व आंतरिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली का और अद्यतीकरण करने के लिए कई नई शुरुआत की गयी हैं। ऑनलाइन सेवाओं के अद्यतीकरण व बौद्धिक सम्पदा जानकारी के प्रसार मे सुधार ने डिजिटल प्रणाली के समग्र सुदृढ़ीकरण में काफी योगदान दिया है।

कार्यालय ने अपने अंतर्राष्ट्रीय विभाग के बेहतर और सुचारु कार्य के लिए आवश्यक पहल की। पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय खोज प्राधिकरण (आईएसए) व अंतर्राष्ट्रीय प्रारम्भिक परीक्षण प्राधिकरण (आईपीईए) के तहत दाखिल अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदनों के संबंध मे समय के सख्त अनुपालन में गुणवत्ता अंतर्राष्ट्रीय खोज व प्रारम्भिक परीक्षण रिपोर्ट (आईएसआर व आईपीईआर) प्रदान करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

वायपो द्वारा प्रशासित व्यापार चिह्न के पंजीकरण की अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली, मेड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, मुंबई का उद्गम कार्यालय के रूप मे कार्य करने को और सुव्यवस्थित किया गया ताकि उद्गम देश के अनुसार विभिन्न देशों मे एक ही आवेदन दाखिल कर व्यापार चिह्न को वैधानिक संरक्षा प्रदान की जा सके।

जन सेवा प्रदान को व्यवस्थित बनाने, बौद्धिक संपदा कार्यालयों का कार्यप्रणाली में दक्षता व पारदर्शिता में सुधार लाने के लिए वर्ष के दौरान उठाए गए कदमों का सारांश निम्नलिखित पैराग्राफ में दिया गया है:

(क) पेटेंटः

i. विधायी सुधारः

पेटेंट प्रक्रियाओं को आसान बनाने व आईटी सक्षम करने के लिए पेटेंट नियम 2003 को 16 मई, 2016 से संशोधित किया गया।

पेटेंट (संशोधन) नियम, 2016 द्वारा पेटेंट कार्यालयों की कार्यप्रणाली मे निम्नलिखित सुधार लाए गए हैं:

- पेटेंट आवेदनों के निपटान के लिए समयरेखा तैयार करना,
- स्टार्टअप की एक नई श्रेणी का आवेदक के रूप में सर्जन व स्टार्टअप आवेदनों की सुविधा के लिए 80% शुल्क रियायत,
- स्टार्टअप द्वारा दाखिल पेटेंट आवेदनों व भारतीय पेटेंट कार्यालय को उनके पीसीटी आवेदनों हेतु आईएसए/आईपीईए के रूप मे चयन करने वाले आवेदकों के लिए त्वरित परीक्षण,
- प्रथम परीक्षण रिपोर्ट जारी होने से पहले आवेदन का आहरण करने की अनुमति, यदि आवेदक पेटेंट के लिए दाखिल अपने आवेदन के परीक्षण का इच्छुक नहीं है व परीक्षण हेतु अनुरोध के शुल्क की वापसी की अनुमति है।
- सभी पेटेंट कार्यालय स्थलों पर आवेदक द्वारा अनुरोध किए जाने पर वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग अथवा ऑडियो–विजुअल संचार उपकरणों के माध्यम से सुनवाई की अनुमति प्रदान की जाती है।
- विरोधी कार्यवाहियों मे सुनवाई का स्थगन प्रत्येक पक्ष द्वारा दो तक सीमित किया गया है, जिससे मामले का समय पर निपटान करने मे सहायता मिलेगी। यह भी प्रावधान किया गया है कि प्रत्येक स्थगन 30 दिन से अधिक नहीं होगा।
- पेटेंट आवेदनों के डिजिटलीकरण व प्रसंस्करण की गति बढ़ाने के लिए पेटेंट अभिकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन फाइलिंग अनिवार्य।
- पीसीटी आवेदक अब भारत मे राष्ट्रीय फेज मे प्रवेश करते समय कुछ दावे हटा सकता है।
- अनुक्रम लिस्टिंग के लिए शुल्क कम कर दिया गया है, जिसमें अधिकतम शुल्क 1,20,000 रुपये है।

ii. प्रक्रियात्मक सुधार:

- **पेटेंट आवेदनों के परीक्षण हेतु अनुरोधों का स्वतः आवंटन:** 1 जनवरी 2016 से शुरू की गई महत्वपूर्ण पहल, 'पेटेंट आवेदनों व परीक्षण हेतु अनुरोधों के लिए विशिष्ट संख्या प्रणाली' को जारी रखते हुए, कार्यालय ने **1 अप्रैल, 2016 से "परीक्षण हेतु अनुरोधों का स्वतः आवंटन"** की इलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल–आधारित प्रणाली प्रारम्भ की है। इस प्रणाली ने सभी पेटेंट कार्यालय स्थलों पर परीक्षण हेतु अनुरोधों की दाखिल करने की तिथि के संबंध मे समान परीक्षण हेतु परीक्षण हेतु अनुरोधों की एक समूह वार

कतार लाई है। इस प्रणाली ने विभिन्न स्थानों पर परीक्षण के अलग–अलग समय की विसंगति को हटा दिया है। इसके अलावा, नयी संख्या प्रणाली के साथ इलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल के एकीकरण के बाद व आवेदनों के स्वतः आवंटन के उपरांत, परीक्षकों की विशिष्ट पेटेंट कार्यालय में भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता समाप्त हो गई है।

- **ई–संचारः** 1 अप्रैल, 2016 से प्रथम परीक्षण रिपोर्ट ई–मेल द्वारा जारी की जाती हैं। इस प्रकार, परीक्षण रिपोर्ट के लिए संचार के पेपर मोड को बंद कर दिया गया व हितधारकों के साथ ई–संचार लागू किया गया। सुनवाई नोटिस भी ई–मेल के माध्यम से भेजा जाता है। यह प्रक्रियाओं को तेज करने में मदद करता है।
- **पेटेंट अनुदान प्रमाणपत्रों का स्वचालनः** पेटेंट अनुदान प्रमाणपत्रों को उत्पन्न करने व जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित है। प्रमाण पत्र उत्पन्न किए जाते हैं व पंजीकृत ईमेल पर आवेदक को प्रेषित किए जाते हैं तथा आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाते हैं। आवेदक द्वारा जैसे वांछित हो वैसे डाउनलोड व प्रिंट किया जा सकता है।
- **पेटेंट खोज प्रणालीः** खोज प्रणाली को और सुव्यवस्थित करने के लिए पूर्ण पाठ शोध क्षमता वाली पहले से विद्यमान पेटेंट के लिए लॉगइन मुक्त ऑनलाइन जन खोज सुविधा, "इंडियन पेटेंट एडवान्स्ड सर्च सिस्टम (इनपास)" का वर्ष के दौरान अद्यतिकरण किया गया है।
- 1 अप्रैल 2016 से अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो व अंतर्राष्ट्रीय खोज प्राधिकरण को पीसीटी आवेदनों के लिए फीस के संचरण में देरी से बचने के लिए **पीसीटी आवेदन शुल्क के लिए इलेक्ट्रॉनिक भुगतान गेटवे** को शुरू किया गया है।
- **बहु आयामी सेवाएँः** जनता के लाभ के लिए आईपीओ वेबसाइट पर बहुत सारी बहु आयामी सेवाएं उपलब्ध कराई गयी हैं जैसे; निर्दिष्ट अवधि के दौरान संबन्धित परीक्षण समूहों द्वारा पेटेंट आवेदनों के निपटान की स्थिति प्रदर्शित करना, पेटेंट कार्यालय के सभी स्थानों (अधिकार क्षेत्र व समूह–वार) द्वारा जारी प्रथम परीक्षण रिपोर्ट (एफईआर) का अवलोकन करना।
- **गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली** को यह सुनिश्चित करने के लिए रखा गया है कि आईपी–उपयोगकर्ता जनता को गुणवत्ता रिपोर्ट अग्रेषित की जाए।
- 2015–16 की तुलना मे 2016–17 के दौरान, परीक्षित पेटेंट आवेदनों की संख्या मे 72.2% की वृद्धि हुई, पेटेंट अनुदान की संख्या मे 55.3% की वृद्धि हुई व आवेदनों के निपटान मे 37.7% की वृद्धि हुई। पेटेंट आवेदनों की घरेलू फाइलिंग 29.2% रही जो 2015–16 की तुलना मे 1.3% अधिक है।

(ख) व्यापार चिह्नः

i. व्यापार चिह्न (संशोधन) नियम 2017 के प्रावधानों के कारण सुधार

व्यापार चिह्न प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने व सरल बनाने तथा हितधारकों को निम्नलिखित लाभ प्रदान करने के लिए व्यापार चिह्न (संशोधन) नियम, 2017 को 6 मार्च, 2017 से लागू किया गया है:

- प्ररूपों की संख्या 74 से घटाकर 8 कर दी गयी है,
- सभी प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों के लिए एक आवेदन पत्र,
- स्टार्टअप, वैयक्तिक व लघु उद्यमों हेतु रियायत का प्रावधान,
- सुनवाई के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की अनुमति,
- ई–मेल को सेवा के मोड के रूप में शामिल करना,
- सुनवाई का स्थगन दो बार तक सीमित, इस प्रावधान के साथ कि प्रत्येक स्थगन तीस दिन से अधिक का नहीं होगा।
- आवेदन को ऑनलाइन दाखिल करने पर निर्धारित शुल्क में 10% की रियायत।
- फीस का भुगतान करने पर संपूर्ण व्यापार चिह्न अभियोजन प्रक्रिया के लिए शीघ्र कार्यवाही की अनुमति देना (वैयक्तिक/स्टार्टअप/लघु उद्यमों के लिए कम शुल्क)।
- हलफनामा और प्रमाण पत्र जमा करने मे विस्तार हेतु आवेदन दाखिल करने का प्रावधान हटा दिया गया है ताकि निपटान की गति बढ़ाई जा सके।

ii. प्रक्रियात्मक सुधारः

वर्ष के दौरान, प्रक्रियात्मक सुधार और व्यापार चिह्न प्रक्रिया में पुनर्रचना निम्नलिखित सुधार लाए हैं:

- पहले से विद्यमान, व्यापार चिह्न के लिए माल व सेवाओं के वर्गीकरण हेतु **ऑनलाइन खोज सुविधा** को और सुव्यवस्थित करने के लिए वर्ष के दौरान अद्यतन किया गया।
- परीक्षण हेतु **आवेदनों का आवंटन** उनकी वरिष्ठता के क्रम में स्वचालित रूप से किया जाता है। इस प्रकार, व्यापार चिह्न आवेदनों के परीक्षण हेतु आवेदनों के आवंटन मे कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता है।
- **पंजीकरण और नवीकरण प्रक्रिया का स्वचालन :**

व्यापार चिह्न पंजीकरण प्रक्रिया स्वचालित कर दी गई है क्योंकि पहले की मानवीय प्रक्रिया पंजीकरण प्रमाण पत्र के प्रेषण के संबंध में अवांछनीय लंबितता पैदा कर रही थी।

प्रकाशन के उपरांत निर्दिष्ट समय के पूरा होने पर, पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्वचालित रूप से प्रक्रियागत किया जाता है व आवेदक के नामित ईमेल–आईडी पर भेजा जाता है तथा इसे कार्यालय द्वारा बनाए गए इलेक्ट्रॉनिक रजिस्टर में भी अपलोड किया जाता है। इस परिवर्तन ने इस स्तर पर लंबितता को एक महीने से भी कम अवधि तक कम करने में मदद की है।

इसी प्रकार, **नवीकरण की प्रक्रिया** भी स्वचालित कर दी गई है, जहां नवीकरण अनुरोध (समय पर दाखिल), प्रक्रियागत किया जाता है व वैधता तिथि अद्यतन हो जाती है।

- प्रत्येक सोमवार को आधिकारिक वेबसाइट www.ipindia.nic.in पर **व्यापार चिह्न रजिस्ट्री जर्नल** मे दाखिल तथा पंजीकृत **व्यापार चिह्न आवेदनों के विवरण** के इलेक्ट्रोनिक रूप मे प्रकाशन को वर्ष के दौरान और सुव्यवस्थित किया गया।
- व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा **आधिकारिक सूचना** आवेदक अथवा उसके प्राधिकृत अभिकर्ता के ईमेल आईडी पर इलेक्ट्रोनिक रूप मे भेजी जाती है।
- उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए वेबसाइट पर सुनवाई के नोटिस व स्थगन का विवरण प्रदान किया जाता है।

प्रक्रियात्मक सुधारों व व्यापार चिह्न प्रक्रिया में पुनर्रचना के परिणामस्वरूप, जनवरी 2017 में व्यापार चिह्न आवेदनों के परीक्षण में लंबितता लगभग 14 महीने से कम होकर 1 महीने से कम हो गई है। इसके अलावा, प्रकाशन हेतु व्यापार चिह्न आवेदनों की स्वीकृति 10% से भी कम से बढ़कर लगभग 40% हो गई है।

(ग) डिजाइन

- बेहतर कामकाज की सुविधा के लिए नए डिजाइन आवेदनों को दाखिल करने के लिए ई–फाइलिंग सुविधा को उन्नत किया गया है।
- नए आवेदनों के परीक्षण मे लंबितता को मार्च 2016 मे 8 माह से कम कर मार्च 2017 मे 1 माह तक कर दिया गया है। मौजूदा लंबितता को कम करने के लिए लंबित संशोधन वाले आवेदनों को प्रक्रियागत करने के लिए उपाय किए गए हैं।

डिजाइन मे, 2015–16 की तुलना मे 2016–17 के दौरान, परीक्षित आवेदनों की संख्या मे 25.7% की वृद्धि हुई व पंजीकृत डिजाइन की संख्या मे 3.1% की वृद्धि हुई है।

(घ) भौगोलिक उपदर्शन

- भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री (जीआईआर) ने 15 सितंबर, 2003 से भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त करना प्रारम्भ किया। 31 मार्च, 2017 तक रजिस्ट्री ने कुल 575 भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त किए जिसमे से 294 पंजीकृत किए गए।

- वर्ष के दौरान परीक्षण व पंजीकरण मे लंबितता कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। फलस्वरूप, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 28 भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों का परीक्षण किया गया व 34 का पंजीकरण किया गया।
- रजिस्ट्री में प्राधिकृत उपयोक्ताओं के पंजीकरण में तेजी लाई गई व कुल 1466 प्राधिकृत उपयोक्ता पंजीकृत किए गए।

(ङ) कॉपीराइटः

इस वर्ष के दौरान, कॉपीराइट कार्यालय के प्रशासन को महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन लाया गया है।

मार्च 2017 में 13 माह की परीक्षण मे लंबितता को अगले वर्ष के दौरान 1 माह से कम तक करने के उद्देश्य से कॉपीराइट कार्यालय के कामकाज की कम्प्यूटरीकरण व आईटी–सक्षम प्रक्रियाओं तथा जनशक्ति के पुनर्गठन के माध्यम से पुनर्रचना की जा रही है।

1958–1992 की अवधि के दौरान उत्पन्न कॉपीराइट का रजिस्टर (आरओसी) को परिरक्षण व संग्रह के लिए, निक्षेपागार हेतु भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में स्थानांतरित किया गया है।

पारदर्शिता व हितधारकों की प्रतिभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से, कॉपीराइट कार्यालय ने माह के दौरान प्राप्त आवेदनों को वेबसाइट पर दर्शाना प्रारम्भ किया है। आवेदक अपने आवेदन की स्थिति का ऑनलाइन पता कर सकते हैं।

(च) आईटी– सेवाओं का अद्यतिकरणः

वर्ष के दौरान, कम्प्यूटरीकरण व बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की आईटी–सक्षमता की बढ़ती जरूरतों का सामना करने के लिए आईटी ढांचे व सेवाओं का सभी मामलों में अद्यतिकरण किया गया। ई–फाइलिंग संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए, एक विशेष आईपीओ सहायता समूह को प्रारम्भ किया गया है।

(छ) व्यापक ई–फाइलिंग सुविधाएं

पेमेंट गेटवे के साथ पेटेंट, व्यापार चिह्न व डिजाइन की व्यापक **ई–फाइलिंग की सुविधा** 24×7 के आधार पर उपलब्ध है। व्यापार चिह्न (संशोधन) नियम 2017 के माध्यम से, **पेटेंट व डिजाइन के अनुरूप व्यापार चिह्न हेतु फीस में 10% छूट उपलब्ध कराई गई है**। आईटी टीम द्वारा ई–फाइलिंग प्रणाली को नियमित आधार पर अद्यतन किया जाता है। आईपीओ की कुशल ऑनलाइन फाइलिंग सेवाओं ने न केवल कार्यालय को प्रदर्शन में सुधार करने के लिए सक्षम किया है, बल्कि आईपी सेवाओं के लिए हितधारकों की अभूतपूर्व मांग का सामना करने के लिए भी सक्षम बनाया है।

(ज) बहु आयामी आईपीओ वेबसाइट और सूचना प्रसारः

आईपीओ वेबसाइट की विषयवस्तु को सुधारने और पहुंच में आसानी के लिए दोबारा बदल दिया गया है और इसे अधिक अन्योन्यक्रियात्मक (इंटरेक्टिव), सूचनात्मक और नेविगेट करने में आसान बना दिया गया है। पेटेंट, डिजाइन, व्यापार चिह्न व भौगोलिक उपदर्शन की फाइलिंग व कार्यवाही के संबंध में वास्तविक समय के आधार पर आईपी डाटा उपलब्ध कराया जाता है। हितधारकों को आईपी सूचना के परेशानी मुक्त प्रसार के लिए वेबसाइट लॉगिन–मुक्त खोज सुविधा प्रदान करती है।

(झ) हितधारक परामर्श बैठकें

- बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की कार्यप्रणाली में कुशलता और विश्वास के मजबूत वातावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए हितधारकों की प्रभावी भागीदारी और परामर्श आवश्यक है। तदनुसार, विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालय स्थलों पर हितधारकों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की गईं ताकि आईपी विधानों मे संशोधन, प्रक्रियाओं को आईटी–सक्षम बनाने, मॉड्यूल–आधार पर कार्य प्रवाह, प्रणालीगत उन्नयन, हितधारकों और जनता के साथ संचार व जनता की शिकायतों से संबंधित प्रक्रियात्मक और तकनीकी मुद्दों को समझा और हल किया जा सके।
- सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के साथ हितधारकों की बैठकें दिल्ली व मुंबई मे आयोजित की गयी। बैठक के दौरान, बहुत सारे सुझाव दिये गए व कार्रवाई रिपोर्ट कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की गयी।

(ञ) प्रतिपुष्टि व्यवस्थाः

1 मार्च, 2017 से बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की वेबसाइट www.ipindia.nic.in पर प्रतिपुष्टि व्यवस्था स्थापित की गयी है, जिससे हितधारकों को कार्यालय की कार्यप्रणाली से संबन्धित मुद्दों के संबंध में प्रतिक्रिया और सुझाव दर्ज करने, शिकायत व सामान्य प्रश्न में मदद मिलती है। बौद्धिक सम्पदा कार्यालय तुरंत हितधारक के सुझाव/शिकायतों पर कार्य करता है और ई–मेल के माध्यम से संबन्धित व्यक्ति को जवाब सूचित करता है।

(ट) बौद्धिक सम्पदा अधिकार मे जागरूकताः

कार्यालय नियमित रूप से आईपी प्रक्रियाओं के संबंध में वास्तविक और संभावित आईपी हितधारकों के लिए सूचना और ज्ञान के प्रसार में व्यस्त है। आईपीआर हेल्प–डेस्क व ई–मेल के माध्यम से ऑनलाइन मार्गदर्शन प्रणाली प्रत्येक बौद्धिक सम्पदा कार्यालय स्थल पर उपलब्ध है। कार्यालय देश में सीआईआई, फिक्की, असोचम जैसे औद्योगिक संगठनों के

साथ आईपीआर पर जागरूकता और सार्वजनिक बहिर्क्रियाकलाप गतिविधियों को आयोजित करता है/में भाग लेता है। आईपीओ अधिकारी नियमित रूप से इन कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लेते हैं और विश्वविद्यालयों और अन्य हितधारकों के साथ आयोजित कार्यशालाओं/सेमिनारों में भी भाग लेते हैं।

(ठ) स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के लिए पहल

16 जनवरी, 2016 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम शुरू किया गया था। पेटेंट में 80% और व्यापार चिह्न में 50% शुल्क रियायत पेटेंट और व्यापार चिह्न संशोधन नियम क्रमशः के माध्यम से प्रदान की गयी है।

भारत सरकार के स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के अनुपूरण में इस कार्य के लिए नामित नोडल एजेंसी, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग ने "स्टार्ट अप बौधिक सम्पदा संरक्षा (एसआईपीपी) सुविधा हेतु योजना" की शुरुआत बौद्धिक सम्पदा अधिकार संरक्षा प्रोत्साहित करने के लिए की। यह योजना, जो शुरू में 31–03–2017 तक लागू थी, को अगले 3 वर्षों के लिए विस्तारित कर दिया गया है। इस योजना में स्टार्टअप को उनके पेटेंट, डिजाइन व व्यापार चिह्न आवेदन को दाखिल करने/आगे की प्रक्रिया हेतु सुविधा प्रदाता प्रदान करना व सुविधा प्रदाता के व्यावसायिक शुल्क की प्रतिपूर्ति शामिल है। पेटेंट, डिजाइन व व्यापार चिह्न के सुविधा प्रदाताओं की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है तथा कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने एसआईपीपी योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। स्टार्ट अप के प्रश्नों का हल करने के लिए इ–मेल व हेल्प डेस्क के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है।

(ड) सूचना का अधिकारः

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति बौद्धिक सम्पदा कार्यालय पूर्णतया प्रतिबद्ध है। बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के क्रियाकलापों में सम्पूर्ण पारदर्शिता प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों से सम्बंधित जानकारी आम जनता के सूचनार्थ आधिकारिक वेबसाईट पर उपलब्ध करा दी गयी है। साथ ही, सूचना अधिकार अधिनियम के विधायी अभिप्राय तथा अधिदेश का पूर्ण अनुसरण करते हुए अधिनियम के तहत प्राप्त सभी आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई की गयी।

4. पेटेंट

वर्ष की मुख्य विशेषताएँ

- **परीक्षण में 72.2% की वृद्धि**
- **पेटेंट अनुदान में 55.3% की वृद्धि**
- **आवेदनों के कुल निपटान में 37.7% की वृद्धि**
- **त्वरित परीक्षण मार्ग के उपयोग की वजह से 113 दिन के रिकॉर्ड समय के भीतर पेटेंट अनुदान किया गया**

1. परिचय:

यह अध्याय पेटेंट अधिनियम, 1970 (यथा संशोधित) की धारा 155 के तहत पेटेंट कार्यालयों द्वारा वर्ष 2016–17 के दौरान निष्पादित गतिविधियों के संबंध में 45वाँ प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है। पेटेंट कार्यालय भौगोलिक रूप से विभाजित है तथा चार महानगरों कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थित है जिनका पेटेंट प्रशासन के लिए देश मे विशिष्ट क्षेत्राधिकार है। पेटेंट कार्यालय, कोलकाता प्रधान कार्यालय है। हालांकि, सभी चार पेटेंट कार्यालय आभासी एकल कार्यालय के रूप मे कार्य करते हैं, जिसमें देश भर मे एक पेटेंट अनुदानित किया जाता है जो देश भर मे लागू होता है। पेटेंट कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के अधीक्षण व प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन आवेदकों को सीमित अवधि के लिए एकाधिकार अनुदानित करने के द्वारा देश मे हुए आविष्कारों के संरक्षण से संबन्धित पेटेंट अधिनियम 1970 (यथा संशोधित) के प्रावधानों को लागू करता है। निम्न प्रदत्त पैराग्राफ पेटेंट विधान के तहत यथाप्रशासित पेटेंट कार्यालय की प्रमुख गतिविधियों की रूप–रेखा प्रस्तुत करते हैं।

पेटेंट आवेदन:

2016–17 में पेटेंट अनुदान के लिए दाखिल आवेदनों की संख्या **45,444** थी जो **2015–16** की सम्पूर्ण फाइलिंग की संख्या **46,904** मे लगभग 3% की कमी दर्शाती है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, आविष्कार के लगभग सभी क्षेत्रों में मध्यम से उच्च विकास देखा गया है सिवाय रसायन, भेषज, खाद्य, बायो–टेक्नोलॉजी, बायो–केमिस्ट्री, माइक्रो–बायोलॉजी, एग्रो–केमिकल, वस्त्र, पॉलीमर व धातुकर्म क्षेत्रों के जिनमें विगत वर्ष की तुलना में आंशिक कमी देखी गई है। विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित आवेदनों की प्रवृत्ति के विस्तृत आँकड़े परिशिष्ट–ङ और ङ1 में दिखाए गए हैं।

प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में दाखिल व अनुदानित पेटेंट आवेदनों की प्रवृत्ति – 2016-17

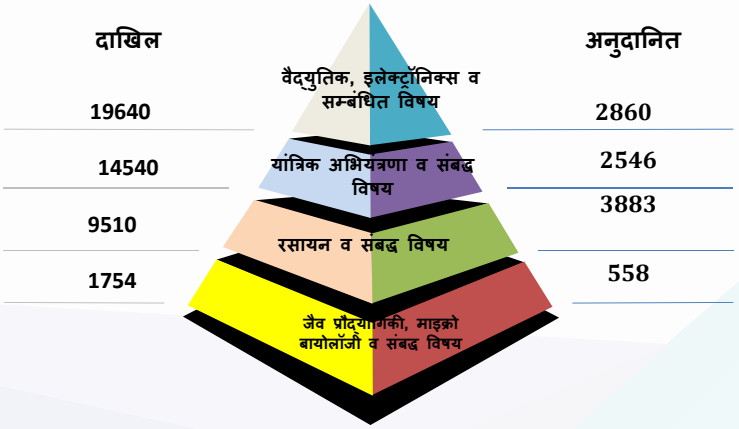

(क) भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

कुल **45,444** आवेदनों में से भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **13,219** रही जो कुल दाखिल आवेदनों का 29.2% है व जो विगत वर्ष से लगभग 1.2% की वृद्धि दर्शाती है, जब ऐसे आवेदनों की संख्या **13,066** थी। यह गत वर्षों के घरेलू फाइलिंग मे सतत वृद्धि के क्रम मे है। 2015–16 के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या (**33,838**) की तुलना में वर्ष के दौरान विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या (**32,225**) में **4.8%** की कमी दर्शाती है।

वर्ष के दौरान भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल सामान्य आवेदनों की कुल संख्या में, वर्ष 2015–16 के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या में 4% की कमी के बावजूद भी महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर बना रहा। जबकि तमिलनाडु ने अपने द्वारा दाखिल आवेदनों में 5% की वृद्धि द्वारा तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुँचकर अपना प्रभावी स्थान बनाए रखा। तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, झारखण्ड, उड़ीसा, आसाम, आंध्र प्रदेश व पश्चिम बंगाल ने दाखिल आवेदनों की संख्या में विगत वर्ष की तुलना में मध्यम से उच्च वृद्धि दर्शायी है।

आवेदन दाखिल करने वाले शीर्ष राज्य/केंद्र शासित प्रदेश हैं (आवेदनों की संख्या कोष्ठक मे दी गयी है) महाराष्ट्र (**3,513**), कर्नाटक (**1,765**), तमिलनाडु (**2,003**), दिल्ली (**1,066**), तेलंगाना (**798**), उत्तर प्रदेश (**625**), गुजरात (**620**), पश्चिम बंगाल (**460**), हरियाणा (**441**), केरल (**276**), आंध्र प्रदेश (**271**), पंजाब (**207**), मध्य प्रदेश (**140**), राजस्थान (**181**), झारखण्ड (**144**), उड़ीसा (**103**), असम (**68**), उत्तराखंड (**64**), चंडीगढ़ (**35**), बिहार (**26**) और छत्तीसगढ (**22**)। राज्य/संघ शासित क्षेत्र के अनुसार विवरण परिशिष्ट **ख** में प्रदर्शित किया गया है।

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पेटेंट आवेदनों की तुलना (राज्यानुसार)

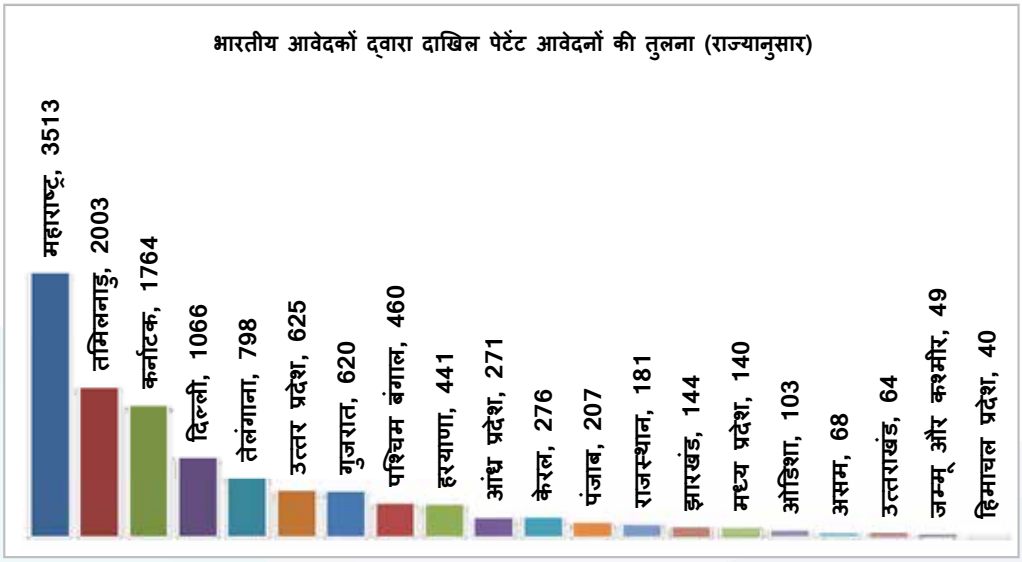

(क) पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 भारतीय आवेदक

क्रम सं.	आवेदक का नाम	दाखिल आवेदन
1	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	400
2	विप्रो लिमिटेड	226
3	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद	225
4	महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड	205
5	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	174

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 भारतीय आवेदक

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे विप्रो लिमिटेड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड द्वितीय स्थान पर रहा।

क्रम सं.	आवेदक का नाम	दाखिल आवेदन
1	विप्रो लिमिटेड	190
2	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड	159
3	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	43
4	एचसीएल टेक्नोलॉजिस लि.	35
5	हुआवी टेक्नोलॉजिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	29

(ग) वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थान का नाम	दाखिल आवेदन
1	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद	230
2	महानिदेशक, प्रतिरक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन	58
3	जी.एच.आर. लैब्स एंड रिसर्च सेंटर	50
4	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)	41
5	हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन	23
6	एलिनोव रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड	20
7	एमएसएन रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर	19
8	एल एंड टी टेक्नोलोजी सर्विसेज लिमिटेड	18

9	सन फार्मा एड्वान्स्ड रिसर्च कंपनी लिमिटेड	14
10	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान	13
10	जीएसपी क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड	13

इस श्रेणी मे, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद शीर्ष स्थान पर रहा जबकि प्रतिरक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन व जी.एच.आर. लैब्स एंड रिसर्च सेंटर क्रमशः द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे।

(घ) संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	400
2	अमिटी यूनिवर्सिटी	106
3	भारतीय विज्ञान संस्थान	54
4	वेलटेक हाई/मल्टी टेक डॉ. आरआर एंड डॉ. एसआर (महाविद्यालय व विश्वविद्यालय)	50
5	जी.एच.रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	49
6	भरथ यूनिवर्सिटी	45
7	चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कोलेजिस	30
8	चितकार यूनिवर्सिटी	29
9	हिंदुस्तान इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी एंड साइंस	28
10	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	26

इस वर्ष, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित) शीर्ष स्थान पर रहे जबकि अमिटी यूनिवर्सिटी व भारतीय विज्ञान संस्थान क्रमशः द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे।

वैज्ञानिक, अनुसंधान व विकास संगठनों से शीर्ष 5 भारतीय आवेदक

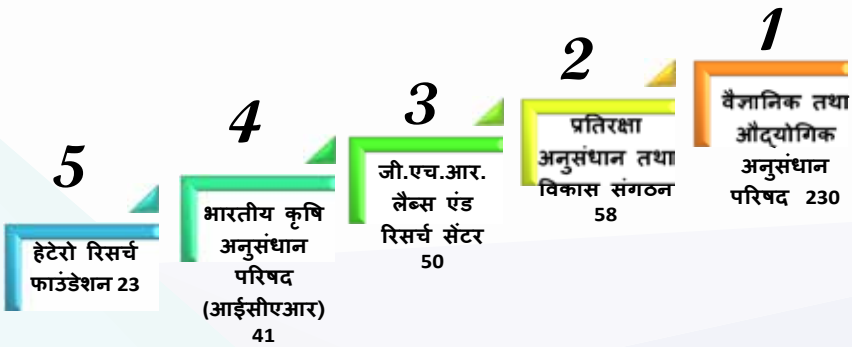

संस्थानों व विश्वविद्यालयों से शीर्ष 5 भारतीय आवेदक

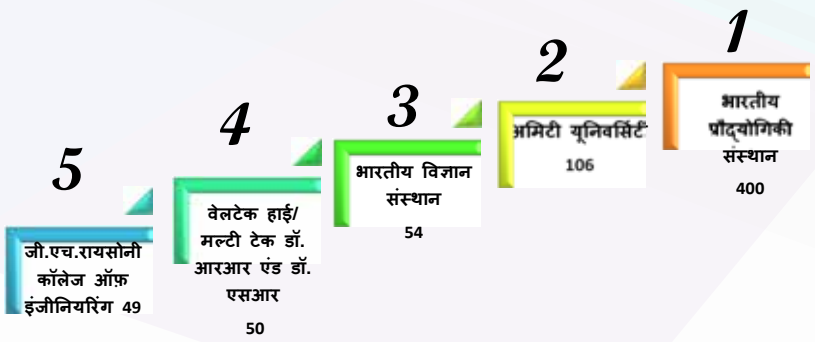

(ङ) विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

(i) कन्वेंशन आवेदन:

वर्ष के दौरान पेरिस कन्वेंशन के तहत प्रायिकता दावा करते हुए दाखिल आवेदनों की कुल संख्या **3,649** थी। यह विगत वर्ष दाखिल कन्वेंशन आवेदनों की तुलना में **1%** की कमी दर्शाता है।

(ii) पी.सी.टी. राष्ट्रीय फेज आवेदन:

विदेश से प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) राष्ट्रीय फेज माध्यम से दाखिल किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल ऐसे आवेदनों की संख्या **26,645** रही जो विगत वर्ष की संख्या **28,248** की तुलना में 6% की कमी दर्शाता है। आवेदन दाखिल करने वाले शीर्ष देश थे: संयुक्त राज्य अमेरिका (8,981), जापान (3,399), चीन गणतंत्र (2,256), जर्मनी (2,186), नीदरलैंड (1,295), स्विट्जरलैंड (1,112), फ्रांस (1,014), कोरिया गणतंत्र (998), यूनाइटेड किंगडम (920), स्वीडन (809), इटली (477), डेनमार्क (310), कनाडा (294), इजराइल (266), बेल्जियम (262), ऑस्ट्रीया (230), फिनलैंड (197) तथा स्पेन (124)। देशानुसार विवरण **परिशिष्ट ख** में प्रदर्शित किया गया है।

पी.सी.टी. राष्ट्रीय फेज हेतु शीर्ष दस आवेदक (देशानुसार)

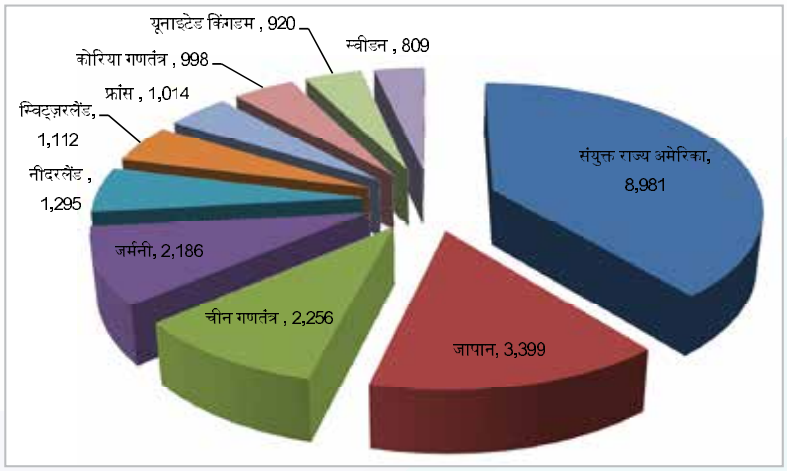

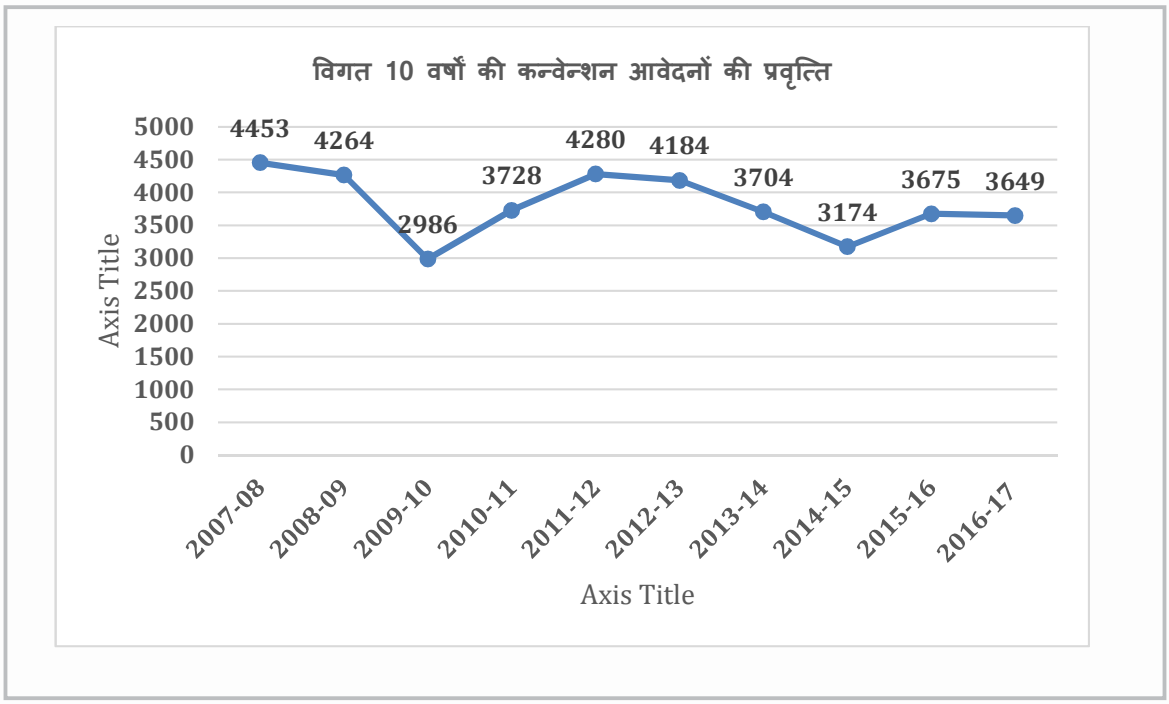

(iii) शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदक

निम्नलिखित तालिका उन **शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदकों** की सूची प्रदान करती है जिन्होंने 2016–17 के दौरान पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं। यह पाया गया है कि क्वालकम इंकॉरपोरेटेड इस सूची मे अग्रणी बना रहा जिसके बाद सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि., हुवाई टेक्नोलॉजी क. लि., माइक्रोसॉफ्ट टेक्नोलॉजी लाइसेंसिंग, एलएलसी इत्यादि का स्थान रहा।

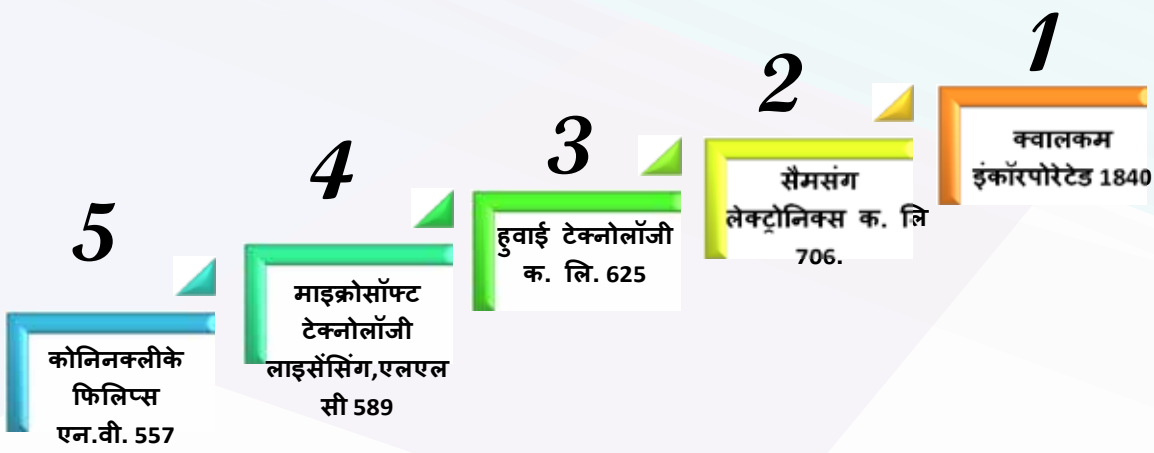

शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदक

क्र.सं.	संगठन का नाम	दाखिल आवेदन
1	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1840
2	सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि.	706
3	हुआवि टेक्नोलॉजी क. लि.	625
4	माइक्रोसॉफ्ट टेक्नोलॉजी लाइसेंसिंग,एलएलसी	589
5	कोनिनक्लीके फिलिप्स एन.वी.	557
6	जेनरल इलेक्ट्रीक कम्पनी	520
7	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	470
8	फिलिप्स लाइटिंग होल्डिंग बी. वी.	307
9	मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक कॉर्पोरेशन	218
10	बेस्फ एसइ	216

वर्ष 2016–17 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त एवं उद्गम देश तथा राज्य के अनुसार वर्गीकृत पेटेंट आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ख"** में दर्शाया गया है।

2007–2008 से 2016–2017 की अवधि के दौरान विभिन्न माध्यमों से भारतीय प्रवासियों एवं अप्रवासियों से प्राप्त पेटेंट आवेदनों की संख्या **परिशिष्ट "ग"** में दर्शायी गई है।

2012–13 से 2016–17 की अवधि के दौरान रसायन, वैद्युतिक, यान्त्रिकी, जैवतकनीक, खाद्य, कंप्यूटर/इलेक्ट्रॉनिक्स इत्यादि के विषयवर दाखिल आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ङ" तथा "ङ1"** मे प्रदत्त सारणी द्वारा दिखाया गया है।

2. परीक्षित आवेदनों की कुल संख्या

कार्यालय ने विगत वर्ष के 16,851 आवेदनों की तुलना मे वर्ष के दौरान 28,967 आवेदनों का परीक्षण किया। विगत वर्ष की तुलना मे इस वर्ष उन पेटेंट आवेदनों की संख्या मे लगभग 71.9% की वृद्धि रही जिनके लिए प्रथम परीक्षण रिपोर्ट जारी की गयी थी।

3. पेटेंट आवेदनों का कुल निपटान (दाखिल परीक्षण हेतु अनुरोध)

विगत वर्ष के 21987 की तुलना मे वर्ष के दौरान 30271 परीक्षण हेतु अनुरोध (आरक्यू) का निपटान किया गया जो विगत वर्ष की तुलना मे लगभग 39.7% की वृद्धि दर्शाता है।

2015–16 मे 36960 की तुलना मे 2016–17 मे 7.2% की वृद्धि के साथ 38578 परीक्षण हेतु अनुरोध दाखिल हुए।

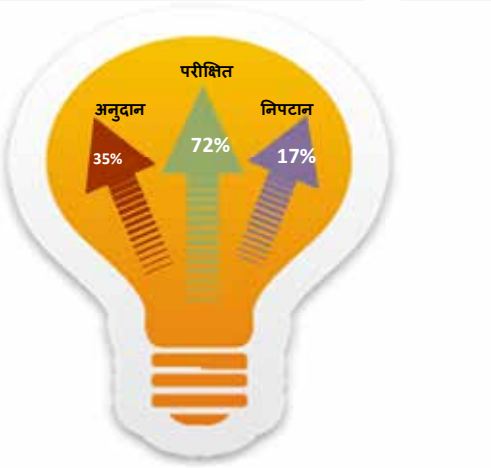

4. अनुदानित तथा प्रवृत्त पेटेंट

वर्ष के दौरान अनुदानित पेटेंट की कुल संख्या **9,847** थी, जिनमें से **1,315** भारतीय आवेदकों को अनुदानित किए गए। 31 मार्च 2017 तक प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **48,765** थी जिनमें से **7,660** पेटेंट भारतीयों के नाम थे। कुल अनुदानित पेटेंट मे से **2,673** पेटेंट रसायन और संबन्धित क्षेत्रों, **1,939** यांत्रिकी, **1,049** कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स, **805** संचार, **551** फर्मास्युटिकल, **579** वैद्युतिक, **333** जैव प्रौद्योगिकी इत्यादि से संबन्धित आवेदनों के लिए अनुदानित किए गए।

वर्ष 2006–07 से वर्ष 2016–17 की अवधि के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या, परीक्षण हेतु प्राप्त अनुरोधों की संख्या, परित्यक्त हुआ सा मान लिए गए आवेदन तथा पेटेंट अनुदान प्राप्त करने वाले आवेदन एवं प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट–"घ"** में प्रदर्शित की गई है।

वर्ष 2012–13 से 2016–17 तक के विगत पाँच वर्षों के दौरान आविष्कार के विभिन्न क्षेत्रों के तहत अनुदानित पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट – "च" व "च1"** मे प्रदर्शित की गई है।

शीर्ष 5 भारतीय पेटेंटग्राही

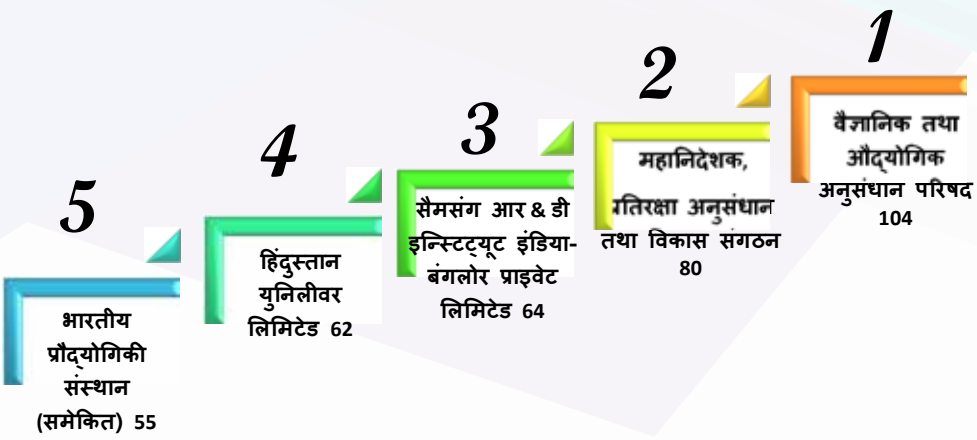

क्र.सं.	संगठन का नाम	अनुदानित पेटेंट
1	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद	104
2	महानिदेशक, प्रतिरक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन	80
3	सैमसंग आर – डी इन्स्टिट्यूट इंडिया– बंगलोर प्राइवेट लिमिटेड	64
4	हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड	62
5	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	55

शीर्ष 5 विदेशी प्रवासी पेटेंटग्राही

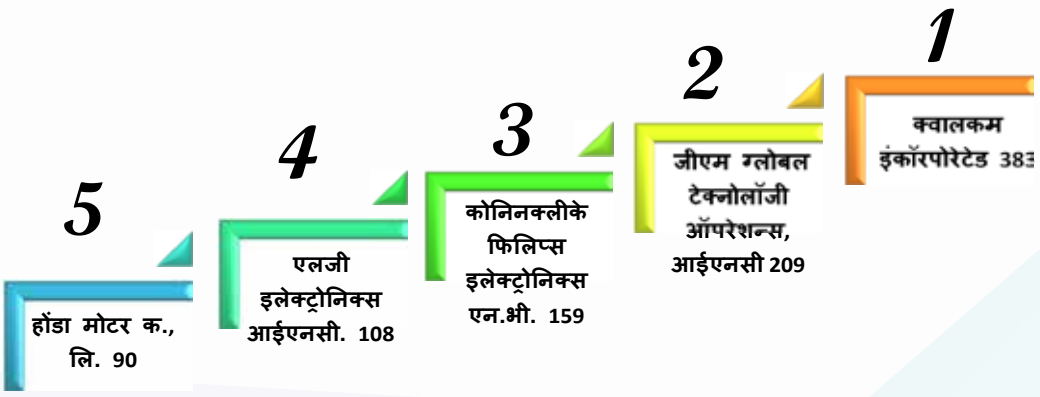

क्र.सं.	आवेदक	अनुदानित पेटेंट
1	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	383
2	जीएम ग्लोबल टेक्नोलॉजी ऑपरेशन्स, आईएनसी.	209
3	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.भी.	159
4	एलजी इलेक्ट्रोनिक्स आईएनसी.	108
5	होंडा मोटर क., लि.	90

5. पेटेंट अधिनियम व नियमों के तहत विविध कार्यवाहियाँ

(क) परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आविष्कार: वर्ष के दौरान पेटेंट अधिनियम की धारा 4 के तहत 208 आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रेषित किए गए जिनमें से 18 आवेदन परमाणु ऊर्जा से संबद्ध पाए गए, जबकि 109 आवेदन सामान्य शासकीय कार्यवाही के तहत प्रक्रियागत करने के लिए अनुमत्त हुए तथा वर्ष के अंत तक 81 आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग के समक्ष विचारार्थ लंबित रहे।

(ख) धारा 11(क) के तहत पेटेंट आवेदनों का प्रकाशन: वर्ष के दौरान धारा 11(क) के तहत 86,766 आवेदन प्रकाशित किए गए जिनमें वैसे 2,446 आवेदन शामिल हैं जिनके लिए शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध प्राप्त किए गए थे। विगत पाँच वर्षों के दौरान प्रकाशित पेटेंट आवेदनों की संख्या संबंधी वर्षानुसार विवरण निम्नवत है:

वर्ष	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–2017
धारा 11 क के तहत प्रकाशन	24,746	29,744	25,358	41,752	84,300
शीघ्र प्रकाशन	1,413	1,669	1,576	2,316	2,466
कुल	**26,159**	**31,413**	**26,934**	**44,068**	**86,766**

(ग) अनुदानपूर्व आपत्ति [धारा 25(1) के तहत]: वर्ष के दौरान अनुदानपूर्व आपत्ति के रूप में 206 आवेदन प्राप्त हुए व 18 अनुदानपूर्व आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया।

(घ) अनुदानोत्तर आपत्ति [धारा 25(2) के तहत]: वर्ष के दौरान, 12 अनुदानोत्तर आपत्तियाँ दाखिल की गईं। 12 अनुदानोत्तर आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया और प्रतिवेदन वर्ष के अंत तक 160 अनुदानोत्तर आपत्तियाँ निष्पादन हेतु लंबित रही।

(ड़) गोपनीयता निदेश (धारा 35 के तहत): वर्ष के दौरान, 119 पेटेंट आवेदन भारत सरकार, प्रतिरक्षा मंत्रालय के अधीन प्रतिरक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को उन आविष्कारों के प्रतिरक्षा उद्देश्य से संबद्ध होने विषयक विचार देने हेतु प्रेषित किए गए। वर्ष के दौरान 68 आवेदनों को सामान्य कार्यवाही हेतु अनुमत्त किया गया। वर्ष 2016–17 के अंत तक 51 आवेदन डीआरडीओ में लंबित रहे।

(च) देश से बाहर आवेदन करने की अनुमति (धारा 39 के तहत): भारत से बाहर आवेदन दाखिल करने की अनुमति का अनुरोध करते हुए 4,635 आवेदन फॉर्म 25 पर प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान ऐसे 4,519 आवेदनों पर अनुमति प्रदान कर दी गई।

(छ) व्यपगत पेटेंट का प्रत्यावर्तन (धारा 60 के तहत): वर्ष 2016–17 के दौरान पेटेंट के प्रत्यावर्तन के लिए 75 आवेदन प्राप्त हुए व 61 आवेदन प्रत्यावर्तित किए गए।

(ज) समनुदेशन, मोर्गेज, लाइसेंस आदि (धारा 68 तथा 69 के तहत): इस धारा के तहत दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए कुल 1539 मामले प्राप्त किए गए व प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 961 आवेदनों का निपटान कर दिया गया।

(झ) जारी पेटेंट (धारा 146 के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेटेंट कार्यालय ने फॉर्म–27 पर जारी पेटेंट के **42,870** कथन प्राप्त किए जिनमे से **11,318** पेटेंट को जारी रहने के रूप में दर्शाया गया था। विगत पाँच वर्षों के दौरान प्राप्त सूचना का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है:

	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–2017
प्रवृत्त पेटेंट	43,920	42,632	43,256	44,524	**48,765**
प्राप्त फॉर्म–27	27,946	33,088	31,990	39,507	**42,870**
जारी रहने के रूप में दर्शाया हुआ	6,201	8,435	7,900	8,589	**11,318**

(ञ) अनिवार्य लाइसेंस (धारा 84, 92 तथा 92-क के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान अनिवार्य लाइसेंस के अनुदान हेतु केवल एक आवेदन प्राप्त हुआ।

(ट) सूचना (धारा 153 के तहत): वर्ष के दौरान पेटेंट नियम, 2003 के नियम 134 में यथा प्रदत्त इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत पेटेंट संबंधी सूचना की आपूर्ति करने के लिए पेटेंट कार्यालय ने 132 अनुरोध प्राप्त किए।

(ठ) अनुलिपि पेटेंट प्रमाण पत्र (धारा 154 के तहत): 3 अनुरोध प्राप्त किए गए तथा सभी 3 का निपटारा वर्ष के दौरान किया गया।

(ड) पेटेंट अभिकर्ताओं का पंजीकरण: वर्ष के दौरान 1 नए पेटेंट अभिकर्ता का पंजीकरण किया गया। 31 मार्च 2017 तक पंजीकृत पेटेंट अभिकर्ताओं की कुल संख्या 2,422 थी।

6. सामान्य सूचना

पेटेंट कार्यालय, कोलकाता, मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई के वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकालय जनता को परामर्श तथा संदर्भ कार्य के लिए सुविधा प्रदान करते रहे। इन सुविधाओं का विभिन्न अनुसंधान व औद्योगिक संस्थानों के आविष्कारक तथा अन्य जनता के साथ–साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों में अनुसंधानरत विद्वानों ने उपयोग किया।

वर्तमान में पेटेंट कार्यालय, सीडी–रोम्स, पुस्तकें और जर्नल के अतिरिक्त वैज्ञानिक और तकनीकी ई–जर्नल प्राप्त करता है। भारत और विदेश में पेटेंट कार्यालयों के पेटेंट विनिर्देश और अन्य प्रकाशनों के माध्यम से अन्वेषण संचालित करने हेतु हजारों लोगों ने पेटेंट कार्यालय के पुस्तकालयों का दौरा किया।

पेटेंट कार्यालय द्वारा उसकी वेबसाइट www.ipindia.nic.in पर प्रदत्त निःशुल्क ऑनलाइन इंटरनेट अन्वेषण सुविधा का हितधारकों और सर्वसाधारण ने भी व्यापक लाभ उठाया।

7. सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना

वर्ष के दौरान, सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराने के लिए 164 अनुरोध प्राप्त किए गए और अधिनियम के तहत प्रदत्त समय–सीमा के अनुसार सभी अनुरोधों पर उपयुक्त कार्रवाई की गई।

8. पेटेंट आवेदनों का त्वरित परीक्षण:

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, कार्यालय ने भारतीय पेटेंट कार्यालय के समक्ष आईएसए व स्टार्टअप के रूप में आईएसआर/आईपीईआर हेतु आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों का पेटेंट (संशोधन)

नियम 2016 में नियम 24 (ग) के अंतर्गतपेटेंट आवेदनों का त्वरित परीक्षण प्रारम्भ किया। वर्ष के दौरान 135 परीक्षण हेतु अनुरोध दाखिल हुए जिनमे आईएसए आवेदकों के 103 अनुरोध व स्टार्टअप के 32 अनुरोध शामिल हैं।

आवेदनों की स्थिति इस प्रकार है:

त्वरित परीक्षण हेतु दाखिल अनुरोधों की संख्या	135
जारी प्रथम परीक्षण रिपोर्ट की संख्या	69
अनुदानित पेटेंट	09
अस्वीकृत पेटेंट	03
परित्याग किए गए आवेदन	05

परिशिष्ट–क

परीक्षक एकस्व का विषयवार वितरण

क्र.सं.	विषय	परीक्षकों की संख्या
1	जैवरसायन	13
2	जैव प्रौद्योगिकी	30
3	बायोमेडिकल अभियंत्रणा	23
4	रसायन	101
5	सिविल अभियंत्रणा	12
6	कम्प्यूटर एवं आई टी अभियंत्रणा	34
7	वैद्युतिक व इलेक्ट्रॉनिक्स	128
8	यांत्रिकी	146
9	धातुकर्म	15
10	भौतिकी	50
11	पॉलीमर	17
12	वस्त्र	11
	कुल	**580**

परिशिष्ट ''ख''

वर्ष 2015-16 की तुलना में 2016-17 में दाखिल किए गए पेटेंट आवेदन उद्गम राज्य/राष्ट्र के अनुसार वर्गीकृत

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16
अंडमान – निकोबार	2	1	0	0	0	0
आंध्र प्रदेश	271	265	0	0	7	10
अरुणाचल प्रदेश	6	0	0	0	0	0
असम	68	55	0	0	1	3
बिहार	26	25	0	0	1	3
चंडीगढ़	35	41	0	0	0	0
छत्तीसगढ़	22	22	1	0	0	0
दादरा & नागर हवेली	3	0	0	0	0	0
दमन & दीव	0	1	0	0	0	0
दिल्ली	1066	1139	0	0	9	15
गोवा	29	32	0	0	0	0
गुजरात	620	514	0	0	13	15
हरियाणा	441	389	0	2	3	4
हिमाचल प्रदेश	40	55	0	0	0	0
जम्मु & कश्मीर	49	23	0	0	0	0
झारखंड	144	126	0	0	0	1
कर्नाटक	1765	1989	23	13	27	18
केरल	276	277	0	3	0	0
मध्य प्रदेश	140	158	1	1	0	0
महाराष्ट्र	3513	3654	12	8	70	37
मणिपुर	2	0	0	0	0	0
मेघालय	0	1	0	0	0	0
मिजोरम	3	9	0	0	0	1

नागालैंड	1	1	0	0	0	0
उड़ीसा	103	73	0	0	0	2
पाण्डिचेरी	27	12	0	0	0	0
पंजाब	207	191	0	0	0	1
राजस्थान	181	150	0	0	0	0
सिक्किम	0	9	0	0	0	0
तमिलनाडु	2003	1739	7	8	8	9
तेलंगाना	798	790	4	0	3	5
त्रिपुरा	7	12	0	0	0	0
उत्तर प्रदेश	625	651	1	1	11	3
उत्तरांचल	64	45	0	0	0	0
पश्चिम बंगाल	460	452	20	2	0	0
कुल योग	**12997**	**12901**	**69**	**38**	**153**	**127**

परिशिष्ट-ख जारी

राष्ट्रमंडल देश

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16
यू.के.	32	57	56	91	920	1017
आस्ट्रेलिया	8	5	10	14	224	249
कनाडा	6	12	14	9	294	333
श्रीलंका	1	0	2	0	2	3
आयरलैंड	65	46	25	21	68	77
न्यूजीलैंड	0	0	1	0	54	40
समोआ	0	0	2	0	0	0
कुल	**112**	**120**	**110**	**135**	**1562**	**1719**

उत्तर व दक्षिण अमरीका

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2016–17	2015–16	2016–17	2015–16	2016–17	2015–16
यू.एस.ए.	923	951	979	888	8981	9976
मैक्सिको	0	0	2	0	21	23
ब्राजील	0	0	13	2	47	44
बरमूडा	1	0	0	0	2	8
केमेन आइलैंड	0	0	1	0	102	40
वर्जिन आइलैंड	0	0	1	0	19	24
क्यूबा	0	0	0	0	3	4
कोलंबिया	0	0	0	0	7	3
अर्जेन्टीना	0	0	1	4	4	3
चिली	0	0	0	1	11	8
बहमास	1	0	0	0	2	4
बारबाडोस	0	0	0	0	3	6
वेनेजुएला	0	0	0	1	0	1
पेरू	0	0	0	0	2	5
पराग्वे	0	0	0	0	3	9
जमैका	0	0	0	0	0	1
ब्रिटिश वर्जिनिया	0	0	0	3	2	0
बेलाइज	0	0	0	0	1	1
उत्तर और दक्षिण अमेरिका के अन्य देश	0	0	4	0	7	7
कुल	**925**	**951**	**1001**	**899**	**9217**	**10167**

यूरोप

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2016–17	2015–16	2016–17	2015–16	2016–17	2015–16
इटली	5	8	69	53	477	551
जर्मनी	245	168	387	420	2186	2377
बेल्जियम	2	10	8	10	262	247
फ्रांस	59	71	141	112	1014	1080
स्पेन	6	42	33	17	124	141
स्विट्जरलैंड	99	104	256	212	1112	1069
फिनलैंड	31	28	11	29	197	188
आस्ट्रिया	4	2	16	37	230	269
नीदरलैंड्स	46	60	18	27	1295	1411
स्वीडन	21	21	9	36	809	753
डेनमार्क	13	24	12	16	310	272
पुर्तगाल	0	0	0	0	17	17
हंगरी	1	0	0	0	20	16
लग्जमबर्ग	0	0	1	7	101	68
रूस	0	5	7	1	60	87
रोमानिया	0	0	0	0	2	2
तुर्की	1	0	2	1	27	22
स्लोवेनिया	0	0	0	0	11	19
नार्वे	1	5	2	0	76	90
साइप्रस	0	0	1	0	3	11
पोलैंड	0	0	3	9	24	27
बुल्गारिया	0	0	0	1	3	3
आइस लैंड	2	7	0	0	1	1
चेक गणराज्य	0	0	5	2	22	27

लिशेन्सटिन	0	0	0	0	15	25
यूक्रेन	0	0	0	0	9	9
स्लोवाकिया	1	0	1	0	2	6
ग्रीस	0	0	0	1	26	22
माल्टा	1	0	0	0	6	14
इस्टोनिया	0	0	0	1	1	2
लात्विया	0	0	0	0	2	5
क्रोएशिया	0	0	0	0	3	2
अन्य यूरोपीय देश	1	1	3	0	38	11
कुल	**539**	**551**	**985**	**992**	**8485**	**8844**

परिशिष्ट- ख जारी

अफ्रीका

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16
दक्षिण अफ्रीका	1	3	0	1	42	47
मॉरिसस	0	2	0	0	3	1
सेशेल्स	0	0	0	0	2	1
स्वाजीलैंड	0	0	0	3	0	1
केन्या	0	0	1	0	3	5
इजिप्ट	0	1	0	0	3	6
ट्यूनिशिया	0	0	0	0	1	1
अन्य अफ्रीकी देश	0	0	0	0	2	4
कुल	**1**	**6**	**1**	**4**	**56**	**66**

एशिया

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2016–17	2015–16	2016–17	2015–16	2016–17	2015–16
जापान	57	76	819	890	3399	3869
कोरिया गणराज्य	370	114	159	278	998	1382
चीन	13	8	293	145	2256	1655
इजराइल	5	3	29	28	266	290
ताइवान	48	53	220	267	27	20
इंडोनेशिया	1	0	1	3	0	3
वियतनाम	0	0	1	0	0	3
सिंगापुर	32	22	4	4	105	92
मलेशिया	2	1	7	12	20	16
यू.ए.ई	9	5	0	0	18	17
फिलीपिंस	1	0	0	2	2	5
थाइलैंड	1	1	2	4	17	10
हाँग–काँग(चीन)	2	0	12	8	3	12
सउदी अरब	1	1	0	0	52	64
ईरान	2	0	0	0	2	1
बंग्लादेश	0	0	0	0	0	2
कतर	0	0	0	0	3	3
अन्य एशियाई देश	5	3	5	1	4	6
कुल	**549**	**287**	**1552**	**1642**	**7172**	**7450**
कुल योग	**15081**	**14816**	**3718**	**3713**	**26645**	**28375**

पिछले 10 वर्षों में प्रवासी और भारत में रहने वाले द्वारा विभिन्न माध्यमों से दाखिल आवेदन

आवेदक	2007-08	2008-09	2009- 10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
भारत में रहने वाले	6040	6161	7044	8312	8921	9911	10941	12071	13066	13219
प्रवासी										
साधारण	834	681	826	816	1031	1144	1228	1461	1915	2084
कन्वेंशन	4453	4264	2986	3728	4280	4184	3704	3174	3675	3649
पीसीटी के तहत राष्ट्रीय फेज आवेदन	23891	25706	23431	26544	28965	28435	27078	26057	28248	26492
कुल योग	**35218**	**36812**	**34287**	**39400**	**43197**	**43674**	**42951**	**42763**	**46904**	**45444**

परिशिष्ट- 'घ'

वर्ष 2006-2007 से 2016-2017 की अवधि के दौरान पेटेंट संबंधी विविध सूचना

वर्ष	दाखिल आवेदनों की संख्या	परीक्षण के लिए अनुरोधों की संख्या	पूर्ण विनिर्देश दाखिल नहीं करने के कारण परित्यक्त मान लिए गए आवेदनों की संख्या धारा 9 (1)	धारा 21 (1) के तहत अननुपालन के कारण परित्यक्त समझे गए आवेदनों की कुल संख्या	अनुदत्त पेटेंट की संख्या		प्रवृत्त पेटेंट की संख्या	
					भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2006–07	28940	20645	694	1121	1907	5632	3473	13593
2007–08	35218	22146	1066	479	3173	12088	7966	21722
2008–09	36812	30595	888	1075	2541	13520	6158	24664
2009–10	34287	28653	2720	5171	1725	4443	6781	30553
2010–11	39400	31493	185	5186	1273	6236	7301	32293
2011–12	43197	33811	698	3800	699	3682	7545	32444
2012–13	43674	36247	361	4559	716	3410	8308	35612
2013–14	42951	37474	224	6418	634	3592	7464	35168
2014–15	42763	34958	12	6970	684	5294	7561	35695
2015–16	46904	35960	1226	12782	918	5408	7306	37218
2016-17	**45444**	**38578**	**4357**	**15120**	**1315**	**8532**	**7660**	**41105**

परिशिष्ट- ङ

आविष्कार के प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत 2012-2013 से 2016-2017 तक दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

वर्ष	रसायन	औषध	कंप्यूटर/ इलेक्ट्रॉनिक्स	संचार	वैद्युतिक	भौतिकी	जैव-चिकित्सा	यांत्रिकी	पॉलीमर विज्ञानध प्रौद्योगिकी	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट- ङ 1 देखें)	कुल
2012—2013	6812	2954	4424	4163	3568	2593	1053	10198	1425	6484	43674
2013—2014	6769	2507	4410	4039	4371	2230	612	11318	1050	5645	42951
2014—2015	6454	2640	4285	4380	4031	2529	1669	10031	1059	5685	42763
2015—2016	6463	2966	5988	5770	4102	2852	1579	10164	1230	5790	46904
2016—17	5911	2122	6443	5315	4141	2693	1048	10715	1158	5898	45444

परिशिष्ट-ङ 1

आविष्कार के अन्य विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2016-17 के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार का क्षेत्र/वर्ष	जैव-प्रौद्योगिकी	सामान्य अभियंत्रणा	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	एग्रो-केमिकल	खाद्य	जैव-रसायन	माइक्रो-बायोलॉजी	कृषि अभियंत्रणा	पारंपरिक ज्ञान
2012—2013	832	1561	658	556	594	486	452	366	547	190	242
2013—2014	647	652	798	634	582	422	387	190	495	234	604
2014—2015	1035	775	704	629	740	418	395	384	308	229	68
2015—2016	887	757	749	734	727	479	387	372	316	268	114
2016—2017	876	1225	741	837	777	319	283	258	253	245	84

कुल परिशिष्ट ङ 1 - 5898

परिशिष्ट – च

आविष्कार के प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2012–13 से 2016–17 तक अनुदानित पेटेंट की संख्या

वर्ष	रसायन	औषध	कंप्यूटरध इलेक्ट्रॉनिक्स	संचार	वैद्युतिक	भौतिकी	यांत्रिकी	पॉलीमर विज्ञानध प्रौद्योगिकी	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट– च 1 देखें)	कुल
2012—2013	1289	344	510	273	188	65	749	169	539	4126
2013—2014	1111	256	690	375	237	109	645	165	638	4226
2014—2015	1533	389	835	538	376	142	1047	295	823	5978
2015—2016	1683	370	810	414	362	175	1414	279	819	6326
2016—2017	2673	551	1049	805	579	260	1939	562	1429	9847

परिशिष्ट – च 1

आविष्कार के अन्य विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2016–17 के दौरान अनुदानित पेटेंट की संख्या

आविष्कार का क्षेत्र	जैव–प्रौद्योगिकी	सामान्य अभियंत्रणा	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	जैव–चिकित्सा	सिविल	जैव–रसायन	एग्रो–केमिकल	माइक्रो–बायोलॉजी	खाद्य	कृषि अभियंत्रणा
2012—2013	144	121	61	53	11	34	17	30	27	37	4
2013—2014	220	112	52	36	12	32	56	44	21	51	2
2014—2015	262	145	74	53	70	38	66	24	41	48	2
2015—2016	185	142	94	94	69	60	52	45	44	32	2
2016—2017	333	228	93	182	167	100	73	97	81	71	4

कुल परिशिष्ट च –1:– 1429

अधिनियम व नियम के तहत विभिन्न कार्यवाहियों के संदर्भ में वर्ष 2016–17 के दौरान प्राप्त शुल्क

क्र.सं.	एकत्रित शुल्क का संदर्भ	प्राप्त कुल राशि (रू.)
1	अनंतिम/पूर्ण विनिर्देश के साथ पेटेंट के लिए नया आवेदन	1,491,719,724
2	अनंतिम विनिर्देश के बाद पूर्ण – फॉर्म 2	19,913,856
3	धारा 53(2) व 142(4) नियम 13(6), 80(1क) व 130 के अंतर्गत समय विस्तार हेतु अनुरोध – फॉर्म 4	4,904,726
4	नियम 24 ख के उपनियम (5) के अंतर्गत समय विस्तार हेतु अनुरोध – फॉर्म 4	5,262,500
5	उत्तर दिनांकन के लिए आवेदन	1,243,440
6	आवेदक का प्रतिस्थापन/परिवर्तन – फॉर्म 6	16,900,080
7	उत्तरजीवी/अन्य पक्ष के नाम पर कार्यवाही करने का अनुरोध	334,800
8	विरोध की सूचना – फॉर्म 7	139,200
9	सुनवाई मे उपस्थिति हेतु सूचना – कोई फॉर्म नहीं	158,250
10	किसी पेटेंट मे आविष्कारक के रूप मे उल्लेख – फॉर्म 8	944,720
11	शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध – फॉर्म 9	14,170,875
12	तीसरे वर्ष से बीसवें वर्ष तक पेटेंट का नवीकरण	1,520,099,630
13	अनुदान पूर्व आवेदन का संशोधन – फॉर्म 13	25,768,600
14	अनुदानोत्तर आवेदन का संशोधन – फॉर्म 13	1,281,900
15	नाम/पता/राष्ट्रीयता/सेवार्थ पते मे संशोधन – फॉर्म 13	17,469,862
16	पेटेंट का प्रत्यावर्तन – फॉर्म 15	639,250
17	प्रत्यावर्तन हेतु अतिरिक्त शुल्क	1,438,200
18	पेटेंट परित्याग का प्रस्ताव	9,000
19	आवेदन का आहरण – फॉर्म 29	185,600
20	पेटेंट रजिस्टर मे प्रविष्टि के लिए – फॉर्म 16	12,263,300
21	पेटेंट रजिस्टर मे प्रविष्टि के बदलाव के लिए	2,632,794
22	अतिरिक्त सेवार्थ पते की प्रविष्टि हेतु	56,400
23	18 महीने के प्रकाशन के उपरांत परीक्षण हेतु अनुरोध – फॉर्म 18	693,019,600
24	त्वरित परीक्षण हेतु अनुरोध – फॉर्म 18	26,066,310
25	पेटेंट अभिकर्ता के रूप मे पंजीकरण – फॉर्म 22	1,015,000

26	अभिकर्ता परीक्षा मे उपस्थित होने के लिए अनुरोध	5,768,000
27	रजिस्टर मे अभिकर्ता नाम जारी रखना – प्रथम वर्ष	252,560
28	रजिस्टर मे अभिकर्ता नाम जारी रखना – द्वितीय वर्ष से	2,215,600
29	पेटेंट अभिकर्ता के लिए अनुलिपि प्रमाण पत्र	2,000
30	रजिस्टर मे अभिकर्ता के नाम का प्रत्यावर्तन – फॉर्म 23	167,280
31	लिपिकीय त्रुटियों का सुधार	724,080
32	नियंत्रक के निर्णय की समीक्षा हेतु आवेदन – फॉर्म 24	294,400
33	भारत के बाहर पेटेंट आवेदन करने हेतु अनुमति – फॉर्म 25	18,177,200
34	अनुलिपि पेटेंट के लिए आवेदन (एल पी)	99,350
35	धारा 72 के अधीन सत्यापित प्रतियों अथवा धारा 147 व नियम 133(1) के अधीन प्रमाण पत्र की आपूर्ति	32,151,210
36	प्रत्येक मुद्रित, कार्यालय प्रतियों के प्रमाणन हेतु	28,800
37	रजिस्टर की जांच हेतु अनुरोध	213,888
38	सूचना हेतु अनुरोध	219,526
39	प्रायिकता दस्तावेज दाखिल करने मे देरी/अनियमितता ठीक करने/देरी ठीक करने हेतु याचिका	97,384,260
40	दस्तावेज की छाया प्रति की आपूर्ति	175,652
41	अंतर्राष्ट्रीय आवेदन हेतु पारेषण शुल्क	8,327,550
42	प्रायिकता दस्तावेज की सत्यापित प्रति तैयार करना	2,869,690
43	सुनवाई के प्रत्येक अथवा आंशिक दिवस में भाग लेने के लिए	5,000
44	विविध	43,345,046
45	सूचना अधिकार	2,444
46	नियम 24(ग) के उप नियम 11 के अंतर्गत समय के विस्तार हेतु अनुरोध – फॉर्म 4	6,000
47	नियम 24 ख के अधीन परीक्षण हेतु अनुरोध का त्वरित परीक्षण मे परिवर्तन – फॉर्म 18 क	2,246,000
48	नियम 129 क के अंतर्गत सुनवाई के स्थगन हेतु अनुरोध	8,156,700
49	धारा 72 के अधीन सत्यापित प्रतियाँ अथवा धारा 147 व नियम 133 (2) के अंतर्गत प्रमाण पत्र	2,780,100
50	गैर राजस्व	11,551,294
	कुल	**4,085,249,953**

5. डिजाइन

वर्ष की मुख्य विशेषताएँ

परीक्षण की लंबितता मार्च 2016 में 8 माह से घटकर मार्च 2017 में एक माह तक हो गयी है

1. परिचय

भारत में औद्योगिक डिजाइन का पंजीकरण और संरक्षा डिजाइन अधिनियम, 2000 द्वारा प्रशासित होता है।

औद्योगिक डिजाइन पृष्ठ के ढंग तथा साज–सज्जा तथा पंक्तियों एवं रंग के संयोजन के साथ–साथ नये आकार व संरचनाओं के वैशिष्ठ्य का सृजन तथा दृष्टिगत अनुरोध के संवर्द्धन हेतु वस्तुओं में प्रयुक्त अलंकरण को प्रमाणित करता है।

डिजाइन पंजीकरण के आवेदनों को डिजाइन नियम, 2001 की तृतीय अनुसूची के अनुरूप वर्गीकृत किया जाता है जो मुख्यतः अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणाली पर आधारित है जिसे लोकार्नो वर्गीकरण के नाम से जाना जाता है।

औद्योगिक डिजाइन के पंजीकरण और संरक्षा संबंधी गतिविधियों का संचालन पेटेंट कार्यालय, कोलकाता के डिजाइन स्कन्ध द्वारा किया जाता है। हालाँकि डिजाइन पंजीकरण हेतु आवेदन सभी चार कार्यालयों मे दाखिल किए जा सकते हैं। नए आवेदन की ई–फाइलिंग की शुरुआत प्रतिवेदन वर्ष के प्रारम्भ के समय ही की गई जिस पर निरंतर निगरानी रखते हुए वर्ष के दौरान बेहतर जन सेवा प्रदान करने के लिए उसका अद्यतिकरण भी किया गया। परिणामस्वरूप ऑनलाइन माध्यम से दाखिल आवेदनों की संख्या मे डिजाइन के लिए कुल आवेदन में 20% तक की वृद्धि हुई है। डिजाइन (संशोधन) नियम, 2014 के पिछले संशोधन मे लघु इकाइयों के लिए 50% शुल्क छूट की सुविधा दी गई है। डिजाइन अधिनियम, 2000 व उसके अधीन बने नियमों के विभिन्न प्रावधानों के तहत गतिविधियों की विस्तृत जानकारी महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न की आधिकारिक वेबसाईट पर उपलब्ध है। पंजीकरण व उत्तर पंजीकरण की जानकारी इलेक्ट्रोनिक रूप में नियमित रूप से खोज योग्य स्वरूप मे पेटेंट कार्यालय के ई–जर्नल मे डिजाइन भाग में प्रकाशित की जाती है। पंजीकृत डिजाइन के प्रकाशन में पंजीकृत डिजाइन की सर्वोत्तम छवि भी रहती है जिससे डिजाइन हितधारक पूर्व कला से परिचित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त डिजाइन स्कन्ध अनुरोध करने पर डिजाइन रजिस्टर की जांच और पंजीकृत डिजाइन की पूर्व कला खोज भी उपलब्ध कराता है। आवेदन की स्थिति व जन खोज सुविधा आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

डिजाइन पंजीकरण कार्य के संदर्भ में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) स्थापित करने के लिए कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने डिजाइन आवेदन पंजीकरण प्रक्रिया के लिए ISO 9001:2008 प्रमाणन प्राप्त किया है। यह प्रमाणन बीएसआई (ब्रिटिश स्टैण्डर्ड इंस्टीच्यूशन) द्वारा दिनांक 13/04/2015 को प्रदान किया गया।

2. दाखिल एवं पंजीकृत डिजाइन आवेदन

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान डिजाइन पंजीकरण हेतु 10213 आवेदन दाखिल किए गए व 8276 आवेदन पंजीकृत किए गए। डिजाइन आवेदन दाखिल करने एवं उनके पंजीकरण की प्रवृत्ति नीचे प्रदर्शित की गयी है:

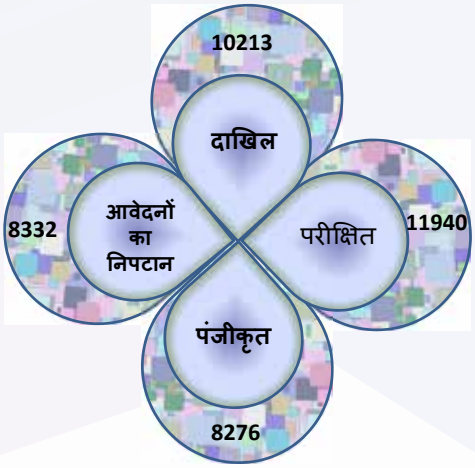

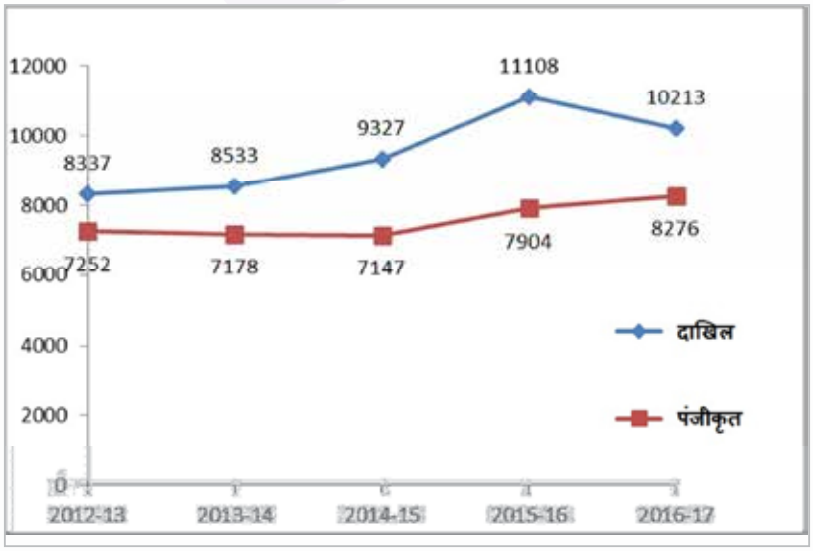

भारतीय एवं विदेशी नागरिकों द्वारा दाखिल आवेदन:

भारत में उद्गमित आवेदनों की संख्या 6292 थी जबकि 3921 आवेदन विदेशों से प्राप्त हुए। भारतीय और विदेशी उद्गम की आवेदन प्रवृत्ति निम्नवत है:

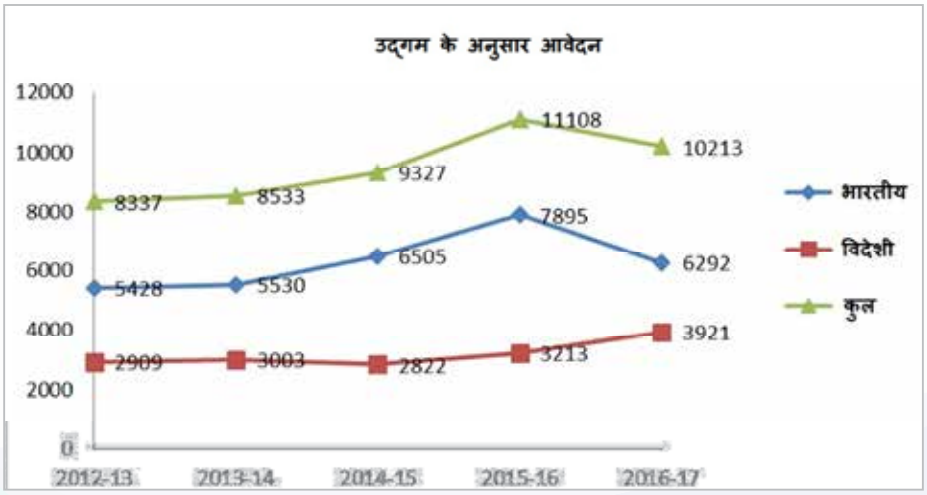

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

कुल **10213** आवेदनों में से भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 6292 रही। गत वर्षों की प्रवृत्ति के अनुरूप, इस वर्ष भी, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल आवेदनों मे भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **62%** रही। यह घरेलू आवेदनों मे बढ़ती हुई प्रवृत्ति दर्शाता है।

वर्ष के दौरान भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की कुल संख्या में, इस वर्ष भी 1659 आवेदनों के साथ महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर बना रहा। दिल्ली 1013 आवेदनों के साथ द्वितीय स्थान पर रहा जबकि 934 आवेदनों के साथ गुजरात तीसरे स्थान पर रहा। (20) शीर्ष दाखिल करने वाले राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों का ग्राफीय वर्णन नीचे दिया गया है। राज्य/संघ शासित क्षेत्र के अनुसार विवरण परिशिष्ट **ग** में प्रदर्शित किया गया है।

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन – राज्यानुसार

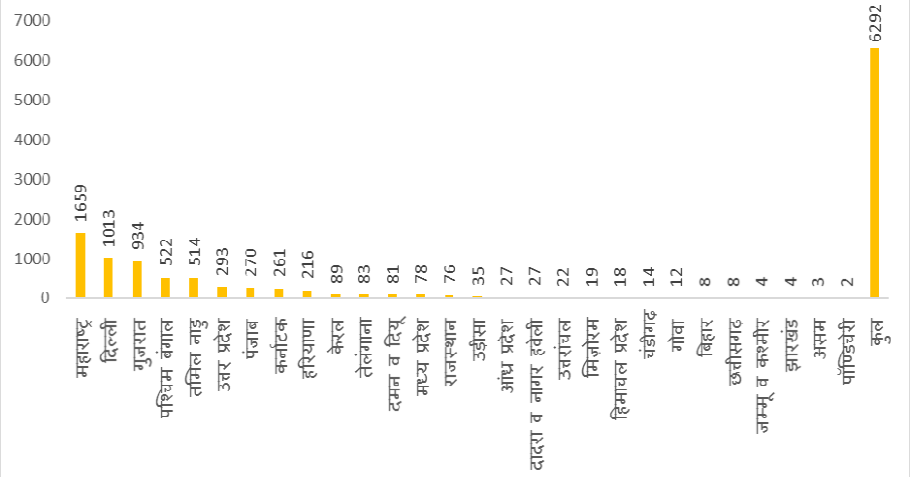

विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

कुल **10213** आवेदनों में से वर्ष के दौरान विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **3921** रही। (20) शीर्ष दाखिल करने वाले विदेशों का ग्राफीय वर्णन नीचे दिया गया है। देश के अनुसार विवरण परिशिष्ट घ में प्रदर्शित किया गया है।

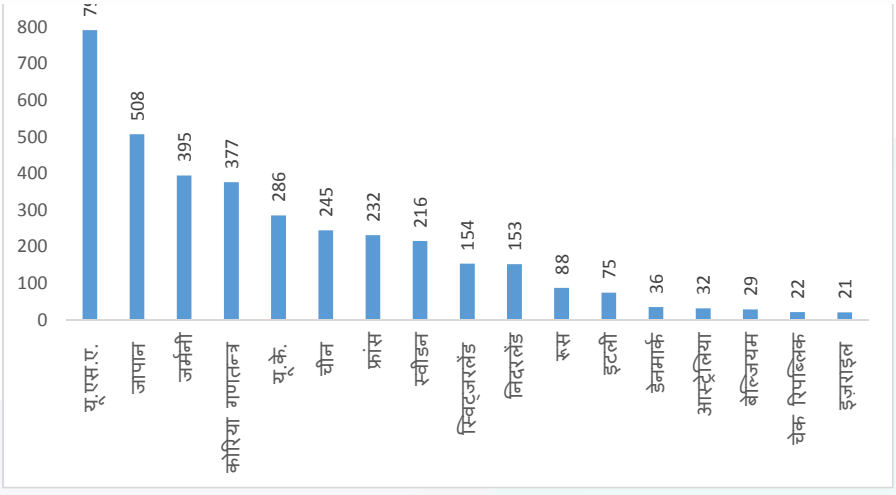

वर्गीकरण के अनुसार दाखिल डिजाइन आवेदनः

भारत से उद्गमित आवेदनों में से, वर्ग 09 (यातायात के लिए पैकेज या कंटेनर अथवा सामान के रखरखाव) के अंतर्गत 684 आवेदन थे जिसके बाद वर्ग 05 (वस्त्र अंश वस्तुएं, कृत्रिम और प्राकृतिक शीट पदार्थ) के अंतर्गत 606, वर्ग 02 (वस्त्र वस्तु व बिसाती वस्तु) के अंतर्गत 545, वर्ग 12 (यातायात या उत्तोलन के साधन) के अंतर्गत 537, वर्ग 23 (द्रव वितरण उपकरण आदि) के अंतर्गत 490, वर्ग 07 (घरेलू सामान) के अंतर्गत 451, वर्ग 06 (फर्निशिंग) के अंतर्गत 410 आवेदन थे। दूसरी तरफ विदेशों से उद्गमित आवेदन वर्गानुसार यह प्रवृत्ति दर्शाते हैं – वर्ग 12 (यातायात या उत्तोलन के साधन) के अंतर्गत 698, जिसके बाद वर्ग 14 (रिकॉर्डिंग, संचार या संचार प्राप्ति उपकरण) के अंतर्गत 491, वर्ग 23 (द्रव वितरण उपकरण आदि) के अंतर्गत 369, वर्ग 09 (यातायात के लिए पैकेज या कंटेनर अथवा समान का रखरखाव) के अंतर्गत 251, वर्ग 15 (मशीन) के अंतर्गत 246, वर्ग 24 (चिकित्सा और प्रयोगशाला उपकरण) के अंतर्गत 245, वर्ग 13 (विद्युत के उत्पादन, वितरण या परिवर्तन के लिए उपकरण) के अंतर्गत 165 थे। भारत और विदेशी आवेदकों की ओर से दाखिल आवेदनों की वर्गानुसार प्रवृत्ति नीचे प्रदर्शित की गई हैः

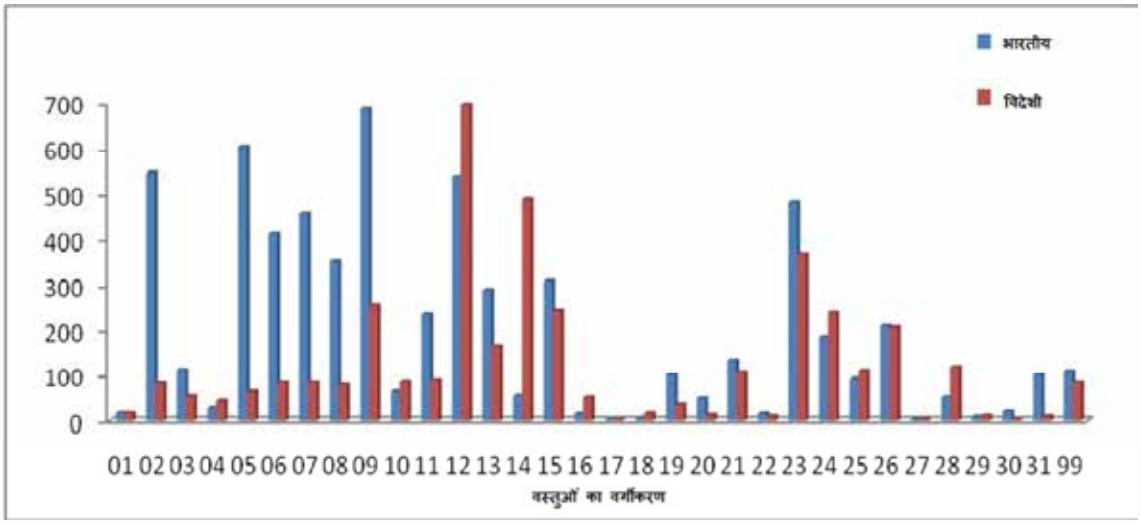

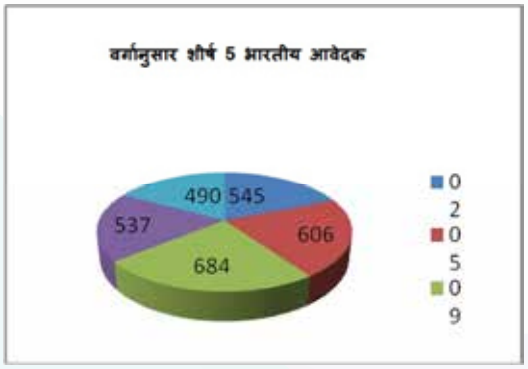

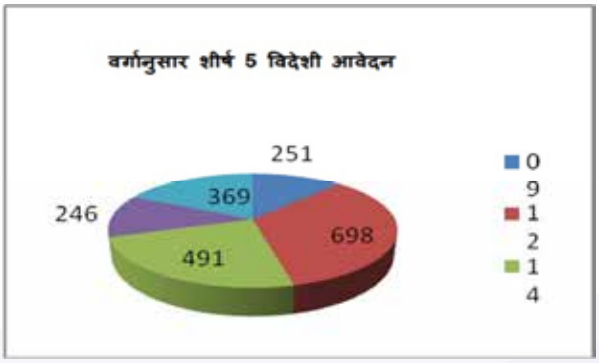

वर्गीकरण के अनुसार पंजीकृत डिजाइन आवेदन:

इसी प्रकार, भारतीय उद्गम के पंजीकृत डिजाइन के वर्गानुसार वितरण मे वर्ग 05 के अंतर्गत 900, उसके बाद वर्ग 12 के अंतर्गत 707, वर्ग 09 के अंतर्गत 437, वर्ग 02 के अंतर्गत 427, वर्ग 07 के अंतर्गत 421, वर्ग 23 के अंतर्गत 345, वर्ग 06 के अंतर्गत 358 हैं। जबकि विदेशी उद्गम के संदर्भ मे पंजीकृत डिजाइन के वर्गानुसार वितरण मे वर्ग 12 के अंतर्गत 413, वर्ग 14 के अंतर्गत 391, वर्ग 15 के अंतर्गत 280, वर्ग 23 के अंतर्गत 222, वर्ग 09 के अंतर्गत 171, वर्ग 24 के अंतर्गत 164 व वर्ग 26 (लाइटिंग अपरेटस) के अंतर्गत 151 हैं।

इसी प्रकार, भारतीय उद्गम के साथ साथ विदेशी आवेदनों का वर्गानुसार वितरण नीचे प्रदर्शित किया गया है –

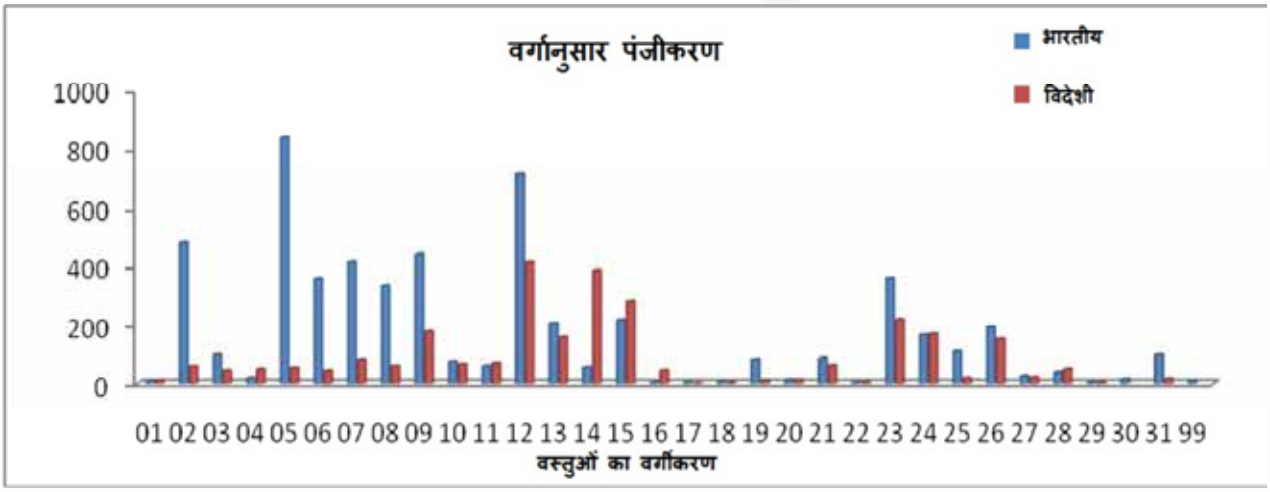

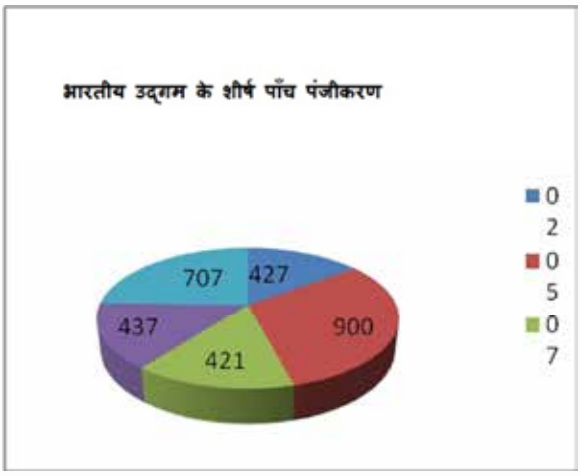

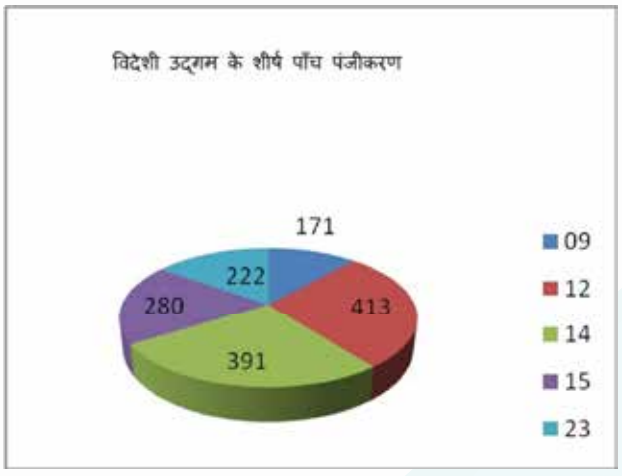

अग्रणी आवेदक व भारतीय तथा विदेशी उद्गम के पंजीकरण

2016–17 के दौरान डिजाइन के पंजीकरण हेतु आवेदन दाखिल करने वाले अग्रणी भारतीय आवेदक रहे – साब्यसाची कोट्यूर (308), सिद्धि विनायक नोट्स एंड प्रिंट्स प्र. लि.(242), मिस्टर सिद्धार्थ बिन्द्रा (151), ट्यूब ईन्वेस्ट्मेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड (112), बीबा अपेरल्स प्राइवेट लिमिटेड (110), रिलेक्सो फुटवेयर लिमिटेड (69), मा डिजाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (58), नयासा सुपरप्लास्ट (56), जी. एम. मोड्यूलर प्रा.लि. (51) व महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (50)।

इसी प्रकार अग्रणी विदेशी कम्पनियाँ जिन्होने डिजाइन आवेदन दाखिल किए वे थीं – सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक कं. लि.(180), स्कैनिया सीवी एबी (177), होंडा मोटर कम्पनी लिमिटेड (102), एलजी इलेक्ट्रोनिक्स इंक. (85), कोनिंकलिके फिलिप्स एन.वी. (76), मैन ट्रक एंड बस एजी (73), डेल्टा फौसेट कंपनी (48), ऑडी एजी (38), रेनौल्ट एस.ए.एस. (38) तथा जिलेट कंपनी (38) आदि।

विदेशी उद्गम के आवेदकों के शीर्ष 5 डिजाइन पंजीकरण

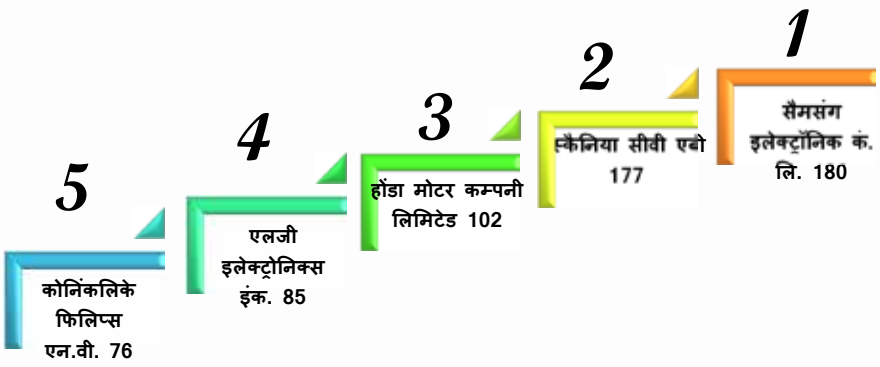

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान भारतीय आवेदकों से उद्गमित शीर्ष पाँच पंजीकरण थेः साब्यसाची कोट्यूर (387), सिद्धि विनायक नोट्स एंड प्रिंट्स प्र.लि.(377), मिस्टर सिद्धार्थ बिन्द्रा (148), ट्यूब ईन्वेस्ट्मेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड (136), मा डिजाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (113), बीबा अपेरल्स

प्राइवेट लिमिटेड (110), रिलेक्सो फुटवेयर लिमिटेड (69), मा डिजाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (58), जी.एम. मोड्यूलर प्रा.लि. (51), महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (50) व नयासा सुपरप्लास्ट (42) आदि। विदेशी आवेदकों से उद्गमित शीर्ष पाँच पंजीकरण थेः सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक कं. लि.(241), एलजी इलेक्ट्रोनिक्स इंक. (168), कोनिंकलिके फिलिप्स एन.वी. (93), होंडा मोटर कम्पनी लिमिटेड (85) तथा स्कैनिया सीवी एबी (47)।

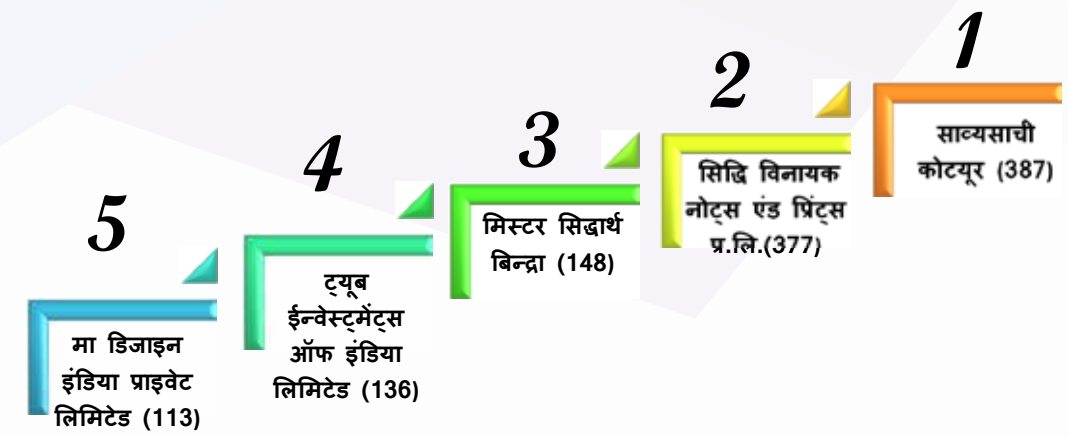

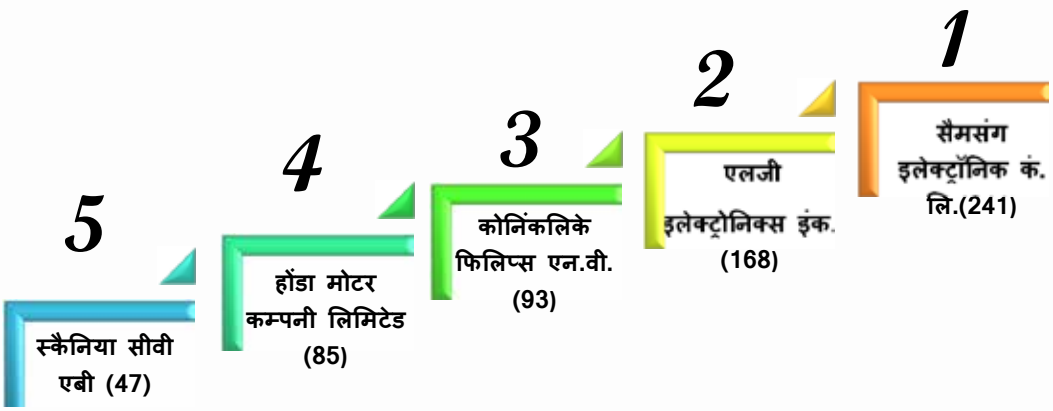

3. डिजाइन आवेदनों का परीक्षणः

प्रतिवेदन अवधि के दौरान डिजाइन के पंजीकरण हेतु 11940 आवेदनों का परीक्षण किया गया जिसमें से 9718 आवेदनों के लिए परीक्षण रिपोर्ट भेजने की आवश्यकता थी। वर्ष के दौरान पंजीकृत डिजाइन की संख्या 8276 थी। पंजीकरण के अतिरिक्त 56 आवेदनों का निष्पादन अस्वीकृति और परित्याग के माध्यम से हुआ।

4. प्रतिलिप्यधिकार विस्तार [धारा 11(2) के तहत]:

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पंजीकृत डिजाइन में प्रतिलिप्यधिकार विस्तार के लिए 1,360 आवेदन प्राप्त किए गए। 890 पंजीकृत डिजाइन का आगामी 5 वर्षों के लिए नवीकरण प्रतिवेदन

वर्ष के दौरान किया गया। हालाँकि, शेष मामलों पर कार्यवाही प्रारंभ की गई है। वर्ष के दौरान डिजाइन के प्रत्यावर्तन के लिए 58 आवेदन दाखिल किए गए जिनमें से 07 आवेदनों का प्रत्यावर्तन कर दिया गया।

5. विविध कार्यवाहियाँ

क) पंजीकृत डिजाइन का निरस्तीकरण [धारा 19 के तहत]: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पंजीकृत डिजाइन के निरस्तीकरण के लिए 81 आवेदन दाखिल हुए। वर्ष के दौरान 56 निर्णय जारी किए गए जिनमें से 20 मामलों पर याचिका अनुमत की गई और 36 मामलों में याचिका खारिज कर दी गई।

ख) जनता द्वारा निरीक्षण [नियम 38 के तहत]: पंजीकृत डिजाइन आवेदनों के निरीक्षण हेतु 66 याचिका प्राप्त की गई।

ग) नाम और पते आदि में परिवर्तन [नियम 31 के तहत]: वर्ष के दौरान नाम, पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन हेतु 2014 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से 1764 मामलों का निपटान कर आदेश जारी किया गया। शेष मामलों पर कार्यवाही प्रारम्भ की गई है।

घ) लिपिकीय त्रुटि का परिमार्जन [नियम 29 के तहत]: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान लिपिकीय त्रुटि के परिमार्जन हेतु 54 अनुरोध प्राप्त हुए और सभी का निपटान वर्ष के दौरान ही कर दिया गया।

ङ) नियम 41 तथा धारा 17 (2) के तहत सत्यापित प्रतियां: वर्ष के दौरान 530 अनुरोध दाखिल किए गए व वर्ष के दौरान सभी का निपटान कर दिया गया।

6. प्रवृत्त डिजाइन:

प्रतिवेदन वर्ष के अंत तक प्रवृत्त पंजीकृत डिजाइन की संख्या 76281 रही।

महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्नध्औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (सीजीपीडीटीएम/डीआईपीपी) और ईयूआईपीओ (यूरोपीयन यूनियन इंटलेक्चुयल प्रॉपर्टी ऑफिस) के बीच आईपीसी-ईयूआई (ईयू- भारत बौद्रिक सम्पदा समन्वय)

2015 से जारी महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न/औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (सीजीपीडीटीएम/डीआईपीपी) और ईयूआईपीओ (यूरोपीयन यूनियन इंटलेक्चुयल प्रॉपर्टी ऑफिस) के बीच द्विपक्षीय सहयोग आईपीसी–ईयूआई (ईयू–भारत बौद्धिक सम्पदा समन्वय) के क्रम मे, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्रमुख क्षेत्र की गतिविधियां जिन पर जोर दिया गया वे हैं:

क) ईयूआईपीओ क डिजाइन व्यू मंच पर भारतीय पंजीकृत डिजाइनों के आंकड़ों के एकीकरण की व्यवहार्यता का अध्ययन करना

ख) डिजाइन परीक्षण मे सर्वोत्तम व्यवहार का आदान–प्रदान

परियोजना के अंतर्गत, ईयूआईपीओ के तकनीकी विशेषज्ञों ने डिजाइन व्यू टूल के साथ भारतीय डिजाइनों के बारे में जानकारी के एकीकरण के संबंध में परामर्श बैठक के लिए कोलकाता में डिजाइन विंग का दौरा किया। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान डिजाइन विंग, कोलकाता में डिजाइन परीक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परियोजना के तहत डिजाइन के हितधारकों के लिए दो जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

परिशिष्ट– क

2016–17 के दौरान डिजाइन द्वारा अर्जित राजस्व

प्रलेखों का विवरण	संख्या	शुल्क (रू.)	राशि (रू.)
डिजाइन अधिनियम, 2000 धारा 5 एवं 44 के तहत डिजाइन पंजीकरण हेतु आवेदन (दिल्ली, मुंबई एवं चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित)	10213	1000, 2000, 4000	3,24,13,000
धारा 11(2) के तहत प्रतिलिप्याधिकार के विस्तार हेतु आवेदन	1360	2000, 4000, 8000	10,42,6000
धारा 12(2) के तहत व्यपगत डिजाइन का प्रत्यावर्तन	58	1000, 2000, 4000	27,4000
धारा 19 के तहत डिजाइन का निरस्तीकरण	81	1500, 3000, 6000	4,03,500
धारा 26 और 17(2) के तहत सत्यापित प्रति	530	500, 1000, 2000	8,26,000
डिजाइन अधिनियम, 2000 व डिजाइन नियम 2001 के तहत अन्य विविध शुल्क (दिल्ली, मुंबई एवं चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित)		प्रथम अनुसूची के अनुसार	1,08,16,902
कुल योग			**5,51,59,402**

परिशिष्ट– ख

दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल	पंजीकृत
2012–13	8337	7252
2013–14	8533	7178
2014–15	9327	7147
2015–16	11108	7904
2016–2017	10213	8276

दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की उद्गम के अनुसार प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल		पंजीकृत	
	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
2012–13	5428	2909	4662	2590
2013–14	5530	3003	4330	2848
2014–15	6505	2822	4726	2421
2015–16	7895	3213	5532	2372
2016–17	6292	3921	5511	2765

परिशिष्ट – ग

राज्यानुसार – दाखिल डिजाइन आवेदन

राज्य का नाम	कुल दाखिल
महाराष्ट्र	1659
दिल्ली	1013
गुजरात	934
पश्चिम बंगाल	522
तमिल नाडु	514
उत्तर प्रदेश	293
पंजाब	270
कर्नाटक	261
हरियाणा	216
केरल	89
तेलंगाना	83

दमन व दियू	81
मध्य प्रदेश	78
राजस्थान	76
उड़ीसा	35
आंध्र प्रदेश	27
दादरा व नागर हवेली	27
उत्तराखंड	22
मिजोरम	19
हिमाचल प्रदेश	18
चंडीगढ़	14
गोवा	12
बिहार	8
छत्तीसगढ़	8
जम्मू व कश्मीर	4
झारखंड	4
असम	3
पॉण्डिचेरी	2
कुल	**6292**

परिशिष्ट घ

विदेशी अवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन – देशवार

देश का नाम	**वित्त वर्ष 16–17**
यू.एस.ए.	792
जापान	508
जर्मनी	395
कोरिया गणतन्त्र	377
यू.के.	286
चीन	245
फ्रांस	232
स्वीडन	216
स्विट्जरलेंड	154
निदरलेंड	153

रूस	88
इटली	75
डेनमार्क	36
आस्ट्रेलिया	32
बेल्जियम	29
चेक रिपब्लिक	22
इजराइल	21
फिनलेंड	20
स्पेन	20
ताइवान	19
होंगकोंग	18
लक्जमबर्ग	15
थाईलैंड	15
कनाडा	14
सिंगापुर	14
साइप्रस	13
स्लोवेनिया	13
वियतनाम	13
दक्षिण अफ्रीका	9
मलेशिया	8
न्यूजीलेंड	8
यू.ए.ई.	8
पोलेंड	6
बेलारूस	5
स्लोवाकिया	5
नॉर्वे	4
टर्की	4
ऑस्ट्रीया	3
पुर्तगाल	3
एस्टोनिया	2
ग्रीस	2
लेशेंस्टाइन	2
मॉरीशस	2
मेक्सिको	2

कतर	2
श्री लंका	2
ब्राजील	1
कोलम्बिया	1
आइस लेंड	1
जमैका	1
नेपाल	1
पनामा	1
रोमेनिया	1
स्कोट्लेंड	1
यूक्रेन	1
कुल	**3921**

6. व्यापार चिह्न

वर्ष की मुख्य विशेषताएँ

व्यापार चिह्न आवेदनों की लंबितता को 14 महीने से घटाकर 1 महीने से कम तक कर दिया गया

प्रकाशन हेतु व्यापार चिह्न आवेदनों की स्वीकृति 10% से कम से बढ़कर लगभग 40% तक हो गयी

यह अध्याय व्यापार चिह्न अधिनियम,1999 तथा उसके अधीन बने नियमों के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा निष्पादित गतिविधियों से संबंधित 58वाँ वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है।

व्यापार चिह्न अधिनियम लागू होने का उद्देश्य वस्तुओं व सेवाओं के व्यापार चिह्न का पंजीकरण व उसको संरक्षण प्रदान करना है, देश मे वाणिज्य वस्तु पर नकली व्यापार चिह्न के उपयोग को रोकना है। व्यापार चिह्न का पंजीकरण पंजीकृत स्वत्वधारी को कतिपय सांविधिक अधिकार प्रदान करता है, जो उसे व्यापार चिह्न के अतिलंघन करने वाले के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हेतु सक्षम बनाता है, चाहे वह व्यापार चिह्न प्रयोग में हो या नहीं। यह उन सामान्य कानून अधिकार के अतिरिक्त है जहां पासिंग ऑफ के अंतर्गत मुकदमा चलाया जा सकता है।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा व्यापार चिह्न नियम, 2002, 15 सितंबर, 2003 से प्रभावी हुए। रजिस्ट्री का मुख्यालय मुंबई मे है तथा इसकी शाखाएं दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद मे स्थित है।

देश में बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विषय में सामान्य रूप से तथा व्यापार चिह्न के संबंध में विशेष रूप से बढ़ती जागरुकता के कारण व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की गतिविधि तथा उत्तरदायित्व में काफी बढ़ोतरी हुई है। व्यापार चिह्न अधिनियम,1999 के अधीन और व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए मैड्रिड प्रोटोकॉल से भारत के संबद्ध होने के बाद सेवा चिह्न, सुविख्यात चिह्न, सामूहिक चिह्न की संरक्षा तथा बहुवर्ग आवेदनों हेतु प्रावधान इत्यादि को शामिल किए जाने से इस भूमिका में और बढ़ोतरी हुई है।

1. वर्ष 2016–2017 के दौरान गतिविधियों की प्रवृत्ति

वर्ष 2016–2017 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा की गई विविध गतिविधियों संबंधी जानकारी निम्नलिखित सारणी में प्रदान की गई है। आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति यह इंगित करती है कि इस वर्ष में दाखिल आवेदनों की संख्या 283060 से घट कर **278170** हो गयी तथापि व्यापार चिह्न के पंजीकरण मे 284.5% की अभूतपूर्व वृद्धि देखी गयी है। दाखिल, परीक्षित एवं पंजीकृत आवेदनों की संख्या के संबंध मे गतिविधियों का विवरण परिशिष्ट–I में दिया गया है।

क्रम संख्या	गतिविधियाँ	2014–2015	2015–16	2016–17
1.	पंजीकरण के लिए दाखिल किए गए आवेदन	210501	283060	278170
2.	व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित आवेदनों की संख्या	81959	117408	333673
3.	पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या	41583	65045	250070

4	पंजीकरण के अतिरिक्त अन्यथा रूप में (अस्वीकृति, परित्याग और आहरण द्वारा) निष्पादित उत्तर–परीक्षण आवेदनों की संख्या	42069	217675	40374
5	पंजीकरण का नवीकरण किए जानेवाले चिह्नों की संख्या	43889	58160	56270
6.	पंजीकृत व्यापार चिह्न (समनुदेशन सहित) में पंजीकरण के बाद किए गए परिवर्तनों की प्रविष्टि हेतु निष्पादित अनुरोधों की संख्या	10051	11075	13094
7.	प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम,1983 की धारा 45(1) के तहत जारी प्रमाण पत्र	3257	8185	9169

2. व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्तिः

भारत में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए दाखिल किए जा रहे आवेदनों की प्रवृत्ति में आंशिक कमी देखी गई है। 2016–17 मे भारतीयों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 2015–16 के 267390 से आंशिक घट कर 266730 हो गयी है तथा विदेशियों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 2015–16 के 15670 से घटकर 2016–17 में 11440 हो गयी है।

i. 2012-13 से 2016-17 के दौरान दाखिल आवेदनों का प्रवृत्तिः

वर्ष	भारतीय आवेदक	विदेशी आवेदक	कुल
2012–13	179436	14780	194216
2013–14	184140	15865	200005
2014–15	202654	7847	210501
2015–16	267390	15670	283060
2016–17	266730	11440	278170

ii. भारतीयों द्वारा दाखिल व्यापार चिह्न आवेदन – राज्यानुसारः

वर्ष के दौरान भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की कुल संख्या में, 63070 आवेदनों के साथ महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर रहा। दिल्ली 51563 आवेदनों के साथ द्वितीय स्थान पर रहा जबकि 24208 आवेदनों के साथ गुजरात तीसरे स्थान पर रहा। ग्राफीय वर्णन नीचे दिया गया है।

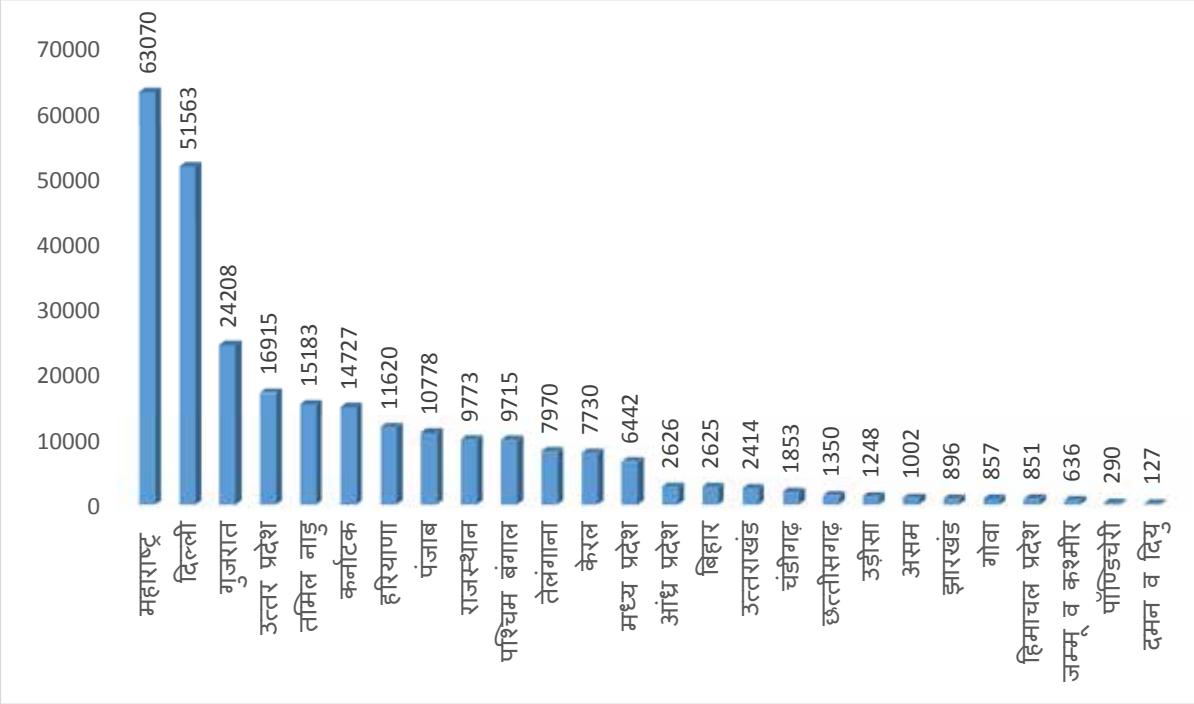

राज्य/संघ शासित क्षेत्र के अनुसार विवरण

iii. विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

कुल **278170** आवेदनों में से वर्ष के दौरान विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **11440** रही। (20) शीर्ष दाखिल करने वाले विदेशों का ग्राफीय वर्णन नीचे दिया गया है।

देश का नाम	आवेदनों की संख्या
संयुक्त राज्य अमरीका	3792
चीन	1360
यूनाइटिड किंग्डम	761
जापान	549
कोरिया गणराज्य	476
जर्मनी	372
सिंगापुर	336
स्विट्जरलेंड	314
फ्रांस	268
हाँगकाँग	257

संयुक्त अरब अमीरात	244
ताइवान, प्रोविन्स ऑफ चाइना	221
केमन आइलेंड	218
कनाडा	164
इटल	153
निदरलेंड	149
ब्रिटिश वर्जिन आइलेंड	146
ऑस्ट्रेलिया	127
थाइलेन्ड	123
स्पेन	91

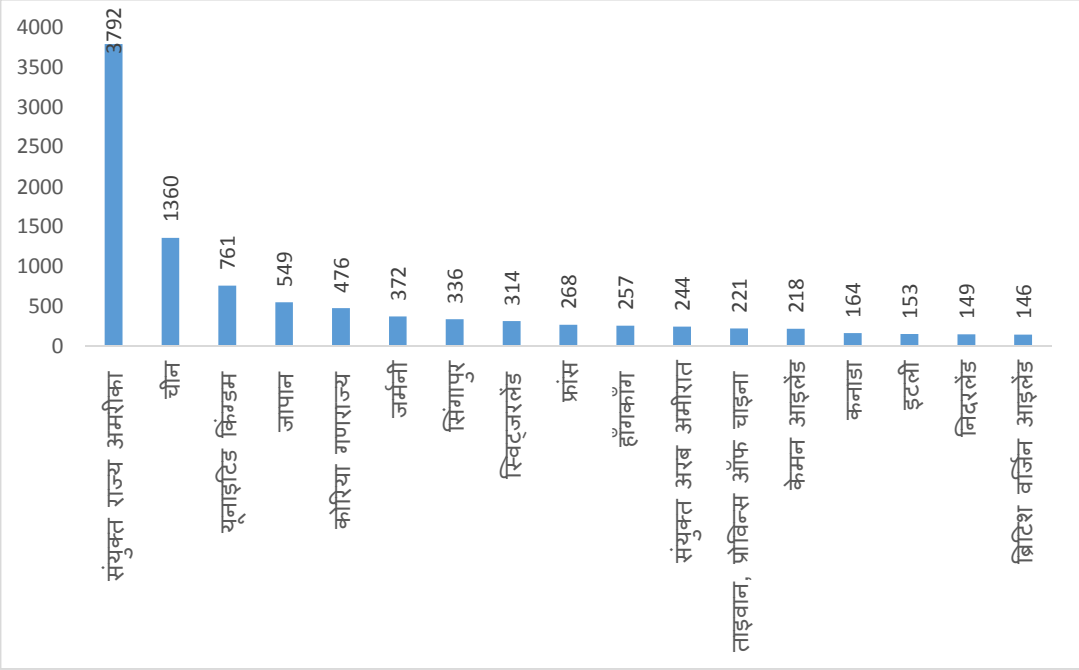

iv. वर्गानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्तिः

वर्ष 2016–17 के दौरान दाखिल किए गए व्यापार चिह्न आवेदनों की वर्गानुसार प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी सबसे ज्यादा आवेदन वर्ग 5 के अंतर्गत की वस्तुओं (औषधी, पशु चिकित्सीय तथा आरोग्यकारक पदार्थों आदि) के लिए प्राप्त हुए है।

व्यापार चिह्न के पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों के वर्गानुसार वितरण का विवरण

वर्ग	वस्तुएं	दाखिल आवेदन	कुल दाखिल आवः आवेदनों का %
1.	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान–कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	4209	1.51
2.	पेंट और वार्निश	1688	0.61
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	9305	3.35
4.	औद्योगिक तेल और चिकनाइयॉ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	1580	0.57
5	औषधीय, भेषजीय, पशु चिकित्सीय और आरोग्यकारक पदार्थ आदि	40578	14.59
6	अन–रॉट और अंशतरू रॉट सामान्य धातु एवं उनके मिश्र–धातु आदि	3448	1.24
7.	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	5660	2.03
8.	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	1241	0.45
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	14347	5.16
10.	शाल्यिक, औषधीय, दंत और पशुचिकित्सा उपकरण और यंत्र आदि	2461	0.88
11	प्रकाशन साधित्र, तापक वाष्पजनक आदि	7200	2.59
12	वाहन और उनके पूर्जे, यंत्र, भूमि पर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	3350	1.20
13.	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	249	0.09
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनका मिश्र धातु आदि	3482	1.25
15	संगीत के यंत्र (बोलने वाली मशीन और वायरलेस उपकरण के अतिरिक्त)	322	0.12
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	6637	2.39
17.	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	2686	0.97
18.	चमड़े और कृत्रिम चमड़े आदि	2966	1.07
19.	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	5195	1.87
20.	फर्नीचर, आईने आदि	3101	1.11
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	3077	1.11
22	रस्सी, सुतली आदि	655	0.24
23	सूत और धागे	552	0.20

24	टिशू (खंडित वस्तुएं) आदि	3588	1.29
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	18347	6.60
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	851	0.31
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	593	0.21
28.	खेल और खेलने की चीजें आदि	2000	0.72
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	7270	2.61
30	कॉफी, चाय, कोको आदि	15863	5.70
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में अंतर्गत नहीं है	5448	1.96
32	बीयर, एल और पोर्ट, खनिज और वाति जल और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	4993	1.79
33	वाइन स्प्रिट और मद्य पेय	1454	0.52
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	1936	0.70
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	25052	9.01
36	बीमा वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	4690	1.69
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	3928	1.41
38	दूरसंचार	2899	1.04
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	3551	1.28
40	सामग्री का बहिस्त्राव	1259	0.45
41	शिक्षा, प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीडा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	14919	5.36
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाओं तथा उससे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	7885	2.83
43	खाद्य और पेय हेतु सेवाएंय अस्थायी निवास	8497	3.05
44	चिकित्सा सेवाएं य पशुचिकित्सा सेवाएंय मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभालय कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	5199	1.87
45	विधिक सेवाएंय सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएंय व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	3258	1.17
	बहुवर्ग आवेदन	10701	3.85
	कुल	**278170**	

v. **शाखानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति**

वर्ष 2016–17 के दौरान, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की दिल्ली शाखा में अधिकतम संख्या (**104249**) में आवेदन दाखिल किए गए जिसके बाद क्रमशः मुंबई (**72873**), चेन्नई (**49979**), अहमदाबाद (**34509**) एवं कोलकाता (**16560**) का स्थान आता है।

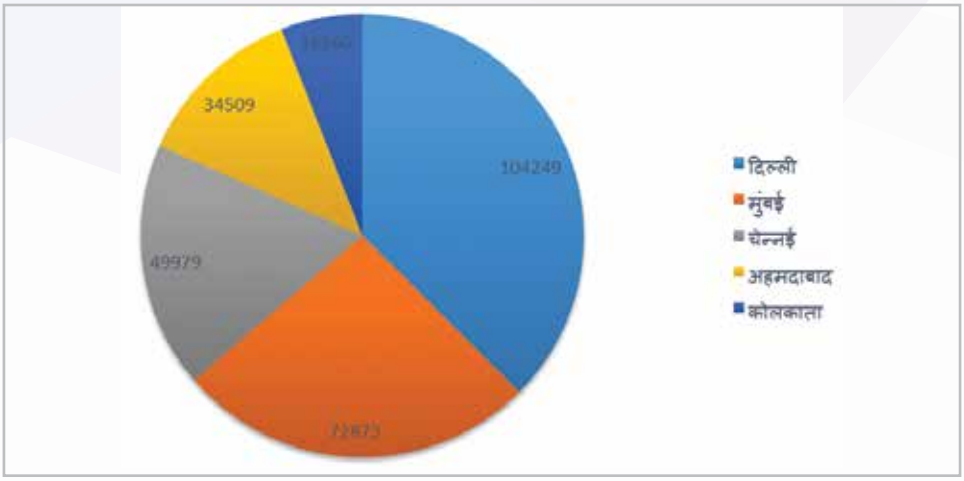

2. व्यापार चिह्न का पंजीकरण एवं अन्य गतिविधियाँ:

वर्ष 2016–17 के दौरान, पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या 250070 रही जबकि पिछले वर्ष के दौरान 65045 चिह्न पंजीकृत किए गए थे। दिनांक 31 मार्च, 2017 तक पंजीकृत व्यापार चिह्न की कुल संख्या 1402434 थी। वर्ष के दौरान अन्य गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

- 56270 पंजीकृत व्यापार चिह्नों का नवीकरण किया गया
- पंजीकृत व्यापार चिह्न (अन्य व्यक्तियों को उनके समनुदेशन सहित) के संदर्भ में पंजीकरण के उपरांत परिवर्तन करने हेतु 19500 अनुरोध प्राप्त हुए व 13094 अनुरोध निष्पादित कर दिए गए।
- कानूनी कार्यवाहियों में उपयोग के लिए अथवा विदेशों में पंजीकरण प्राप्त करने हेतु 8604 प्रमाणपत्र जारी किए गए।
- प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 (1) के तहत 9169 प्रमाण पत्र प्रतिलिप्यधिकार के रूप में कलात्मक कार्य के पंजीकरण हेतु जारी किए गए।

रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न पंजीकरण के लिए विगत वर्ष के 117408 विज्ञापनों की तुलना में इस वर्ष के दौरान 333673 आवेदन व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित किए। पिछले पाँच वर्षों में व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशित व्यापार चिह्न की प्रवृत्ति **परिशिष्ट II** में दिखाई गई है।

रजिस्ट्री ने अधिनियम और नियम के अधीन विधिक कार्यवाहियाँ भी संचालित की जिनमें मुख्यतरू विरोध और परिशोधन की कार्यवाहियाँ थी। वर्ष 2016–17 के दौरान विरोध की सूचना और रजिस्टर के परिशोधन हेतु 33882 आवेदन दाखिल किए गए और ऐसे 23902 मामलों का पूर्णतया निष्पादन कर दिया गया। ऐसे दाखिल और निष्पादित मामलों का विवरण **परिशिष्ट** III में दिया गया है।

3. पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण :

निम्न प्रदत्त सारणी वर्ष 2016–17 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण प्रस्तुत करती है। यह देखा गया है कि वर्ग–5 के अंतर्गत 30654 व्यापार चिह्न पंजीकृत थे जो कुल पंजीकरण का 12.26% है, जिसके बाद वर्ग–35 आता है जो 9.02% है। हालाँकि, विविध वर्गों में 10494 व्यापार चिह्न पंजीकृत हुए थे जो कुल पंजीकृत चिह्न का लगभग 4.2% है।

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण

वर्ग	वस्तुएं	पंजीकृत व्यापार चिह्न	कुल पंजीकरण का %
1.	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान–कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	4023	1.61
2	पेंट और वार्निश	1692	0.68
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	8163	3.26
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयॉ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	1561	0.62
5	भेषजीय, पशु चिकित्सीय और आरोग्यकारक पदार्थ आदि	30654	12.26
6	अन–रॉट और अंशतः रॉट सामान्य धातु एवं उनके मिश्र धातु आदि	3588	1.43
7.	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	5636	2.25
8.	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	1322	0.53
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	13173	5.27
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और पशुचिकित्सा उपकरण और यंत्र आदि	3090	1.24
11	प्रकाशन साधित्र, तापक आदि	6010	2.40

12	वाहन और उनके पूर्जे, यंत्र, भूमि पर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	3680	1.47
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	430	0.17
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनका मिश्र धातु आदि	3248	1.30
15.	संगीत के यंत्र (बोलने वाली मशीन और वायरलेस उपकरण के अतिरिक्त)	513	0.21
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	7846	3.14
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	2440	0.98
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े से बनी वस्तुएं आदि	2952	1.18
19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	4247	1.70
20	फर्नीचर, आईने आदि	2872	1.15
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	2878	1.15
22	रस्सी, सुतली आदि	710	0.28
23	सूत और धागे	757	0.30
24	टिशू (खंडित वस्तुएं) आदि	3680	1.47
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	13999	5.60
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	993	0.40
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	781	0.31
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	1937	0.77
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	5136	2.05
30	कॉफी, चाय, कोको आदि	10453	4.18
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में अंतर्गत नहीं है	4315	1.73
32	बीयर, एले और पोर्ट, खनिज और वाति जल और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	3970	1.59
33	वाइन, स्प्रिट और मद्य पेय	1819	0.73
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	1971	0.79
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	22557	9.02
36	बीमा वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	5499	2.20
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	5148	2.06
38	दूरसंचार	3784	1.51
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	3316	1.33

40	सामग्री का बहिस्त्राव	1446	0.58
41	शिक्षा, प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीड़ा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	13677	5.47
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाओं तथा उससे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	9025	3.61
43	खाद्य और पेय हेतु सेवाएं: अस्थायी निवास	7034	2.81
44	चिकित्सा सेवाएं य पशुचिकित्सा सेवाएंय मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभालय कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	4474	1.79
45	विधिक सेवाएंय सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएंय व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	3077	1.23
	बहुवर्ग आवेदनों के संबंध मे पंजीकरण	10494	4.20
	कुल	**250070**	

टिप्पणी: बहुवर्ग आवेदन दाखिल करने का प्रावधान है व ऐसे आवेदनों के लिए एकल प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। वर्गानुसार आवेदन संबंधी उपर्युक्त सूचना के लिए बहुवर्ग आवेदनों में प्रत्येक वर्ग को अलग वर्ग माना गया है।

2. राजस्व व व्यय

वर्ष 2016–17 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने रु. 192.37 करोड़ का राजस्व अर्जित किया जबकि गत वर्ष के दौरान यह संख्या 183.16 करोड़ थी। इस वर्ष रु. 22.42 करोड़ का व्यय हुआ जबकि पिछले वर्ष के दौरान रु. 11.02 करोड़ व्यय हुए थे।

परिशिष्ट ।

पिछले 5 वर्षों मे व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
दाखिल	1,94,216	2,00,005	2,10,501	**2,83,060**	**2,78,170**
परीक्षित	2,02,385	2,03,086	1,68,026	**2,67,861**	**5,32,230**
पंजीकृत	44,361	67,796	41,583	**65,045**	**2,50,070**

पिछले 5 वर्षों मे व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति की ग्राफीय प्रस्तुति

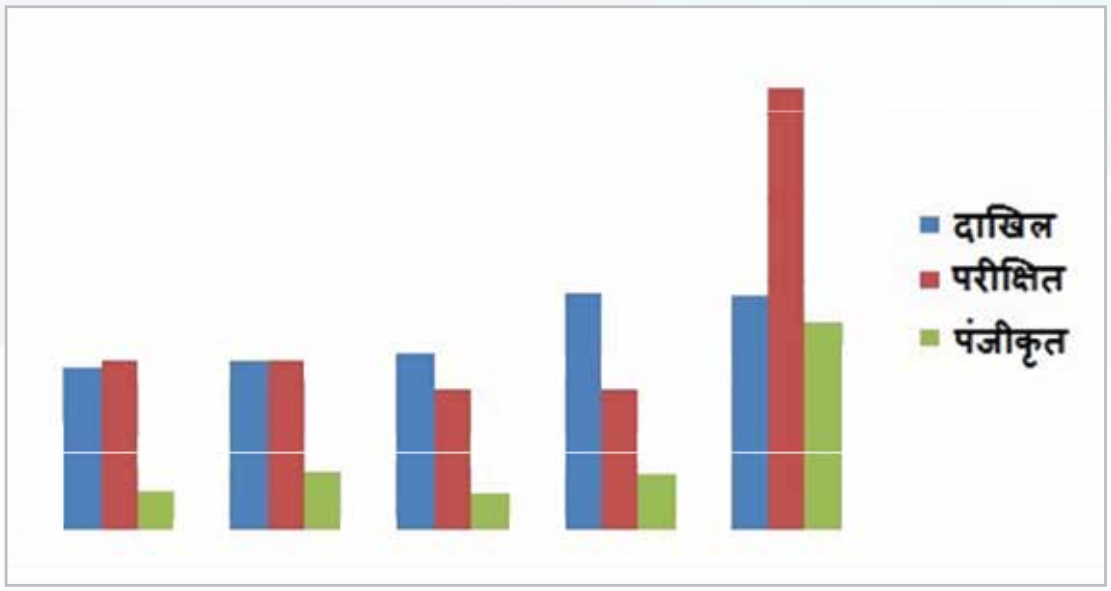

2015-16 की तुलना में व्यापार चिहनों पर कार्यवाहियों में बढ़ोतरी हुई

परिशिष्ट II

पिछले पाँच वर्षों के दौरान प्रकाशित व्यापार चिह्नों की संख्या

क्र. सं.	वर्ष	जर्नल मे प्रकाशित व्यापार चिह्न की संख्या
1	2012–13	74,871
2	2013–14	67,796
3	2014–15	81,959
4	2015–16	1,17,408
5	2016–17	3,33,673

पिछले पाँच वर्षों के दौरान प्रकाशित व्यापार चिह्नों की संख्या की ग्राफीय प्रस्तुति

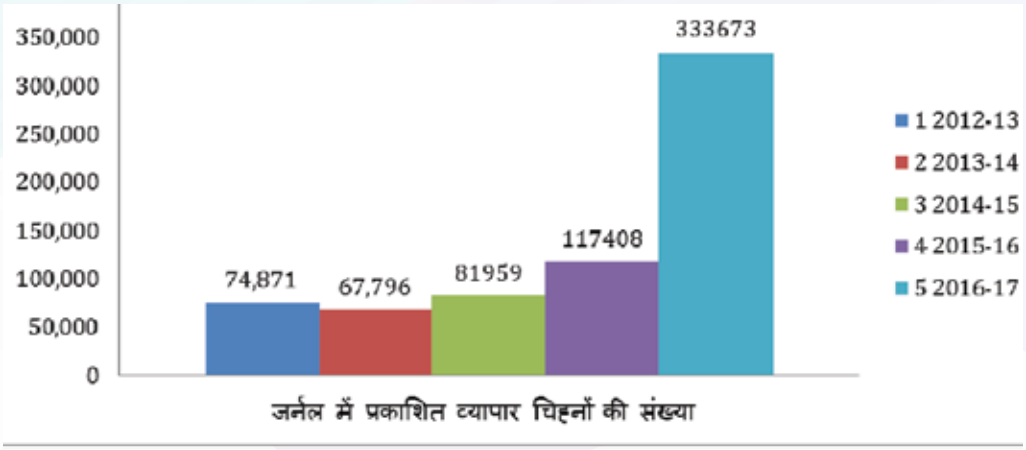

परिशिष्ट III

1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 तक विभिन्न कार्यालयों में दाखिल विरोध/परिशोधन आवेदन और उनके निष्पादन का विवरण

क्रम संख्या	सुनवाई का स्थान	दाखिल विरोध/परिशोधन	निष्पादित मामले
1.	मुंबई	6720	7649
2.	कोलकाता	1692	4002
3.	चेन्नई	5491	1776
4.	अहमदाबाद	3075	2561
5.	दिल्ली	16871	7914
	कुल	**18910**	**23902**

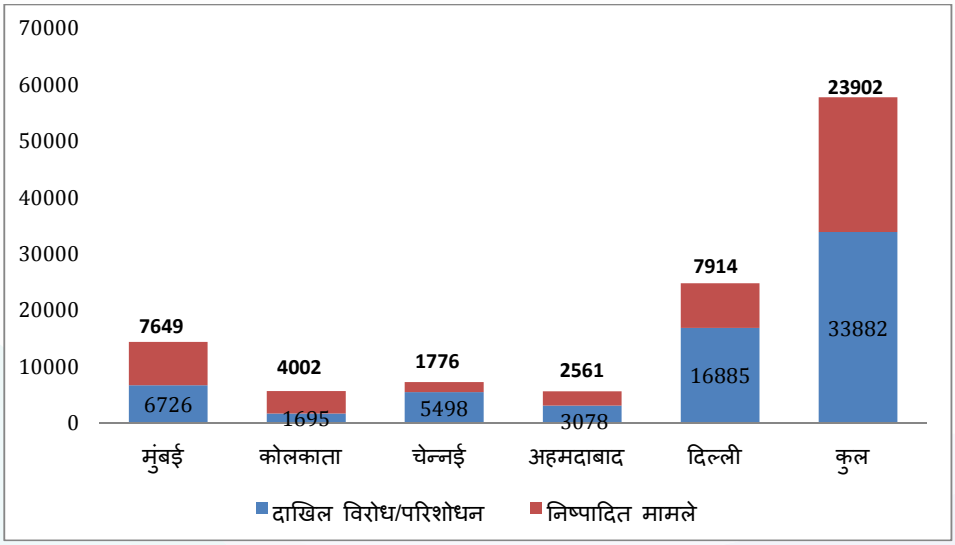

पिछले पाँच वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न

क्रम संख्या	वर्ष	पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या
1	2012–13	44,361
2	2013–14	67,796
3	2014–15	41583
4	2015–16	65045
5	2016–17	250070

पिछले 5 वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की ग्राफीय प्रस्तुति

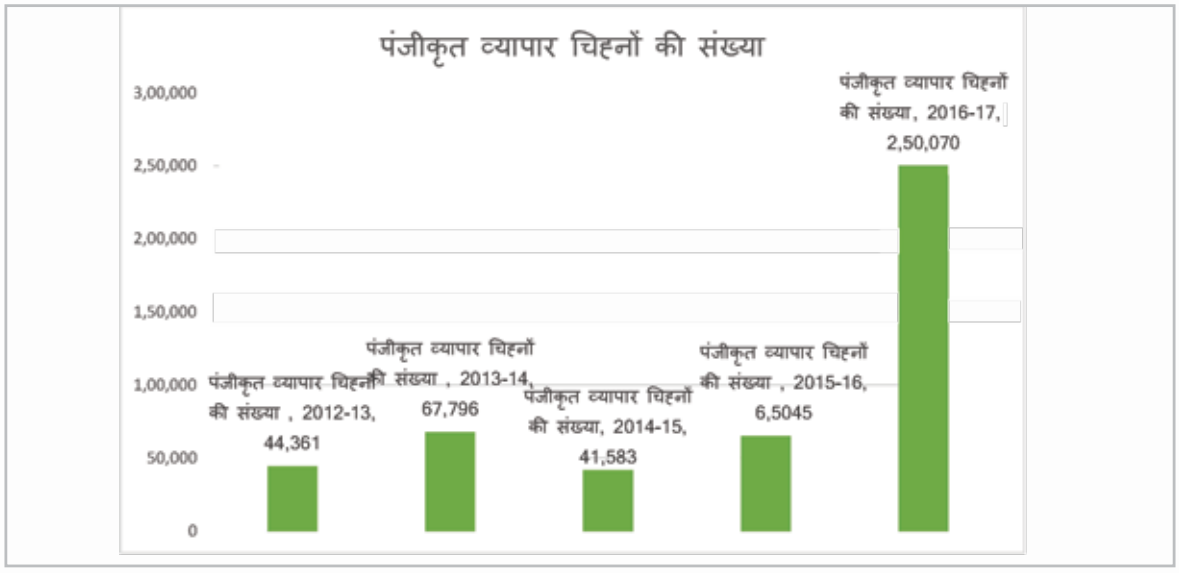

व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण हेतु मैड्रिड प्रणाली के मैड्रिड प्रोटोकॉल से सहमति

मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण से संबंधित प्रावधान 8 जुलाई, 2013 से भारत में लागू हुए हैं।

वर्ष 2016–17 के अंत तक वायपो ने भारत मे व्यापार चिह्न के संरक्षण के लिए 33788 अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरणों को भारतीय कार्यालय को अधिसूचित किया। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ऐसे नामित आवेदनों का परीक्षण भारतीय कार्यालय मे उपर्युक्त पंजीकरण की तारीख को ही दाखिल राष्ट्रीय आवेदन के रूप मे करेगा अथवा भारत मे उनके बाद मे नामित करने की तारीख के रूप मे करेगा यदि अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के समय भारत मे नामित नहीं किया गया हो।

2016–17 के अंत तक, 17157 चिह्न के संबंध मे वायपो को भारत मे तदनुरूपी चिह्न की संरक्षा की औपबंधिक अस्वीकृति की सूचना भारतीय विधान के अनुसार वैसे अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के परीक्षण के बाद दी गयी है तथा तृतीय पक्ष विरोध के आधार पर 113 मामलों मे औपबंधिक अस्वीकृति वायपो को भेजी गयी है। सभी कार्रवाई पूर्ण करने के बाद 4283 चिह्न के लिए संरक्षा अनुदान करने की सूचना दी गयी है।

वर्ष 2016–17 के अंत तक, भारतीय कार्यालय ने मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण हेतु 619 आवेदन प्राप्त किए जिनमे से 523 आवेदनों का सत्यापन कर वायपो को अग्रेषित किया गया। इन आवेदनों मे से 357 आवेदनों का पंजीकरण वायपो के स्टार पर कर दिया गया है।

7. भौगोलिक उपदर्शन

भारत के ताज के रत्न
मेड इन इंडिया

परिचय

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री एक वैधानिक संस्था है जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण और बेहतर संरक्षा प्रदान करना तथा वस्तुओं के भौगोलिक उपदर्शन (पंजीकरण एवं संरक्षा) अधिनियम,1999 का प्रशासन करना है जो 15 सितम्बर, 2003 से प्रवृत्त हुआ। भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय चेन्नई में स्थित है।

रजिस्ट्री कार्यालय ने 15 सितम्बर, 2003 से पंजीकरण हेतु भौगोलिक उपदर्शन आवेदन ग्रहण करना प्रारंभ किया। रजिस्ट्री कार्यालय ने 31 मार्च, 2017 तक कुल 575 भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त किए हैं। रजिस्ट्री कार्यालय ने मई, 2009 से भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन भी प्राप्त करने प्रारंभ किए हैं और 31 मार्च, 2017 तक 3897 भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं।

15 सितम्बर, 2003 से अब तक कुल 294 भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) पंजीकृत किए गए हैं। कुल 1466 भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक कार्यालय ने 32 भौगोलिक उपदर्शन आवेदन व 1548 भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं, 34 भौगोलिक उपदर्शन व 282 भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ताओं का पंजीकरण किया गया है।

रजिस्ट्री कार्यालय भारतीय भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न भागों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। चाय, कॉफी, मसाले, कृषि और बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प, वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएँ, दुग्ध उत्पाद, प्राकृतिक वस्तुएँ, स्पिरिट एवं मद्य के क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया।

31 मार्च, 2017 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदन की स्थिति

दाखिल भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	575
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	302
पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	294

31 मार्च 2017 तक प्राप्त भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों का अवस्थानुसार विवरण

पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन	294
लंबित भौगोलिक उपदर्शन	257
अन्य निष्पादित भौगोलिक उपदर्शन	24
प्राप्त भौगोलिक उपदर्शन की कुल संख्या	575

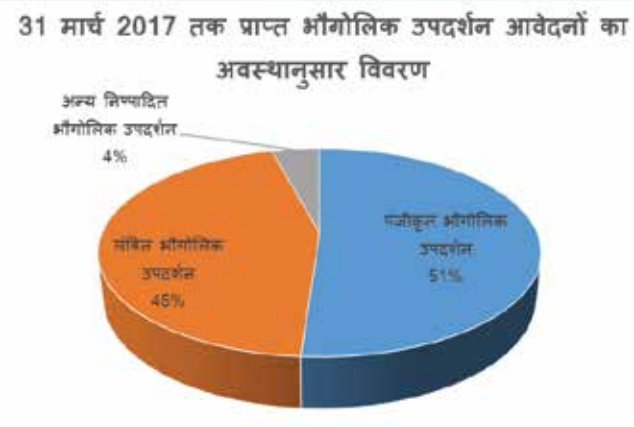

31 मार्च, 2017 तक दाखिल किए गए भौगोलिक उपदर्शन आवेदन का वर्षवार विवरण

वर्ष	आवेदनों की संख्या
2003–04	6
2004–05	29
2005–06	16
2006–07	33
2007–08	37
2008–09	44
2009–10	40
2010–11	27
2011–12	148
2012–13	24
2013–14	75
2014–15	47
2015–16	17
2016–17	**32**

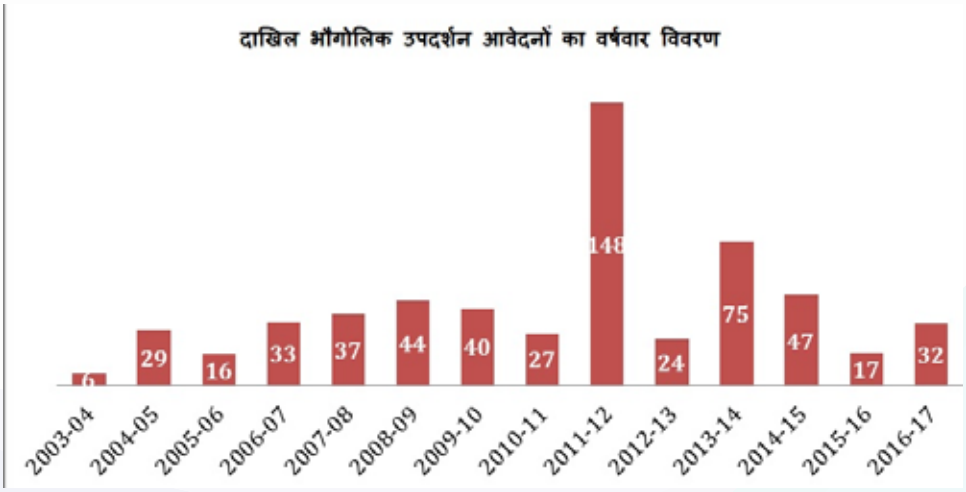

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम, 1999 की धारा 2(च) के अनुसार 31 मार्च, 2017 तक पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन का वस्तुओं के अनुसार विवरण

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुएँ	प्राप्त भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की संख्या	पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की संख्या
हस्तकला (वस्त्र सहित)	270	180
कृषि	116	82
विनिर्मित	153	19
खाद्य पदार्थ	29	12
प्रकृत	7	1
कुल	**575**	**294**

31 मार्च, 2017 तक राज्यवार पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन

राज्य	भौ. उ. की संख्या
आंध्र प्रदेश	14
अरुणाचल प्रदेश	1
असम	6
बिहार	8
छतीसगढ़	5
गोवा	1
गुजरात	13
हिमाचल प्रदेश	6
भारत (बासमती)	1
जम्मू व कश्मीर	7
कर्नाटक	39
केरल	26
मध्य प्रदेश	9
महाराष्ट्र	30
मणिपुर	4
मेघालय	2
मिजोरम	1
नागालैंड	2
उड़ीसा	15
पाण्डिचेरी	2
पंजाब	1

राजस्थान	13
सिक्किम	1
तमिलनाडु	27
तेलंगाना	11
त्रिपुरा	1
उत्तर प्रदेश	23
उत्तराखंड	01
पश्चिम बंगाल	12
विदेश	12

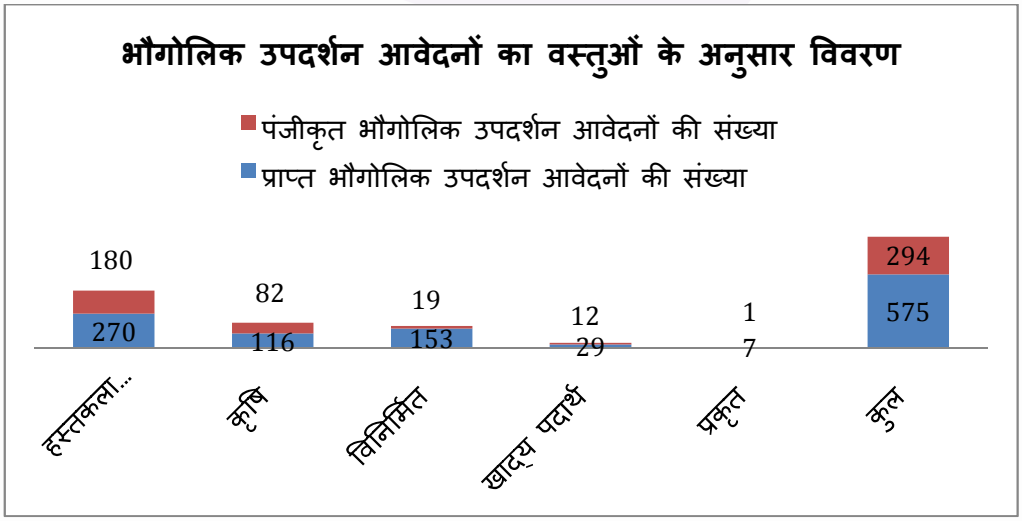

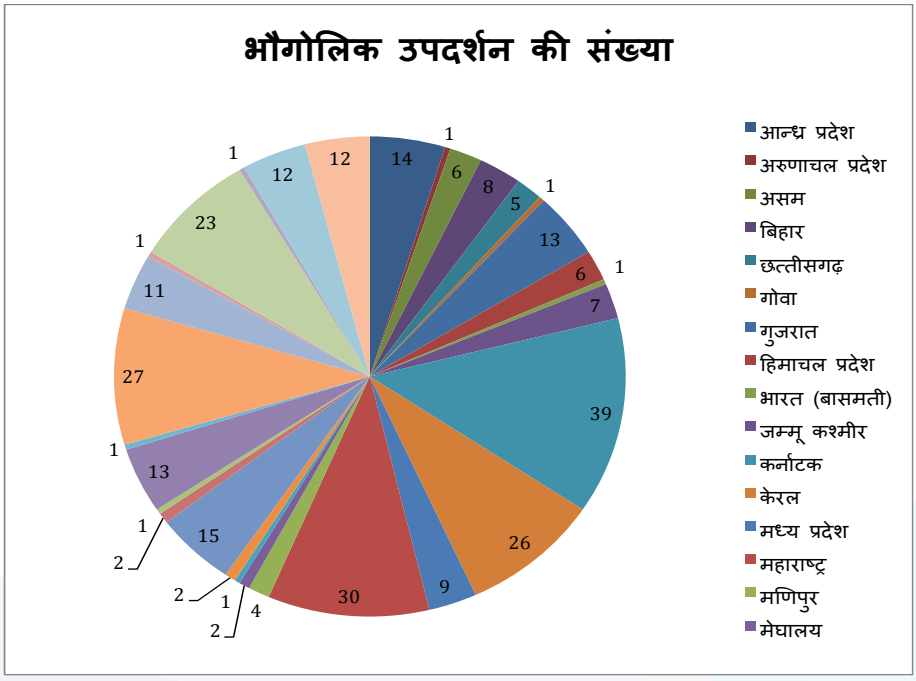

31 मार्च, 2017 तक दाखिल भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वर्षवार विवरण

वर्ष	आवेदनों की संख्या
2009–10	101
2010–11	124
2011–12	145
2012–13	1070
2013–14	471
2014–15	262
2015–16	176
2016–17	1548

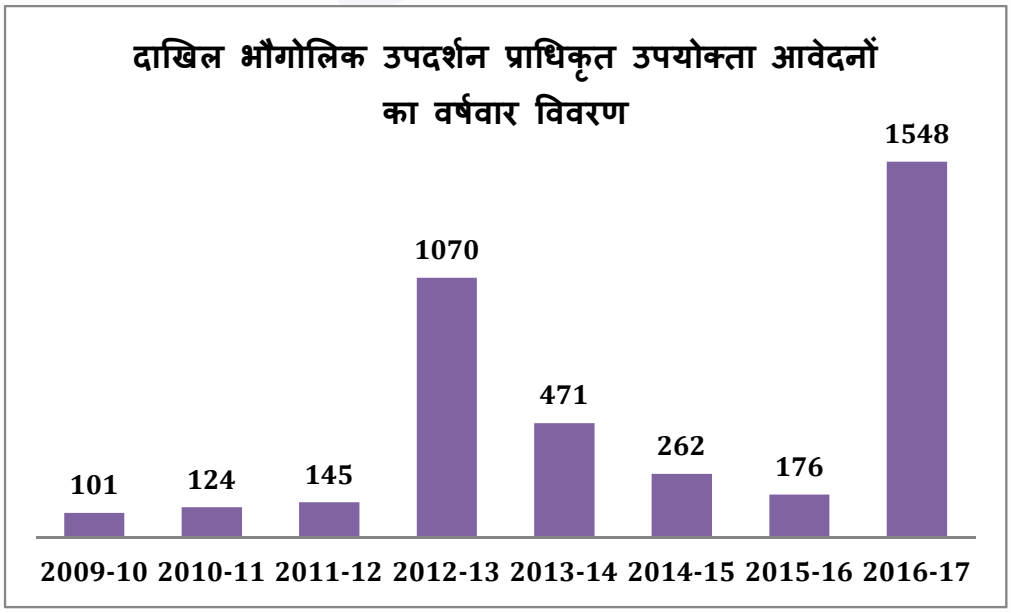

भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन की स्थिति

भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या पंजीकृत	1466
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या परीक्षित	1012
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या पूर्व–परीक्षित	930
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या विज्ञापित	488
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या विरोध	1
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की कुल संख्या	**3897**

31 मार्च, 2017 तक भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन की वस्तुओं के अनुसार विवरण

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुएँ	प्राप्त भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की संख्या
हस्तकला (वस्त्र सहित)	2554	1374
कृषि	1271	25
विनिर्मित	56	56
खाद्य पदार्थ	16	11
प्रकृत	0	0
कुल	**3897**	**1466**

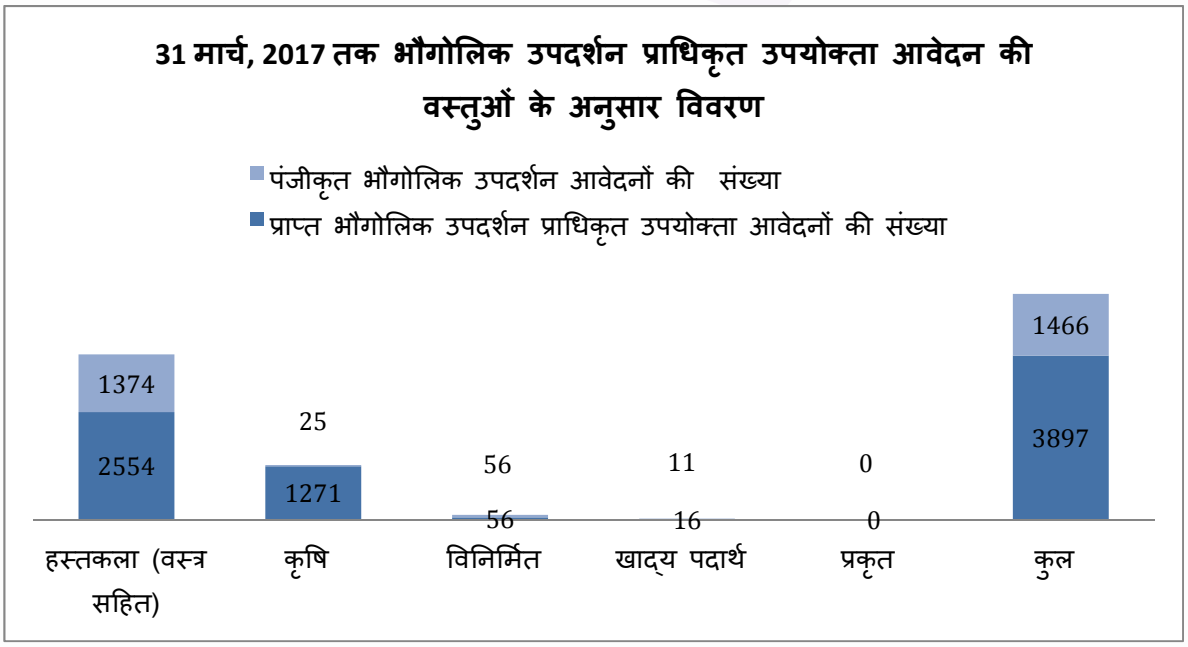

8. अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन

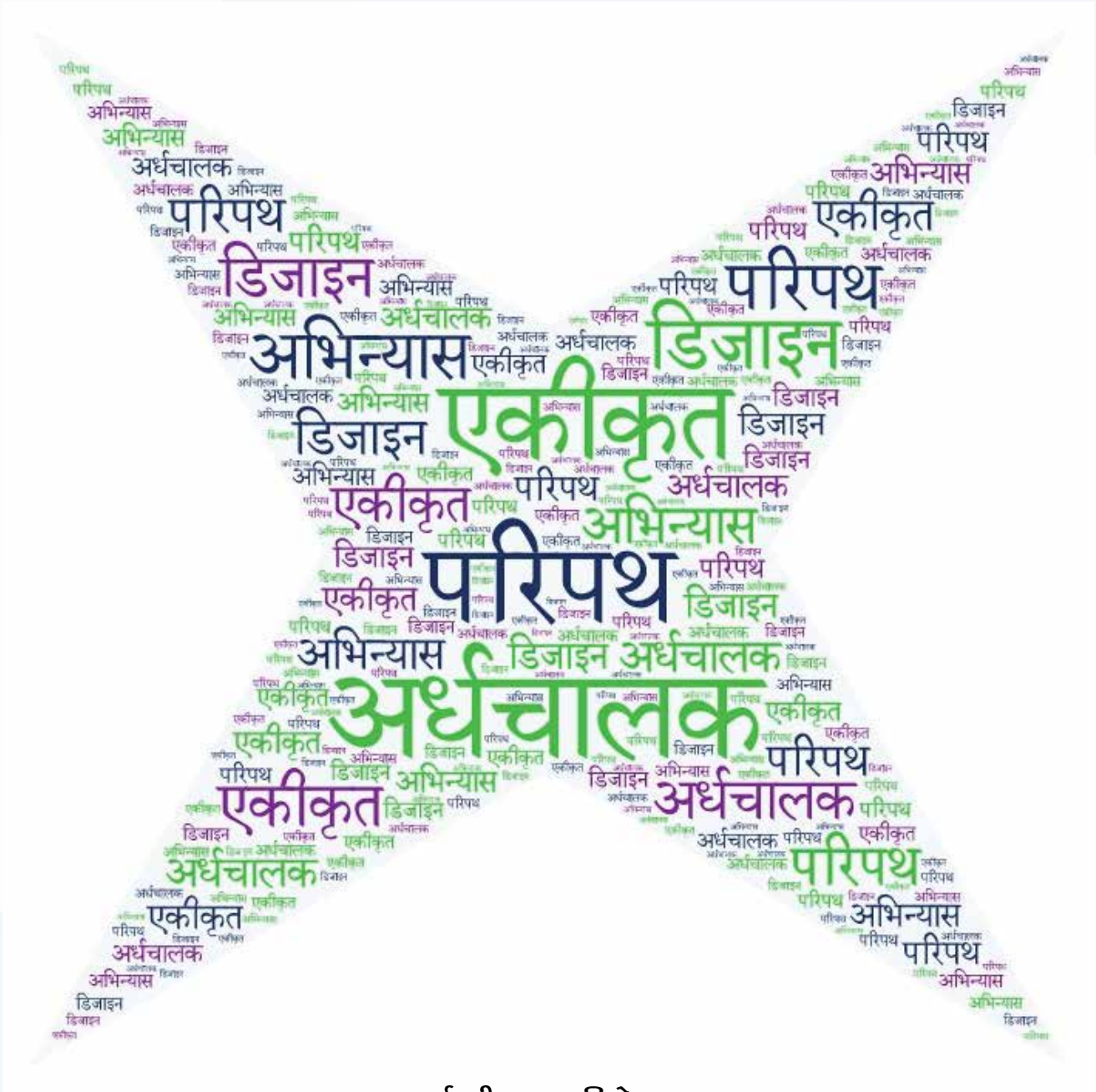

वर्ष की मुख्य विशेषता

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग में स्थानांतरण

परिचय

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 अर्धचालक एकीकृत परिपथ (आईसी) डिजाइनों को संरक्षण प्रदान करता है। अर्धचालक एकीकृत परिपथ अर्धचालकों, धातुओं, डाईइलेक्ट्रिक (इंसुलेटर) व अन्य सामाग्री की कई परतों को मिलाकर सब–स्ट्रेट पर फेब्रीकेट किए जाते हैं।

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम के तहत पंजीकृत स्वामियों को अभिन्यास डिजाइन का उपयोग करने का स्वाभाविक अधिकार, उसका वाणिज्यिक दोहन करने व किसी उल्लंघन के संबंध मे राहत प्राप्त करने के अधिकार दिये गए हैं। अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम व नियमों का विवरण sicldr.gov.in वेबसाइट मे अपलोड किया गया है।

हाल ही मे, भारत सरकार के दिनांक 17 मार्च, 2016 जारी अधिसूचना के माध्यम से अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 व अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) मे स्थानांतरित किया गया। अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री अब पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली से कार्य कर रही है।

वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान उपलब्धियां

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री मे की गयी विभिन्न गतिविधियों की व्यापक उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:–

प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी–डैक) ने 2015 मे अभिन्यास डिजाइन पंजीकरण के आवेदन की ई–फाइलिंग की सुविधा व विभिन्न कार्यकलापों के कंप्यूटिकरण द्वारा एसआईसीएलडीआर का दक्षतापूर्ण प्रचालन हेतु शुरू की गयी इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निधिक परियोजना "एसआईसीएलडीआर के आईटी समर्थ प्रचालन, रख–रखाव और जागरूकता पर प्रायोगिक परियोजना" के अंतर्गत अभिन्यास डिजाइन पंजीकरण आवेदन की ऑनलाइन फाइलिंग एप्लिकेशन विकसित व प्रारंभ की। परियोजना मार्च, 2017 मे पूर्ण हुई व वेबसाइट का संचालन अब कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न द्वारा किया जाता है।

ई–फाइलिंग एप्लिकेशन मॉड्यूल को पुनर्योजित एसआईसीएलडीआर वेबसाइट में एकीकृत किया गया है व कार्यालय द्वारा नियमित रखरखाव व समय–समय पर अद्यतन किया जा रहा है।

एसआईसीएलडी अधिनियम के तहत, अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री की वेबसाइट पर "अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन जर्नल" शीर्षक के अंतर्गत ई–जर्नल प्रकाशित किया जाता है।

अभी तक 2016–17 मे केवल (एक) 1 अभिन्यास डिजाइन पंजीकृत किया गया है जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का "50–60 गीगाहर्ट्ज उप हार्मोनिक आई क्यू मिक्सर" है।

जनशक्ति संरचना

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम की धारा 3(1) के अनुसार केंद्र सरकार पंजीकार की नियुक्ति करती है।

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री मे निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया है:

क्र. सं.	पदनाम	पदों की संख्या	ग्रेड पे के साथ पूर्व संशोधित वेतनमान
1.	पंजीकार	एक	पीबी4+जीपी रु. 8700
2.	तकनीकी अधिकारी	एक	पीबी2+जीपी रु. 5400
3.	निजी सचिव	एक	पीबी2+जीपी रु. 4600

तथापि, अभी तक रजिस्ट्री में किसी स्थायी जनशक्ति की भर्ती नहीं की गई है।

9. कॉपीराइट

वर्ष की मुख्य विशेषता

कॉपीराइट रजिस्ट्री का मानव संसाधन विकास मंत्रालय से औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग में स्थानांतरण

परिचय

कॉपीराइट, भारत में साहित्य, नाटकीय, संगीत, कलात्मक, चलचित्र या ध्वनि रिकॉर्डिंग कार्यों के रूप में बौद्धिक संपदा है।

कॉपीराइट मुद्दों को कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के तहत प्रशासित किया जाता है, जो डिजिटल युग में उभरती चुनौतियों को पूरा करने के लिए समय–समय पर संशोधित किया गया है।

पहले, कॉपीराइट अधिनियम, 1957 का प्रशासन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग के अंतर्गत था। तथापि, राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति के अनुसार, सम्पूर्ण बौद्धिक सम्पदा प्रशासन को एक छत के अधीन समेकित करने के उद्देश्य से, कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के प्रशासन को कैबिनेट सचिवालय की अधिसूचना एस.ओ. 1163 (ई) दिनांक 17.03.2016 के माध्यम से वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) मे स्थानांतरित कर दिया गया है। नियमित रजिस्ट्रार की नियुक्ति तक महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न को कॉपीराइट के प्रभारी रजिस्ट्रार के रूप में अधिसूचित किया गया है।

कॉपीराइट कार्यालय की कार्यप्रणाली:

जैसा कि कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 13 के तहत प्रावधान किए गए हैं, कॉपीराइट निम्नलिखित वर्ग अथवा कार्यों से निर्वाह करता है:

(क) मूल साहित्यिक, नाटकीय, संगीत व कलात्मक कार्य;

(ख) चलचित्र की फिल्में; और

(ग) ध्वनि रिकॉर्डिंग

कॉपीराइट कार्यालय की स्थापना 1958 मे की गई थी व इसके पास कॉपीराइट से संबन्धित मामलों को निपटाने के लिए अर्ध न्यायिक शक्तियाँ हैं। कॉपीराइट कार्यालय का मुख्य कार्य परीक्षण करना व कॉपीराइट के रजिस्टर मे प्रविष्टि करना है। कॉपीराइट कार्यालय द्वारा कॉपीराइट के रजिस्टर का रख–रखाव किया जाता है जिससे आम जनता को कॉपीराइट के कार्य के बारे मे जानकारी प्रदान की जाती है। पंजीकरण के अलावा, रजिस्टर का निरीक्षण करने और उससे सार लेने जैसी सुविधाएं भी कॉपीराइट कार्यालय मे उपलब्ध हैं।

कॉपीराइट कार्यालय कॉपीराइट नियम, 2013 के नियम 70 के अनुसार कॉपीराइट रजिस्टर मे दर्ज कॉपीराइट के ब्यौरों मे परिवर्तनों को भी दर्ज करता है।

आवेदन पत्र, शुल्क संरचना, कॉपीराइट नियम, 2013 के संबन्धित उद्धरण सहित पंजीकरण प्रक्रिया का विवरण कॉपीराइट की वेबसाइट अर्थात www.http//:copyright.gov.in पर उपलब्ध हैं।

कॉपीराइट का स्वामित्व

कॉपीराइट कानून द्वारा प्रदान किए गए अधिकार विशिष्ट हैं यद्यपि ये सीमित अवधि के लिए हैं। कानून यह भी सुनिश्चित करता है कि एक बार इस विशिष्ट अधिकार की अवधि समाप्त होने के उपरांत, आम जनता की कार्य तक सहज पहुँच हो। ऐसे किसी भी कार्य का कार्य के स्वामी प्राधिकृति/अनुमति के बिना उपयोग कानून का उल्लंघन अथवा कॉपीराइट का अतिलंघन हो सकता है। (कॉपीराइट कानून के तहत कुछ सीमाएं व अपवाद प्रदान किए गए हैं)।

कॉपीराइट सोसाइटी

भारत मे पंजीकृत कॉपीराइट सोसाइटी निम्नलिखित हैं:

i. इंडियन सिंगर्स राइट्स असोशिएशन (आईएसआरए) – गायकों के अदाकारी के अधिकार के लिए
ii. इंडियन रेप्रोग्राफिक राइट्स ऑर्गनाइजेशन (आईआरआरओ) – फोटोग्राफी कार्यों के लिए

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / संधि / समझौता

भारत कॉपीराइट व सम्बद्ध (उससे संबन्धित) अधिकारों पर निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का सदस्य है:

i. बर्न कन्वेन्शन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ लिटररी एंड आर्टिस्टिक वर्क्स
ii. यूनिवर्सल कॉपीराइट कन्वेन्शन
iii. कन्वेन्शन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ प्रोड्यूसर्स ऑफ फोनोग्राम्स अगेन्स्ट अनऔथोराइज्ड डुप्लिकेशन ऑफ देअर फोनोग्राम्स (रोम कन्वेन्शन)
iv. मल्टीलेटरल कन्वेन्शन फॉर द अवोइडेंस ऑफ डबल टेक्सेशन ऑफ कॉपीराइट रॉयल्टीज
v. ट्रेड रिलेटिड एस्पेक्ट्स ऑफ इंटलेक्चुयल प्रॉपर्टी राइट्स (ट्रिप्स) समझौता
vi. नेत्रहीन, विजुअली इंपेयर्ड अथवा अन्यथा प्रिंट डिसेबल व्यक्तियों के लिए प्रकाशित कार्यों तक पहुँच सुलभ बनाने हेतु मरक्केश संधि

कॉपीराइट अतिलंघन के खिलाफ उपाय:

कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के अध्याय XII और अध्याय XIII कॉपीराइट अतिलंघन के खिलाफ नागरिक व आपराधिक उपचार प्रदान करते हैं। कॉपीराइट अधिनियम की धारा 54–62 नागरिक उपचार से संबन्धित है व धारा 63–70 के अंतर्गत आपराधिक उपचार प्रदान किए गए हैं।

कॉपीराइट कार्यालय का कार्य परिदृश्य

समय के साथ, कॉपीराइट के बारे में जागरूकता दिन–प्रतिदिन बढ़ रही है और तदनुसार, कॉपीराइट कार्यालय के पंजीकरण कार्य मे भी कई गुना बढ़ोतरी हुई है।

2. कॉपीराइट की प्रवृत्ति

2015–16 में दाखिल 14812 आवेदनों की तुलना में वर्ष 2016–17 के दौरान, कुल 16617 आवेदन प्राप्त किए गए। वर्ष के दौरान, 16584 आवेदन परीक्षित किए गए व परीक्षण के उपरांत, 12988 नए आवेदनों के संबंध में प्रेक्षित विसंगतियों को सुधार के लिए आवेदकों को सूचित किया गया तथा 3596 रजिस्टर ऑफ कॉपीराइट उत्पन्न किए गए

2016–17 का सांख्यिकीय विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

कुल प्राप्त आवेदन	कुल परीक्षित आवेदन	उत्पन्न रजिस्टर ऑफ कॉपीराइट (आरओसी)	नवीन विसंगति पत्र जारी
16617	9440	3596	12988

10. राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) व पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस)

वर्ष की मुख्य विशेषताएं

आईपीओ परीक्षकों के लिए शुरूआती प्रशिक्षण

आईपीओ परीक्षकों के लिए उन्नत प्रशिक्षण

आईपीओ परीक्षकों के लिए न्यायिक प्रशिक्षण

हितधारकों के लिए आईपीआर पर प्रशिक्षण

डब्लूआईपीओ के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों के परीक्षकों को प्रशिक्षण

परिचय

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, शोध और शिक्षण हेतु उच्च कोटि का राष्ट्रीय केन्द्र है। वर्तमान मे, यह संस्थान एकस्व एवं अभिकल्प परीक्षकों, बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारियों, बौद्धिक सम्पदा व्यवसायीयों, देश के बौद्धिक सम्पदा प्रबंधकों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान एवं विकास वैज्ञानिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षण देता है तथा बौद्धिक सम्पदा– उपयोक्ता समुदायों को जागरूकता प्रदान करता है।

उद्देश्य

आरजीएनआईआईपीएम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण प्रदान करना व बौद्धिक सम्पदा अधिकार के बारे मे जागरूकता पैदा करना है। आरजीएनआईआईपीएम ऐसी बौद्धिक संपदा (आईपी) व्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करता है जो वैश्विक मानदंडों के अनुरूप है:

- बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की सभी आंतरिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान और पूरा करना तथा बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करना,
- देश के विभिन्न संगठनों में जागरूकता पैदा करके राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति के उद्देश्य को लागू करना, बौद्धिक सम्पदा व्यवसायीयों, बौद्धिक सम्पदा प्रबंधकों और अनुसंधान एवं शोध वैज्ञानिकों, सरकारी संस्थानों व व्यक्तियों का प्रशिक्षण,
- अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना,
- विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों सहित बौद्धिक सम्पदा प्रणाली के उपयोक्ताओं में सामान्य जागरूकता व समझदारी बढ़ाना,
- उपयोक्ता समुदायों, सरकारी कर्मियों और बौद्धिक सम्पदा अधिकार के सृजन, वाणिज्यिकरण और प्रबंधन में शामिल हितधारकों को आधारभूत शिक्षा प्रदान करना,
- देश में सभी प्रकार के बौद्धिक सम्पदा हितधारकों के लिए स्वयं व प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर बौद्धिक सम्पदा अधिकार के प्रशिक्षण और शिक्षण की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना,

प्रशिक्षण कार्यक्रमः

आरजीएनआईआईपीएम निम्नलिखित के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता हैः

- नवनियुक्त बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की अधिकारी (पेटेंट, व्यापार चिह्न इत्यादि),
- बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या कार्यक्रम,
- बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की अधिकारियों के लिए विधायी प्रशिक्षण,
- बौद्धिक सम्पदा पर अल्पकालिक जन प्रशिक्षण कार्यक्रम,
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रमध बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर संस्थानों/संगठनों के लिए संगोष्ठियाँ
- वायपो व अन्य संगठनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण

2016–17 के दौरान उपलब्धियांः

वर्ष 2016–17 के दौरान आरजीएनआईआईपीएम ने बौद्धिक सम्पदा अधिकार – प्रशिक्षण एवं जागरूकता पर 99 कार्यक्रम आयोजित किए जिनमे 31 कार्यक्रम 1 दिवसीय, 8 कार्यक्रम 2 दिवसीय, 8 कार्यक्रम साप्ताहिक, 4 कार्यक्रम 6 सप्ताह के लिए, 1 कार्यक्रम 2 सप्ताह के लिए, व शिक्षण संस्थानों मे 39 अर्धध्पूर्ण दिवासीय जागरूकता कार्यक्रम व संगोष्ठियाँ शामिल हैं।

वर्ष	प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि					परीक्षकों हेतु			आम जनता के लिए संगोष्ठी/ जागरूकता कार्यक्रम	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	प्रतिभागी	कुल
	1 दिवसीय	2 दिवसीय	3 दिवसीय	एक सप्ताह	दो सप्ताह	छः सप्ताह	90 दिन	30 दिन				
2012–13	––	3	––	––	––	––	2	––	7	––	955	12
2013–14	––	10	––	2	––	––	––	2	––	––	292	14
2014–15	––	6	4	2	––	––	––	––	6	––	941	18
2015–16	7	12	7	5	––	––	––	––	22	––	1179	53
2016–17	31	8	––	8	1	4	––	––	42(339)	5	7036	99
कुल	38	39	11	17	1	4	2	2	77	5	10403	196

राजस्वः 2016–17 के दौरान जन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से रु. 27,85,663/– का राजस्व अर्जित किया गया।

2012–13 से 2016–17 तक आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रमों का विवरण

2016–17 के दौरान, आरजीएनआईआईपीएम ने राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति के अनुपालन मे बहुत सारे प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

2016–17 के दौरान आयोजित किए गए कार्यक्रमों की विशिष्ट विशेषताएँ

1, विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवनियुक्त परीक्षक एकस्व एवं अभिकल्प के लिए छः सप्ताह की अवधि वाले 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें कुल 458 परीक्षार्थी को 4 चरण में प्रशिक्षण दिया गया। 6–सप्ताह की अवधि के सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम सर्वांगीण संपूर्ण थे।

परीक्षकों के प्रथम बैच जिसमे 292 नवनियुक्त परीक्षक थे उनके लिए 11 अप्रैल से 20 मई, 2016 की अवधि के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री रमेश अभिषेक, सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग द्वारा किया गया। श्री ओ.पी.गुप्ता, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न तथा श्री एन.एन.प्रसाद, एडीजी, वायपो, मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित थे।

परीक्षकों के प्रथम बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम व श्री रमेश अभिषेक, सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग का अभिभाषण।

परीक्षकों का दूसरा बैच

18 जुलाई से 27 अगस्त 2016 के दौरान कुल 109 परीक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

आरजीएनआईआईपीएम मे परीक्षकों के दूसरे बैच के लिए श्री सतपुते, निदेशक, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग का अभिभाषण।

परीक्षकों का तीसरा बैच

9 जनवरी से 28 फरवरी 2017 की अवधि के दौरान कुल 41 परीक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

परीक्षकों के तीसरे बैच के लिए श्री ओ.पी.गुप्ता, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न का अभिभाषण

परीक्षकों का चौथा बैच

20 मार्च से 28 अप्रैल 2017 की अवधि के दौरान कुल 16 परीक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

सभी परीक्षकों के लिए विधायी प्रशिक्षण

विदेशी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण सत्र

2, आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर मे आयोजित जन प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम

क) 26 अप्रैल, 2016 को बौद्धिक सम्पदा दिवस (आईपी डे): 26 अप्रैल, 2016 को आरजीएनआईआईपीएम ने वर्ल्ड आईपी डे मनाया व "डिजिटल क्रिएटिविटीरूकल्चर रीइमेजिंड" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया, जहां संकाय सदस्यों ने विश्व भर मे उत्पादित रचनात्मक कार्यों के महत्त्व के बारे मे बताया।

ख) महाराष्ट्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों मे 1 दिवसीय कार्यक्रम – आरयूएसए के सहयोग से, संकाय सदस्यों के लिए महाराष्ट्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुल 13 कार्यक्रम आयोजित किए गए ताकि उन्हें ''भारतीय पेटेंट फाइलिंग प्रक्रिया'' विषय पर पेटेंट दाखिल करने व इसके अन्य पहलुओं के बारे में जागरूक किया जा सके।

ग) संकाय के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम– आरयूएसए के सहयोग से आरजीएनआईआईपीएम संस्थान मे "भारतीय पेटेंट प्रक्रिया, पेटेंट खोज क्रिया, पेटेंट विनिर्देश का प्रारूपण, अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया" विषय पर (3) कार्यक्रम आयोजित किए गए।

घ) **हिन्दी पखवाड़ाः** हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया जिसमें सभी अधिकारियों ने उक्त कार्यक्रमों मे बढ़ चढ़ कर भाग लिया जिसमें अधिकारियों को अपने नियमित कार्य मे हिंदी के उपयोग को शामिल करने का निर्देश दिया गया था।

ङ) **बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रमः** वर्ष 2016–17 के दौरान, आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर ने विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों व अन्य मे बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र मे जागरूकता बढ़ाने के लिए 39 जागरूकता कार्यक्रम नागपुर के बाहर व 3 दत्त–शुल्क आंतरिक संगोष्ठियाँ आयोजित कीं।

3. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

वर्ष के दौरान, निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किए गए:

क) पेटेंट खोज व परीक्षण पर एशियाई प्रशांत देशों के लिए 1-सप्ताह (17-21 अक्तूबर, 2016) का वायपो-भारत प्रशिक्षण कार्यक्रम

17–21 अक्तूबर, 2016 के दौरान पेटेंट खोज व परीक्षण पर एशिया प्रशांत देशों के लिए वायपो द्वारा आरजीएनआईआईपीएम के सहयोग से एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे वायपो के संसाधन व्यक्ति अर्थात मिस्टर शिमंगा कोंगोलो व मिस्टर मैथ्यु रेने अतिथि संकाय थे व बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के विशेषज्ञों व नामी बौद्धिक सम्पदा न्यायवादियों ने सत्र मे भाग लिया।

(ख) व्यापार चिह्न पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

5 नवंबर 2016 व 27 फरवरी 2017 को, यूरोपीय संघ (ईयूआईपीओ) के सहयोग से आरजीएनआईआईपीएम मे व्यापार चिह्न पर एक दिन का विशेष सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमे पूर्ण आधार पर विशेष जोर देते हुए अपरंपरागत व्यापार चिह्नों पर

प्रायोगिक उदाहरण व अभ्यास कराया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, व्यापार चिह्न व भौगोलिक उपदर्शन व अंतर्राष्ट्रीय व्यापार चिह्न पंजीकरण प्रणाली के साथ साथ लाभ, व्यापार रणनीतियों के लिए महत्व पर चर्चा की गयी।

(ग) एक सप्ताह (20-24 फरवरी 2017) ब्रिक्स परीक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस वर्ष ब्रिक्स परीक्षक प्रशिक्षण भेषज/रसायन के क्षेत्र में किया गया। खोज और परीक्षण पाठ्यक्रम प्रशिक्षण के अलावा भारतीय बौद्धिक सम्पदा विधान पर आम चर्चा भी हुई। प्रत्येक देश के प्रतिनिधियों ने उनके पेटेंट विधान पर जोर देते हुए प्रस्तुति दी। ब्रिक्स देशों के विधानों मे समानताएं जानने के लिए भी चर्चा हुई।

(घ) 22 व 23 फरवरी, 2017 को ब्रिक्स समन्वय समूह की बैठक

ब्रिक्स परीक्षक प्रशिक्षण अवधि के दौरान, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली ब्रिक्स–एचआईपीओ की बैठक की कार्यसूची को अंतिम रूप देने के लिए ब्रिक्स समन्वय समूह की बैठक भी आयोजित की गई। श्री एस.कुंडु, उप नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प ने ब्रिक्स फोकल पॉइंट के रूप मे कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न, भारत का प्रतिनिधित्व किया।

ङ) पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) प्रणाली पर 2-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

वर्ष के दौरान औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) व जापान पेटेंट कार्यालय (जेपीओ) के सहयोग से वायपो ने दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। पेटेंट सहयोग संधि का अवलोकन व अंतर्राष्ट्रीय शोध प्राधिकरण की भूमिका पर मामलों के अध्ययन व अन्य बौद्धिक संपदा अधिकारियों की खोज व परीक्षण परिणामों तक पहुंच पर चर्चा की गयी।

पेटेंट सूचना पद्धति

भारत सरकार ने 1980 में नागपुर में पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) कार्यालय की स्थापना विश्व स्तर पर पेटेंट विनिर्देशों और पेटेंट से संबंधित साहित्य का विशद् संकलन प्राप्त करने और रखने ताकि अनुसंधान एवं शोध संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, उद्योगों, व्यवसायी उद्यमों, आविष्कारकों और भारत के अन्य उपयोक्ताओं की प्रौद्योगिकीय सूचना की आवश्यकता को पूरा करने व अन्वेषण सेवाओं द्वारा पेटेंट मे निहित प्रौद्योगिकी सूचना उपलब्ध कराने तथा पेटेंट विनिर्देशों की प्रति आपूर्ति के उद्देश्य से की।

पेटेंट सूचना पद्धति की सेवाएँ

पेटेंट सूचना पद्धति द्वारा प्रदत्त सेवाओं की सूची है निम्नवत है:

आधुनिकीकृत सेवा

आधुनिकीकृत सेवा का विहंगावलोकन प्रदान करता है।

अन्वेषित पेटेंट दस्तावेज के सार तथा संदर्भगत आँकड़े प्रदान करता है।

संदर्भगत अन्वेषण

अन्वेषित पेटेंट दस्तावेज के संदर्भगत आँकड़े उपलब्ध कराता है।

आविष्कारक का नाम, आवेदक का नाम, वर्गीकरण संकेत सहित एक या अधिक उपयुक्त खोज शब्दावली का प्रयोग करता है।

सहायक अन्वेषण

उपयोक्ताओं को अन्वेषण संचालित करने के लिए डाटाबेस का उपयोग करने की अनुमति होती है। अन्वेषण करने में सामान्य सहायता उपलब्ध करायी जाती है।

पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा (पीआईएस)

पेटेंट सूचना पद्धति उन पेटेंट दस्तावेज की छाया प्रति उपलब्ध कराती है जो पीआईएस मे उपलब्ध हैं।

11. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने द्विपक्षीय स्तर के साथ–साथ बहुपक्षीय स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस प्रकार के सहयोग से विश्व के विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की कार्य प्रणाली की बेहतर समझ प्राप्त होती है। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न वायपो व अन्य अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर आयोजित चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय मामलों से संबंधित मामलों से निपटने वाले प्रभाग का पुनर्योजन किया गया। कुशल समन्वय के लिए, श्अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रभागश को वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प के नेतृत्व में रखा गया जो महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न को रिपोर्ट करता है।

1. यूरोपीय पेटेंट कार्यालय के साथ सहयोग

विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस 2016 के अवसर पर, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न व यूरोपीय पेटेंट कार्यालय (ईपीओ) के प्रतिनिधियों के बीच द्विपक्षीय सहयोग गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए बैठक हुई। दोनों पक्ष अगली द्विपक्षीय कार्य योजना पर कार्य करने के लिए सहमत हुए क्योंकि वर्तमान कार्य योजना सितंबर 2016 में खत्म होने वाली थी। ईपीओ के अनुरोध पर, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने जुलाई 2016 में म्यूनिख (जर्मनी) में ईपीओ व ईयूआईपीओ द्वारा आयोजित आईपी कार्यकारी सप्ताह में भी भाग लिया। ईपीओ ने अगस्त 2016 में आरजीएनआईआईपीएम नागपुर में कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न मे नवनियुक्त परीक्षक एकस्व एवं अभिकल्प के प्रशिक्षण हेतु अपने विशेषज्ञों को भेजा। अक्टूबर 2016 में, वायपो सामान्य सभाओं 2016 के दौरान, मिस्टर राएमड लट्ज, वाइस प्रेजीडेन्ट, विधि/अंतर्राष्ट्रीय मामले के नेतृत्व मे ईपीओ प्रतिनिधिमंडल के साथ महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के साथ द्विपक्षीय बैठक का आयोजन किया गया।

2. जापान पेटेंट कार्यालय के साथ सहयोग

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न व जापान पेटेंट कार्यालय (जेपीओ) के बीच मौजूदा कार्य–योजना के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। अप्रैल–मई 2016 मे, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न मे नवनियुक्त पेटेंट परीक्षकों के प्रथम बैच के प्रशिक्षण हेतु जेपीओ ने विशेषज्ञ भेजे। अगस्त 2016 मे भी, जेपीओ ने नवनियुक्त पेटेंट परीक्षकों के दूसरे बैच के प्रशिक्षण हेतु विशेषज्ञ भेजे। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न व जेपीओ के बीच अगले द्विवार्षिक के लिए मसौदा कार्य योजना पर चर्चा हुई। जेनेवा मे वायपो सामान्य

सभा 2016 के दौरान 3 अक्तूबर 2016 को महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न व जेपीओ कमीशनर के बीच द्विपक्षीय बैठक का आयोजन किया गया।

3. यूकेआईपीओ के साथ सहयोग

7 नवंबर 2016 को, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) व यूनाइटेड किंगडम के बौद्धिक संपदा कार्यालय (यूकेआईपीओ) ने बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग गतिविधियों को स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों देशों में नवाचार, रचनात्मकता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। समझौता ज्ञापन एडम विलियम्स, यूकेआईपीओ मे कार्यकारी निदेशक अंतर्राष्ट्रीय नीति व श्री राजीव अग्रवाल, संयुक्त सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग द्वारा हस्ताक्षरित किया गया तथा नई दिल्ली में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी व माननीय ब्रिटिश प्रधान मंत्री सुश्री थेरेसा मे की उपस्थिति में उसका आदान प्रदान किया गया।

समझौता ज्ञापन व्यापक व लचीला ढांचा स्थापित करता है जिसके माध्यम से दोनों देश सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का आदान–प्रदान कर सकते हैं तथा बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर जागरूकता बढ़ाने व बौद्धिक संपदा अधिकारों के बेहतर संरक्षण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों व तकनीकी विमर्श पर मिलकर काम कर सकते हैं।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने से पहले भी महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न व यूकेआईपीओ आपसी सहयोग में व्यस्त थे। वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मई व अगस्त 2016 मे डिजाइन के अतिलंघन व पेटेंट परीक्षकों के प्रशिक्षण पर चर्चा हुई।

जेनेवा मे वायपो सामान्य सभा 2016 के दौरान अक्तूबर 2016 मे महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न व यूकेआईपीओ के सीईओ के बीच द्विपक्षीय बैठक का आयोजन किया गया। यूकेआईपीओ के प्रतिनिधिमंडल ने 7 से 9 नवंबर 2016 तक बौद्धिक सम्पदा कार्यालय, दिल्ली का दौरा किया व व्यापार चिह्न तथा डिजाइन के विरोध प्रक्रिया के क्षेत्र मे सर्वोत्तम प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई।

4. एसआईपीओ चीन के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

चीन गणराज्य के स्टेट इंटेलेक्चुयल प्रॉपर्टी ऑफिस (एसआईपीओ) के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग की सुश्री जांग जिंग, डेप्युटी डाएरेक्टर जेनरल की अध्यक्षता मे कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न, मुंबई का दौरा किया व उसके बाद पेटेंट कार्यालय, कोलकाता का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, एसआईपीओ प्रतिनिधिमंडल ने डिजाइन आवेदनों की परीक्षण प्रक्रिया के अनुभव व प्रशिक्षण, के साथ भारत मे की गयी बौद्धिक सम्पदा पहलों के संबंध मे नवीनतम विकास जैसे मुद्दों पर विचार विमर्श किया।

5. साउथ सेंटर के साथ सहयोग

साउथ सेंटर जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित विकासशील देशों का एक अंतर्सरकारी संगठन है जो विकासशील देशों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समान हितों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयासों और विशेषज्ञता को जोड़ने में मदद करता है। औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के साथ मौजूदा समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, साउथ सेंटर ने नवनियुक्त परीक्षक एकस्व एवं अभिकल्प हेतु भेषज संबंधी आविष्कारों के पेटेंट आवेदनों के परीक्षण पर एक–दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया व सार्वजनिक स्वास्थ्य पर वैश्विक रणनीति व दवाइयों तक पहुंच पर ध्यान देते हुए अन्य देशों के अनुभवों को साझा किया।

6. ब्रिक्स–बौद्धिक सम्पदा अधिकार सहयोगः

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने ''ब्रिक्स आईपीआर कोऑपरेशन रोडमैप'' के अध्यक्ष कार्यालय के रूप मे कार्य किया। तदनुसार, जेनेवा, स्विट्जरलेंड मे वायपो सामान्य सभा के दौरान महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न की अध्यक्षता में ब्रिक्स एचआईपीओ की सहचर बैठक का आयोजन किया गया जिसमे ब्राजील, चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका के बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के अध्यक्षों ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भाग लिया। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर मे 20 से 24 फरवरी 2017 तक ब्रिक्स परीक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया। भेषज/रसायन को प्रशिक्षण के क्षेत्र के रूप मे चुना गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमे ब्राजील, रूस, चीन व दक्षिण अफ्रीका के 14 प्रतिभागी शामिल हैं।

7. वायपो सामान्य सभा 2016 व द्विपक्षीय सहचर बैठकें

2016–17 के दौरान, श्री ओ.पी.गुप्ता, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न, डॉ. राजेश दीक्षित, उप नियंत्रक व श्री सुभेन्दु कुंडु, उप नियंत्रक ने वायपो सामान्य सभा बैठक, विभिन्न देशों के बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ द्विपक्षीय बैठकों व वायपो सामान्य सभा की सहचर बैठक के रूप मे ब्रिक्स एचआईपीओ की बैठक मे भाग लिया। महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने डायरेक्टर जेनरल, वायपो द्वारा चयनित बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अध्यक्षों के साथ बैठक मे भी भाग लिया।

वायपो सामान्य सभा के समय, द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए विश्व के प्रमुख बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के अध्यक्षों के साथ बैठक की गयी, जिसमे शामिल हैं,

1. जापान पेटेंट कार्यालय,
2. एसआईपीओ–चीन बौद्धिक सम्पदा कार्यालय
3. यूरोपीय पेटेंट कार्यालय
4. यूके– बौद्धिक सम्पदा कार्यालय
5. डेनिश बौद्धिक सम्पदा कार्यालय
6. दक्षिण अफ्रीका का बौद्धिक सम्पदा कार्यालय
7. ईयू – बौद्धिक सम्पदा कार्यालय
8. आईएनपीआई – फ्रांस का बौद्धिक सम्पदा कार्यालय

8. वायपो भारत सहयोग

औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग तथा विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (वायपो) ने 13 नवम्बर 2009 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसका उद्देश्य अधिक सक्रिय, प्रणालीबद्ध

संगठन और संयुक्त गतिविधियॉ चलाने के माध्यम से भारत सरकार और वायपो के बीच समन्वय को सुदृढ़ करना था ताकि भारत में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रौद्योगिकी विकास के लिए बौद्धिक सम्पदा के प्रयोग के लक्ष्य को बढ़ावा मिल सके। इस सहयोग के तहत, वायपो के प्रतिनिधिमंडल ने बौद्धिक सम्पदा कार्यालय का वायपो सीएएसई और वायपो डीएएस में शामिल होने मे समर्थन करने के लिए भारत का दौरा किया। 1 जनवरी 2017 से भारत वायपो सीएएसई के तहत उपलब्ध विभिन्न देशों की खोज व परीक्षण रिपोर्ट से संबंधित जानकारी तक पहुंच के लिए अभिगम कार्यालय के रूप में वायपो सीएएसई में शामिल हो गया है। और, वायपो के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय रिसीविंग ऑफिस के परीक्षकों व कर्मचारियों को समर्थन व प्रशिक्षण प्रदान करने व ईपीसीटी प्रणाली की कार्यक्षमता के लिए भारत का दौरा किया। वायपो ने आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर मे 28–29 नवंबर, 2016 के दौरान पेटेंट परीक्षकों के लिए पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) प्रणाली पर राष्ट्रीय कार्यशाला का भी आयोजन किया।

9. अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकारियों की बैठक में भागीदारी:

भारतीय पेटेंट कार्यालय 2013 मे पीसीटी/एमआईए क्वालिटी सबग्रुप का सदस्य बना, जब कार्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय खोज व प्रारम्भिक परीक्षण प्राधिकारी के रूप मे कार्य करना आरंभ किया। पीसीटी विनियमों के अनुसार, प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकरण को वायपो द्वारा प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकरणों के लिए अंतर्राष्ट्रीय खोज एवं प्रारम्भिक परीक्षण दिशानिर्देश मे दिये गए ढांचे के अनुसार गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली स्थापित करेगा। 8 से 10 फरवरी, 2017 तक रिक्जेविक मे आयोजित गुणवत्ता उपसमूह व अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकारियों की 24 वीं बैठक मे श्रीमती रेखा वी. उप नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प ने भारत के प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया व बैठक मे भाग लिया।

12. पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी)

परिचयः

7 सितंबर, 1998 को, भारत ने जिनेवा में वायपो के साथ दो अंतर्राष्ट्रीय संधियों का अधिमिलन प्रपत्र जमा किया। ये दो संधियां नामतः औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण के लिए पेरिस कन्वेंशन तथा पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) 7 दिसम्बर, 1998 से भारत पर बाध्य हैं।

पीसीटी एक ही भाषा में एक ही अंतर्राष्ट्रीय आवेदन पत्र दाखिल करने का प्रावधान है, जिसका प्रभाव प्रत्येक उस देश पर है जो पीसीटी का सदस्य है और जिसे आवेदक पेटेंट की संरक्षा के लिए अपने आवेदन में निर्दिष्ट करता है। पीसीटी द्वारा प्रस्तावित सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह प्रक्रियाओं को सरल करता है और कई देशों में पेटेंट संरक्षण के लिए लागत कम करता है।

1) प्राप्तकर्ता कार्यालय (रिसीविंग ऑफिस)(आईएन):

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने 1998 मे पीसीटी से जुडने के बाद से प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप मे कार्य करना आरंभ किया है। कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई व मुंबई मे स्थित सभी पेटेंट कार्यालय पीसीटी के तहत अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों के लिए चयनित कार्यालय व प्राप्तकर्ता कार्यालय नामित कार्यालय के रूप मे कार्य कर रहे हैं। पेटेंट ऑफिस कोलकाता वायपो के अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो, अंतर्राष्ट्रीय खोज प्राधिकरणों व अंतर्राष्ट्रीय प्रारम्भिक परीक्षण प्राधिकरण ों के लिए उपयुक्त कार्यालय था। तथापि, 15 अक्तूबर, 2013 से ये कार्य पेटेंट कार्यालय दिल्ली द्वारा किए जा रहे हैं। भारतीय पेटेंट कार्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो को अधिसूचित किया कि वह 15 नवंबर 2014 से अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों को इलेक्ट्रोनिक रूप मे प्राप्त व उन पर कार्यवाही करने के लिए तैयार है। विगत पाँच वर्षों के दौरान आरओ/आईएन व आरओ/आईबी मे दाखिल अंतर्राष्ट्रीय पीसीटी आवेदनों का विवरण निमन्वत हैः

2) आरओ/आईएन व आरओ/आईबी मे दाखिल अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों की प्रवृत्ति

	आरओ/आईएन			आरओ/आईबी		
वर्ष	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी द्वारा दाखिल	कुल	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी द्वारा दाखिल	कुल
2012–13	252	790	1042	244	388	632
2013–14	248	568	816	134	427	561
2014–15	235	566	801	145	469	614
2015–16	234	459	693	226	485	711
2016–17	472	272	744	276	523	799

गत दो वर्षों में भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक मोड से प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय आवेदन

वर्ष	आरओ/आईएन			आरओ/आईबी		
	भौतिक	ईपीसीटी	कुल	भौतिक	ईपीसीटी	कुल
2015–16	385	308	693	17	694	711
2016–17	271	473	744	16	783	799

3) अंतर्राष्ट्रीय खोज व प्रारम्भिक परीक्षण प्राधिकरण (भारत)

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने 15 अक्तूबर 2013 से पीसीटी के तहत अंतर्राष्ट्रीय खोज प्राधिकरण व अंतर्राष्ट्रीय प्रारम्भिक परीक्षण प्राधिकरण के रूप मे कार्य करना आरंभ किया। आईपीओ व्यावसायिक रूप से योग्य व प्रशिक्षित परीक्षक के साथ पूरी तरह से समर्थ है व इसके पास पेटेंट और गैर–पेटेंट साहित्य का व्यापक संग्रह है जो कि पीसीटी न्यूनतम दस्तावेज की मांग को पूरा करता है। आईपीओ ने गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की स्थापना की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गुणवत्ता की अंतर्राष्ट्रीय खोज रिपोर्ट व अंतर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षण रिपोर्ट निर्धारित समय के भीतर जारी की जाए जिससे उपयोगकर्ता भारत आईएसए/आईपीईए में विश्वास पैदा कर सकें।

आईएसए/आईएन मे प्राप्त पीसीटी आवेदनों का विवरण

वर्ष	दाखिल	निपटान	आहरित	लंबित
2013–14	135	18	1	116
2014–15	519	502	4	129
2015–16	711	621	1	218
2016–17	940	983	0	175

क) आरओ/आईएन व आरओ/आईबी से प्राप्त पीसीटी आवेदनों का विवरण

वर्ष	आरओ/आईएन	आरओ/आईबी	कुल
2013–14	94	41	135
2014–15	294	225	519
2015–16	326	385	711
2016–17	392	548	940

ख) अंतर्राष्ट्रीय प्रारम्भिक परीक्षण प्राधिकरण (भारत)

वर्ष	दाखिल	निपटान	आहरित	लंबित
2013–14	0	0	0	0
2014–15	11	0	1	10

2015–16	24	14	1	19
2016–17	30	28	1	20

4. भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पीसीटी अंतर्राष्ट्रीय आवेदन

विगत पाँच वर्षों के दौरान प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय में भारतीय आवेदकों द्वारा पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) के तहत दाखिल अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों की कुल संख्या निम्नवत है इस संख्या में वे अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन शामिल नहीं है जो भारतीय आवेदकों द्वारा सीधे वायपो के अन्तर्राष्ट्रीय ब्यूरो में प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में दाखिल किए गए हैं:

वर्ष	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी	कुल
2012–2013	252	790	1042
2013–2014	248	568	816
2014–2015	235	566	801
2015–2016	234	459	693
2016–2017	**272**	**472**	**744**

अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों की विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पीसीटी अंतर्राष्ट्रीय आवेदन

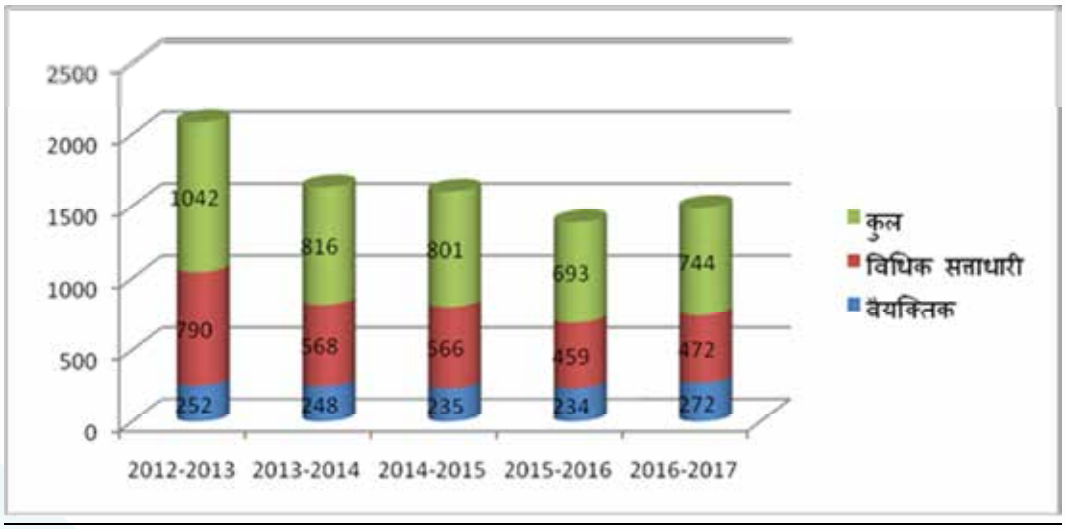

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पीसीटी अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों के सर्वप्रमुख अंशदाता थे – वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, सन फार्मा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित), एमएसएन लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड व हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड।

13. प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा बर्हि-क्रियाकलाप

परिचय

भारत सरकार ने आईपी अधिकारियों के बीच कौशल और विशेषज्ञता विकसित करने और आईपी कार्यालायों की क्षमता निर्माण के अपने मिशन को जारी रखा है, इस प्रकार मानव संसाधन का मजबूत आधार तैयार किया जा रहा है। इसके लिए पेटेंट तथा व्यापार चिह्न परीक्षकों एवं अन्य अधिशासियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी आयोजित किए गए हैं।

विगत वर्षों की ही तरह, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने आम जनता के साथ–साथ शोध व विकास संस्थानों, वैज्ञानिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालय व उद्योग विशेषकर उद्योग संघ जैसे एफआईसीसीआई, सीआईआई, असोचम, पीएचडीसीसीआई, सीडबल्यूईआई इत्यादि के सहयोग से लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के लिए संपर्क कार्यक्रम संचालित करने की दिशा में भी पहल की है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बौद्धिक सम्पदा से संबन्धित महत्वपूर्ण मुद्दों और सरोकारों की विस्तृत समझ बनाने, बौद्धिक सम्पदा अधिकार की सुरक्षा और प्रवर्तन विषयक ज्ञान प्रदान करने और जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ व्यवसायों का सशक्तीकरण करने के लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार का लाभ उठाना था। बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारी, वायपो, विश्वविद्यालयों, टीआईएफएसी, एमएसएमई, एनआरडीसी, एनआईडी, व औद्योगिक संगठनों जैसे फिक्की, सीआईआई, एसोचेम, पीएचडीसीसीआई आदि द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में नियमित भाग लेते रहे हैं।

भारत और विदेश में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बैठकों व प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अधिकारियों की भागीदारी

वर्ष 2016–17 के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने वायपो और विदेशी बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण, सेमिनार और कार्यशालाओं में प्रतिभागिता की। इन अधिकारियों ने जिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया उनके वर्णन निम्नवत हैः

वर्ष 2016–17 के दौरान विदेशी कार्यक्रमों की सूची और उसमें नामित अधिकारियों की संख्या

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम के लिए नामित अधिकारियों की संख्या
1	19–20 अप्रैल, 2016 पेटेंट परीक्षण, गुणवत्ता प्रबंधन पर क्वाला लमपुर मे वायपो की क्षेत्रीय कार्यशाला	1

2	21–22 अप्रैल, 2016 (ईस्ट मीट्स वेस्ट) "भारत में हाल ही के पेटेंट (संशोधन) नियमों का प्रभाव व उभरते बाजारों के समाचार पर" गोलमेज चर्चा	1
3	17–20 मई 2016 तक पेटेंट सहयोग संधि कार्यकारी समूह का 9वां सत्र व तकनीकी सहयोग पर पेटेंट सहयोग संधि समिति का 29वां सत्र	1
4	**13–17** जून, 2016 तक जिनेवा में आयोजित चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण हेतु मैड्रिड प्रणाली के विधिक विकास पर वायपो कार्यकारी समूह का 14वॉ सत्र	1
5	20–22 जून, 2016 तक **मॉस्को, रूस** में ब्रिक्स देशों के बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के प्रमुखों (एचआईपीओ) की छठी बैठक	2
6	27–30 जून, 2016 तक जिनेवा में पेटेंट विधान की स्थायी समिति (एससीपी) **का 24**वॉ सत्र	2
7	27–30 **जून, 2016** तक एलीकेंते, स्पेन मे यूरोपीयन यूनियन बौद्धिक सम्पदा कार्यालय (ईयूआईपीओ)	3
8	11–14 जुलाई, 2016 तक म्यूनिख जर्मनी मे आयोजित यूरोपीयन पेटेंट अकादमी सेमिनार – OS41–2016, बौद्धिक सम्पदा कार्यकारी सप्ताह	2
9	22 से 23 अगस्त तक सिंगापुर मे लघु व मध्यम उद्यमों के बीच बौद्धिक सम्पदा संस्कृति बनाने पर वायपो का क्षेत्रीय सेमिनार	1
10	**2** सितम्बर से 1 नवंबर, 2016 तक टोक्यो, जापान मे आयोजित जेपीओ/आईपीआर जारी पेटेंट परीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम	6
11	1 व 2 सितंबर, 2016 को सियोल, कोरिया गणतन्त्र मे आयोजित पीएएनआईटीईएक्स मे वक्ता	1
12	जिनेवा में 2 से 6 अक्तुबर, 2016 तक असेम्बली बैठक का 56वॉ सत्र	2
13	3 से 11 अक्तूबर, 2016 तक जेनेवा मे मेड्रिड यूनियन असेम्बली	1
14	जिनेवा में 3 से 11 अक्तूबर, 2016 तक पीसीटी यूनियन असेम्बली बैठक	1
15	13–20 अकतूबर, 2016 तक जापान पेटेंट कार्यालय, टोकियो, जापान मे पेटेंट परीक्षण प्रबंधन पर जेपीओ/आईपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2
16	17–19 अक्तूबर, 2016 तक जेनेवा मे लॉ ऑफ ट्रेडमार्क, इंडस्ट्रियल डिजाइन एंड जेओग्राफिकल इंडिकेशंस पर वायपो की स्थायी समिति (एससीटी) का 36वां सत्र	1
17	25–27 अक्तूबर, 2016 तक डायजोन, कोरिया गणतंत्र में आयोजित वायपो की क्षेत्रीय कार्यशाला	2

18	31 अक्तूबर से 4 नवम्बर, 2016 तक जेनेवा में आयोजित बौधिक सम्पदा का विकास की वायपो समिति का 18 वा सत्र –(सीडीआईपी)	1
19	8 से 21 नवंबर, 2016 तक टोक्यो, जापान मे डिजाइन के मूल परीक्षण पर जेपीआ/आईपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2
20	17 से 30 नवंबर, 2016 तक टोक्यो, जापान मे व्यापार चिह्न के मूल परीक्षण पर जेपीओ/आईपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2
21	6–7 दिसंबर, 2016 तक टोक्यो, जापान मे पेटेंट जानकारी के प्रसार और प्रभावी उपयोग पर कार्यशाला पर वायपो का क्षेत्रीय सेमिनार	1
22	**12–15** दिसंबर, 2016 तक जेनेवा मे, वायपो की पेटेंट की स्थायी समिति (एससीपी) का 25वा सत्र– नामांकन	1
23	13–14 दिसंबर, 2016 तक टोक्यो, जापान मे बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के मैड्रिड प्रणाली के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की वायपो क्षेत्रीय बैठक	1
24	16–20 जनवरी, 2017 तक टोक्यो, जापान मे उभरते देशों के बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के आईटी विभाग के कर्मचारियों हेतु वाइपो क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	1
25	राएक्जेविक, आइसलेंड मे 6–10 फरवरी, 2016 तक नोर्डिक पेटेंट इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित पीसीटी व गुणवत्ता उप–समूह के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकारियों की बैठक	1

1. बौद्धिक सम्पदा–जागरूकता कार्यक्रम :

क) जागरूकता कार्यक्रमः

अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और विश्वविद्यालयों में बौद्धिक सम्पदा और आविष्कार प्रबंधन पर जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य को जारी रखते हुए एनआरडीसी ने बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के साथ मिलकर सम्पूर्ण भारत में बौद्धिक सम्पदा–संबन्धित में कार्यक्रम संचालित किए।

41 कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया है और लगभग 5000 प्रतिभागियों (विश्वविद्यालय के विद्यार्थी/व्याख्याता तथा अनुसंधान संगठनों के वैज्ञानिक) ने इन कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभागिता दी और उन्हें बौद्धिक सम्पदा अधिकार की संरक्षा के महत्व से परिचित कराया गया। जिन विश्वविद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित हुए उनकी सूची निम्नवत है:

उद्योग संघ	कार्यक्रम आयोजित			
	विश्वविद्यालय	महाविद्यालय	सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम	कुल
सीआईआई	01	04	04	09
पीएचडी चेम्बर्स	01	04	04	09
सीडबल्यूईआई	01	04	04	09
फिक्की	01	04	04	09
असोचम	शून्य	02	03	05
कुल				**41**

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विश्वविद्यालय/अनुसंधान संगठन के स्तर पर बौद्धिक सम्पदा अधिकार की अधिकाधिक जागरूकता सृजित करने के प्रयासों को सुदृढ़ व समेकित करना था। इन कार्यक्रमों के लक्ष्य विशेषकर विद्यार्थी, अनुसंधानकर्ता, व्याख्याता और प्रोफेसर रहे और इनका उद्देश्य इस चरण में जागरूकता सृजित करने के प्रति योगदान करना था।

ख. विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस समारोहः

(i) राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा सम्मान 2016–2017

विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस के अवसर पर कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न व सीआईआई के साथ मिलकर औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग प्रत्येक वर्ष पेटेंट, व्यापार चिह्न, डिजाइन व भौगोलिक उपदर्शन के क्षेत्र मे राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा (आईपी) पुरस्कार प्रदान करता है। राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) पुरस्कार का उद्देश्य उन व्यक्तियों व उद्यमों को उनकी रचनाओं व आईपी के व्यावसायीकरण के लिए पहचानना व पुरस्कृत करना है, जिन्होने देश की बौद्धिक पूंजी का दोहन करने व ऐसी बौद्धिक सम्पदा पारिस्थितिकी जो सृजनात्मकता व नवाचार को बढ़ावा दे बनाने मे योगदान दिया है।

इस वर्ष, यह कार्यक्रम 26 अप्रैल, 2016 को नई दिल्ली मे आयोजित किया गया। श्रीमती निर्मला सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, जो सम्मान समारोह मे मुख्य अतिथि थी,उन्होने समारोह मे अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी व बौद्धिक सम्पदा पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर, तीन वायपो पुरस्कार जो बौद्धिक सम्पदा मे विशिष्ट सफलताओं के लिए विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डबल्यूआईपीओ) द्वारा वार्षिक आधार पर दिए जाते हैं और जो राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा पुरस्कारों की उपयुक्त श्रेणी से संबन्धित हैं, वे संबन्धित श्रेणी मे विजेताओं को, राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा पुरस्कार 2016 के साथ प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार सम्मेलन

राष्ट्रीय बौद्धिक संपदआ (आईपी) पुरस्कार 2016 के अवसर पर, सीआईआई ने औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) और बौद्धिक संपदा कार्यालय (आईपीओ) के साथ मिलकर ''व्यापार रणनीति के साथ आईपी को संरेखित करने'' पर राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार सम्मेलन का आयोजन किया।

वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमण, श्री रमेश अभिषेक, सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, श्री चंद्रजीत बनर्जी, महानिदेशक, सीआईआई व श्री ओ.पी. गुप्ता, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के साथ पुरस्कार विजेता

ii) फेडरेशन ऑफ इंडियन चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई), भारत सरकार ने 25 अप्रैल, 2016 को नई दिल्ली मे 'इंटेलेक्चुयल प्रॉपर्टीः ए की इनेबलर फॉर स्ट्रेन्थनिंग इंडिया'ज बिजनेस लेंडस्केप' पर सम्मेलन आयोजित किया।श्री रमेश अभिषेक, सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, श्री राजीव अग्रवाल,

संयुक्त सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, श्री ओ पी गुप्ता, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न, भारत सरकार व डॉ. ए दीदार सिंह, फिक्की के महासचिव, प्रमुख गणमान्य व्यक्ति थे जिन्होंने सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन के दौरान **श्री ओ.पी. गुप्ता** ने 'सिक्योरिंग आईपी एज टू बिजनेस ग्रोथ एंड कंपिटेन्स' पर अनुवर्ती सत्र की अध्यक्षता की।

I. **आईपी अवेकः** 17 फरवरी 2017 को एनआई–एमएसएमई, हैदराबाद मे सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर विशेष संगोष्ठी ''भारतीय एमएसएमई को बौद्धिक संपदा का इस्तेमाल करके वैश्विक उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाना''।

14. मानव संसाधन

वर्ष की मुख्य विशेषताएँ

जनशक्ति की वृद्धि

पेटेंट व डिजाइन परीक्षक – 458

व्यापार चिह्न परीक्षक – 100

प्रशासनिक कर्मचारी वर्ग

परिचयः

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अधीक्षण एवं प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत पेटेंट, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, कॉपीराइट रजिस्ट्री, अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री व पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस)/राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) अपनी गतिविधियाँ निष्पादित करते हैं।

भारत सरकार ने 11वीं योजना के दौरान अधिक सक्षम सेवा प्रदान करने के लिए ''बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के आधुनिकीकरण और सशक्तिकरण'' योजना के तहत 414 पदों की संस्तुति प्रदान की। इनमें 200 पेटेंट परीक्षकों के पद तथा 37 व्यापार चिह्न परीक्षकों के पद शामिल हैं।

वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग ने 12वीं योजना के दौरान ''बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के आधुनिकीकरण और सशक्तिकरण'' योजना के तहत सीजीपीडीटीएम कार्यालय में दो वर्ष की अवधि के लिए 481 पदों (पेटेंट कार्यालय के लिए 373 और व्यापार चिह्न के लिए 108) की संस्तुति प्रदान की है। इन पदों के सृजन का अनुमोदन दिनांक 18.03.2015 के पत्र द्वारा सीजीपीडीटीएम कार्यालय को बताया गया है। 12वी योजना के दौरान सृजित 481 पदों में पेटेंट परीक्षकों के 252 पद और व्यापार चिह्न परीक्षकों के 62 पद शामिल हैं।

इसके अनुसरण में सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के साथ एक सहमति की है जिसके अंतर्गत एकस्व और अभिकल्प के परीक्षकों की नियुक्ति की जानी है। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् ने फरवरी 2016 में खुली प्रतियोगिता प्रक्रिया के माध्यम से 459 पेटेंट परीक्षकों की भर्ती की। चयनित अभ्यर्थियों में से, 458 अभ्यर्थी पेटेंट कार्यालय में परीक्षक के रूप में शामिल हुए। 31 मार्च 2017 को कुल 580 परीक्षक थे।

विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों में मानव संसाधन

क. मुम्बई में स्थित कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्नः

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) में निम्नलिखित सहायक कर्मी हैं:

31 मार्च, 2017 तक कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न की गैरयोजना के तहत अनुमोदित और नियोजित व कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं.	पदनाम	नियोजित शक्ति	कार्मिक शक्ति
1	महानियंत्रक	1	1
2	निजी सचिव	1	1
3	स्टाफ कार ड्राइवर	1	1
4	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	2	1
	कुल	5	4

हालाँकि, इस कार्यालय के सुचारु कार्य के लिए पेटेंट व व्यापार चिह्न कार्यालयों से अधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

ख. पेटेंट कार्यालय मे मानव संसाधन

पेटेंट कार्यालयों की कार्मिक शक्ति **परिशिष्ट–क** में दर्शायी गई है। यह परिशिष्ट सभी चार कार्यालयों में 31.03.2017 को अनुमोदित कार्य–शक्ति के साथ–साथ नियोजित कार्मिक शक्ति की भी सूचना प्रदान करता है।

ग. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में मानव संसाधन

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की कार्मिक शक्ति **परिशिष्ट ख** मे दर्शाई गई है। यह परिशिष्ट सभी पाँच कार्यालयों में 31.03.2017 को अनुमोदित कार्य–शक्ति के साथ–साथ नियोजित कार्मिक शक्ति की भी सूचना प्रदान करता है।

घ. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री मे मानव संसाधन

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का अपना अलग अनुमोदित मानव संसाधन है। **परिशिष्ट–ग** भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री की 31.03.2017 को अनुमोदित कार्य–शक्ति के साथ–साथ नियोजित कार्मिक शक्ति की भी सूचना प्रदान करता है।

ङ पीआईएस एवं आरजीएनआईआईपीएम में मानव संसाधन

31.03.2017 को पीआईएस एवं आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों एवं कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट–घ** में दिया गया है।

परिशिष्ट- क

31 मार्च, 2017 तक पेटेंट कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.स.	पदनाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति									नियोजित शक्ति									
			कोलकाता		मुंबई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	कोलकाता		मुंबई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
2	संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	0	1	1	0	0	0	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	उप नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	1	12	1	8	2	7	3	8	7	35	1	12	1	8	2	7	3	8	7	35
4	सहायक नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	4	4	3	8	14	19	12	27	33	58+ 32*	4	4	3	8	14	19	12	27	33	58
5	परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	23	116*	21	25*	29	99*	64	194*	137	200+ 252*	21	116	20	25	27	99	62	194	130	434+ 16^
6	सहायक निदेशक(राभा)	समूह क	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	प्रशासनिक अधिकारी	समूह क	–	–	–	1	–	–	–	1	–	2	–	–	–	–	–	–	–	–	–	0
8	लेखा अधिकारी	समूह क	–	–	–	2	–	–	–	1	–	3	–	–	–	–	–	–	–	–	–	0
		कुल	29	133*	26	44*	46	125*	80	232*	181	584*	26	132	24	41	43	125	77	230	170	544^
1	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	समूह ख (राजपत्रित)	1	0	1	1	1	0	1	1	4	2	1	0	1	1	1	0	1	1	4	2
2	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	समूह ख (राजपत्रित)	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1
3	निजी सचिव	समूह ख (राजपत्रित)	0	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0	1	0	1	0	1	0	1	0	4
		कुल	2	1	1	3	1	1	1	2	5	7	2	1	1	3	1	1	1	2	5	7

*बाद में वितरण

^16 परीक्षक एकस्व एवं अभिकल्प आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर मे प्रशिक्षण पर

क्र. सं.	पदनाम	वर्ग																				
			कोलकाता		मुंबई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकात		मुंबई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	कार्यालय अधीक्षक	समूह ख (अराजपत्रित)	20	11	12	0	10	0	12	1	54	12	17	9	6	0	6	0	12	0	41	9
2	पुस्तकालय एवं सूचना सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	0	1	0	1	0	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0
3	क.हिन्दी अनुवादक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0	1	0	0	0	1	0	1	0	3	0
4	आशुलिपिक वर्ग–1	समूह ख (अराजपत्रित)	4	0	2	0	2	0	2	0	10	0	2	0	1	0	0	0	0	0	3	0
5	लेखाकार	समूह ख (अराजपत्रित)	0	1	0	2	0	1	0	1	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		कुल	26	12	16	2	14	1	17	2	73	17	20	9	7	0	7	0	14	0	48	9
1	फोटोग्राफी सहायक	समूह ग	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0
2	आशुलिपिक – वर्ग–II	समूह ग	1	0	0	2	0	1	0	2	1	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	25	0	7	9	11	4	14	7	57	20	25	0	2	0	8	3	12	5	47	8
4	डाटा इंट्री ऑपरेटर	समूह ग	0	0	0	5	0	7	0	8	0	20	0	0	0	4	0	0	0	3	0	7
5	निम्न श्रेणी लिपिक	समूह ग	9	0	13	0	10	0	12	0	44	0	1	0	1	0	2	0	4	0	8	0
6	हिन्दी टंकक	समूह ग	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	मल्टी–टास्क स्टाफ	समूह ग	42	0	5	2	10	1	10	4	67	7	29	0	3	1	9	0	3	3	44	4
		कुल	79	0	26	18	32	13	37	21	174	52	56	0	7	5	20	3	20	11	103	19

31 मार्च, 2017 तक व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.स.	समूह क का पदनाम	अनुमोदित शक्ति												नियोजित शक्ति											
		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल	
		गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	2	1	1	1	1	1	1	1	0	1	5	5	2	0	1	0	0	0	2	0	0	0	5	0
4	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	3	2	1	1	1	2+1^	2	3	2	1	9	10	4	0	0	0	1	0	2	0	2	0	9	0
5	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	6	15	0	3	1	3+1^	3	4	1	2	11	28	3	2	0	0	1	3	3	0	0	0	7	5
6	सहायक निदेशक (राभा)	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
7	विधि अधिकारी	0	1	0	0	0	1	0	1	0	1	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
8	प्रोग्रामर/आईटी स्पेशलिस्ट	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
9	प्रशासनिक अधिकारी	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	13	23	3	5	3	10	7	9	3	5	29	52	10	2	1	0	2	3	7	0	2	0	22	5

^ भौ.उ. रजिस्ट्री के लिए

क्र. सं.	समूह ख का पदनाम (राजपत्रित)	अनुमोदित शक्ति												नियोजित शक्ति											
		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल	
		गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.उ.	15	78	1	3	2	4+2^	4	8	2	4	24 100*	99	17	10	0	3	1	2	4	7	2	2	24 100*	24
2	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	2	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
3	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
4	निजी सचिव	2	0	0	0	0	1	0	1	0	0	2	2	2	0	0	0	0	1	0	0	0	0	2	1
5	जन संपर्क अधिकारी	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	20	79	1	3	2	7	4	10	2	4	29 100*	103	20	10	0	3	1	3	4	8	2	2	27 100*	26

* संविदा के आधार पर परीक्षक, व्यापार चिह्न

^ भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए

31 मार्च, 2017 तक व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं.	समूह ख का पदनाम (अराजपत्रित)	अनुमोदित शक्ति												नियोजित शक्ति											
		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल	
		गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	कार्यालय अधीक्षक	4	2	–	–	1	1	1	1	–	1	6	5	–	–	–	–	–	–	1	–	–	–	1	–
2	पुस्तकालय व सूचना सहायक	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3	आशुलिपिक समूह I	3	–	2	–	2	–	2	–	1	–	10	–	2	–	2	–	2	–	1	–	1	–	8	–
4	सहा. परीक्षक, व्या. चिह्न व भौ. उ.	11	5	2	–	2	1	3	4	3	3	21	13	4	–	1	–	–	–	1	–	–	–	6	–
5	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	2	–	–	–	–	1	–	–	–	2	2	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
6	लेखाकार	–	1	–	–	–	1	–	1	–	–	–	3	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	कुल	20	10	4	–	5	3	7	6	4	4	40	23	6	–	3	–	2	–	3	–	1	–	15	

क्र. सं.	समूह ग पदनाम	अनुमोदित शक्ति												नियोजित शक्ति											
		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल		अहमदाबाद		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
		गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	सहायक अधीक्षक	7	–	2	–	1	–	1	–	–	–	11	–	6	–	2	–	1	–	1	–	–	–	10	–
2	फोटोग्राफी सहायक	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3	रोकड़िया	1	–	1	–	1	–	1	–	–	–	4	–	–	–	1	–	1	–	–	–	–	–	2	–
4	प्रवर श्रेणी लिपिक	25	–	5	–	5	1	4	3	3	1	42	5	21	–	5	1	3	1	–	–	1	–	30	2
5	आशुलिपिक समूह II	–	4	1	1	1	1	1	2	–	1	3	9	–	–	–	–	–	–	3	2	–	–	3	2
6	अवर श्रेणी लिपिक	20	–	6	–	7	–	2	–	3	–	38	–	1	–	1	–	1#	–	1	–	–	–	4	–
7	हिन्दी टंकक	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
8	डाटा इंट्री ऑपरेटर	–	–	–	2	–	4	–	4	–	2	–	12	–	–	–	2	–	–	–	3	–	1	–	6
9	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	28	–	8	–	8	–	9	1	4	1	57	2	18	–	4	–	7	–	5	–	2	1	36	1
	कुल	**83**	**4**	**23**	**3**	**23**	**6**	**18**	**10**	**10**	**5**	**157**	**28**	**46**	**-**	**13**	**3**	**13**	**1**	**10**	**5**	**3**	**2**	**85**	**11**

वर्तमान मे भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में कार्यरत

परिशिष्ट–ग

31 मार्च, 2017 तक भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	0
2	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	1
3	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	1
4	आशुलिपिक	1	1
5	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	1	1
	कुल	**5**	**4**

परिशिष्ट–घ

31 मार्च, 2017 तक पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों और कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1	वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी	1	1
2	कार्यालय अधीक्षक	1	1
3	वरिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	1
4	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	1	1
5	आशुलिपिक समूह ।	1	1
6	भंडार सहायक	1	1
7	कनिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	0
8	कनिष्ठ रिप्रोग्राफी सहायक	3	3
9	सहायक अधीक्षक	1	1
10	आशुलिपिक समूह ।।	1	0
11	शेल्फ सहायक	1	1
12	प्रवर श्रेणी लिपिक	3	3
13	स्वागतकर्ता	1	1
14	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	2	2
15	अवर श्रेणी लिपिक	3	3
16	हिंदी टंकक	1	1
17	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	6	5
	कुल	**29**	**27**

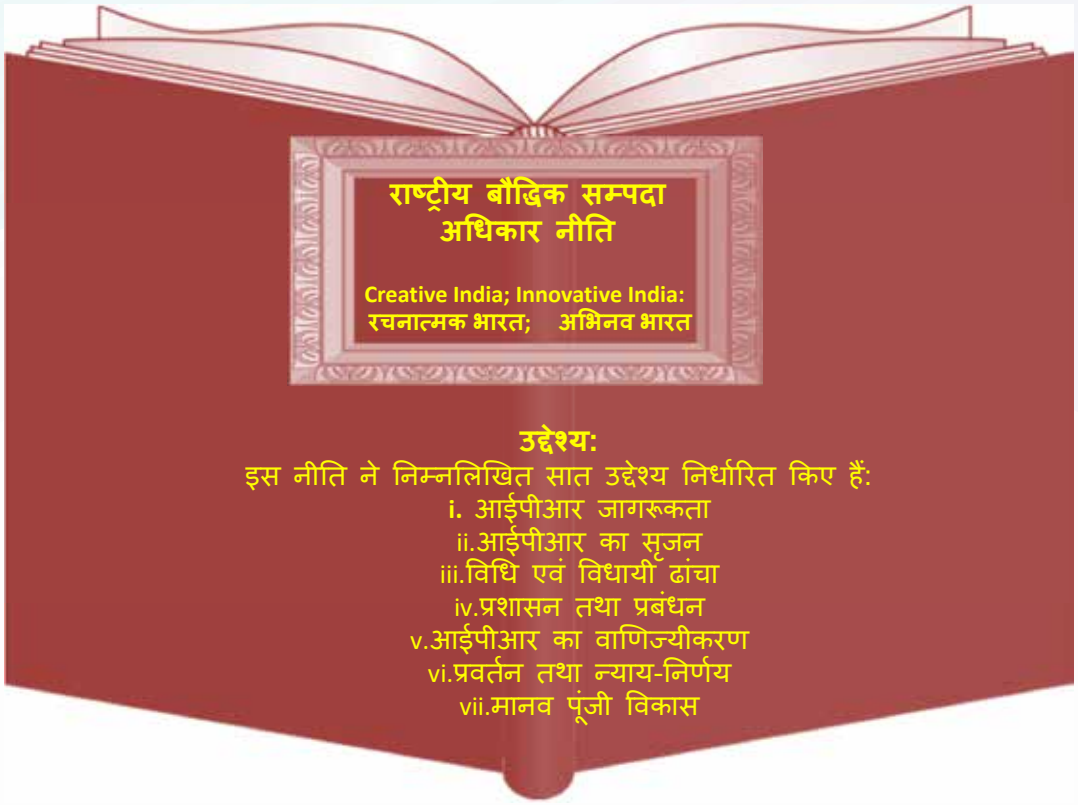

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति

Creative India; Innovative India:
रचनात्मक भारत; अभिनव भारत

उद्देश्य:

इस नीति ने निम्नलिखित सात उद्देश्य निर्धारित किए हैं:

i. आईपीआर जागरूकता
ii. आईपीआर का सृजन
iii. विधि एवं विधायी ढांचा
iv. प्रशासन तथा प्रबंधन
v. आईपीआर का वाणिज्यीकरण
vi. प्रवर्तन तथा न्याय-निर्णय
vii. मानव पूंजी विकास

भविष्य की पहलें

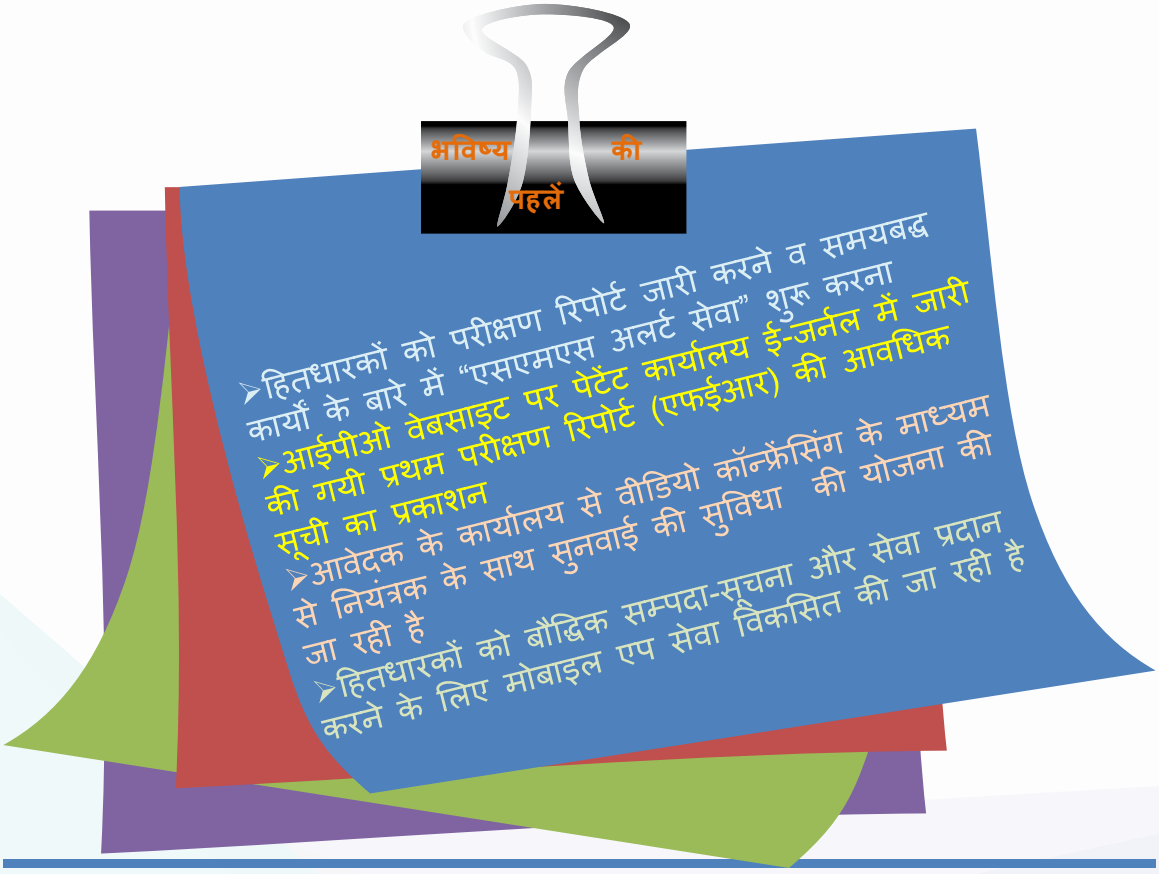

- हितधारकों को परीक्षण रिपोर्ट जारी करने व समयबद्ध कार्यों के बारे में "एसएमएस अलर्ट सेवा" शुरू करना
- आईपीओ वेबसाइट पर पेटेंट कार्यालय ई-जर्नल में जारी की गयी प्रथम परीक्षण रिपोर्ट (एफईआर) की आवधिक सूची का प्रकाशन
- आवेदक के कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियंत्रक के साथ सुनवाई की सुविधा की योजना की जा रही है
- हितधारकों को बौद्धिक सम्पदा-सूचना और सेवा प्रदान करने के लिए मोबाइल एप सेवा विकसित की जा रही है